21 फरवरी 2025
गुरुवार

केशव टाइम्स
डिजिटल संस्करण

आपकी आवाज

आरके सिंह बोले... चुनाव में मुझे हराने के लिए रचा गया था षडयंत्र 2

योगी सरकार ने खोला खजाना... विधानसभा में 8 लाख 8 हजार 736 करोड़ का बजट पेश

- इंफ्रास्ट्रक्चर, शिक्षा और एआई को दी सर्वाधिक प्राथमिकता
- उत्तर प्रदेश में स्थापित होगी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सिटी
- 58 नगर निकायों को 'आदर्श स्मार्ट नगर निकाय' के रूप में विकसित किया जाएगा

केटी न्यूज/लखनऊ

योगी सरकार ने वित्तीय वर्ष 2025-2026 के लिए 8 लाख 8 हजार 736 करोड़ 6 लाख रुपये का ऐतिहासिक बजट विधानसभा में पेश किया। यह उप्र के इतिहास में अब तक का सबसे बड़ा बजट है। वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने इसे प्रदेश के आर्थिक विकास और सामाजिक कल्याण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताते हुए प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि यह बजट वर्ष 2024-2025 के बजट से 9.8 प्रतिशत अधिक है, जिससे आर्थिक वृद्धि को गति मिलेगी। वित्त मंत्री ने कहा कि यह बजट प्रदेश की आर्थिक मजबूती, औद्योगिक विकास और रोजगार सृजन को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है। सरकार का लक्ष्य उत्तर प्रदेश को 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ना है। बजट में अवस्थापना विकास के लिए 22 प्रतिशत, शिक्षा के लिए 13 प्रतिशत, कृषि और सम्बद्ध सेवाओं के लिए 11 प्रतिशत, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य के क्षेत्र में 6 प्रतिशत, सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रमों के लिए 4 प्रतिशत एवं संसाधन आवंटित किये गये हैं। बजट में पूंजीगत परिव्यय कुल बजट का लगभग 20.5 प्रतिशत है।

बुनियादी ढांचे और इन्फ्रास्ट्रक्चर की मजबूती पर ध्यान

प्रदेश में बुनियादी ढांचे और इन्फ्रास्ट्रक्चर को मजबूत बनाने के लिए सरकार ने बजट का 22 प्रतिशत हिस्सा निर्धारित किया है। इसमें सड़क निर्माण, औद्योगिक विस्तार, परिवहन व्यवस्था और निवेश को आकर्षित करने जैसी योजनाओं को प्राथमिकता दी गई है।

शिक्षा: योगी सरकार ने शिक्षा को और मजबूत बनाने के लिए 13 प्रतिशत बजट शिक्षा क्षेत्र के लिए निर्धारित किया है। इसमें प्राथमिक एवं उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में आईसीटी लैब और स्मार्ट क्लासेस स्थापित करने का प्रस्ताव है। साथ ही राजकीय पॉलीटेक्निक कॉलेजों में डिजिटल लाइब्रेरी और स्मार्ट क्लासेस शुरू करने की योजना भी शामिल है। इसके अलावा प्रदेश में शोध और विकास को बढ़ावा देने के लिए विशेष योजनाएं बजट में प्रस्तावित हैं।

एआई और साइबर सुरक्षा को बढ़ावा: योगी सरकार प्रदेश में 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सिटी' की स्थापना करेगी, जिससे प्रदेश को तकनीकी नवाचार का केंद्र बनाया जाएगा। साथ ही साइबर सिक्योरिटी में टेक्नोलॉजी रिसर्च ट्रांसलेशन पार्क स्थापित करने की योजना, जिससे डिजिटल सुरक्षा को बढ़ावा मिलेगा। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को बढ़ावा देने हेतु सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की स्थापना का प्रस्ताव भी शामिल है। सरकार ने प्रदेश में विज्ञान और अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। इसमें साइंस सिटी, विज्ञान पार्क और नक्षत्रशालाओं की स्थापना व पुराने संस्थानों के नवीनीकरण की कार्ययोजना शामिल है। छात्रों के लिए आधुनिक वैज्ञानिक सुविधाएं उपलब्ध कराने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

58 नगर निकाय बनाए जाएंगे आदर्श स्मार्ट नगर निकाय

प्रदेश के 58 नगर निकायों को 'आदर्श स्मार्ट नगर निकाय' के रूप में विकसित किया जाएगा। इसमें प्रत्येक नगर निकाय को 2.50 करोड़ रुपये की धनराशि प्रदान की जाएगी, जिससे कुल 145 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। इन शहरों में आधुनिक सुविधाएँ, तकनीकी नवाचार और स्वच्छता प्रबंधन को प्राथमिकता दी जाएगी।

बनेंगे श्रमिक अड्डे: जिला मुख्यालयों में कामगार/श्रमिक अड्डे बनाए जाएंगे। इनमें कैंटीन, पीने का पानी, स्नानागार, शौचालय जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। यह योजना श्रमिकों के रोजगार और जीवन स्तर सुधारने में मददगार साबित होगी।

गरीबी उन्मूलन का लक्ष्य: वित्त मंत्री ने बताया कि योगी सरकार ने 2 अक्टूबर 2024 से जीरो पॉवर्टी अभियान शुरू किया है। इस अभियान के तहत प्रदेश की प्रत्येक ग्राम पंचायत से निर्धनतम परिवारों की पहचान की जाएगी। सरकार का लक्ष्य है कि इन परिवारों की वार्षिक आय को 1,25,000 रुपये तक लाया जाए और उनकी मूलभूत जरूरतों को पूरा किया जाए।

यूपी बनेगा राष्ट्रीय और वैश्विक निवेश का केंद्र: उन्होंने बताया यह बजट राज्य के विकास, तकनीकी उन्नति, शिक्षा सुधार, गरीबों के कल्याण और बुनियादी ढांचे के विस्तार को ध्यान में रखते हुए बनाया गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश आधुनिकता, नवाचार और आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर हो रहा है। वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने कहा कि यह बजट प्रदेश को राष्ट्रीय और वैश्विक निवेश का केंद्र बनाने की दिशा में एक मजबूत कदम है।

दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता समेत छह मंत्रियों ने ली शपथ, बैठक में लिये अहम फैसले

दिल्ली में लागू होगी आयुष्मान भारत योजना विधानसभा में पेश होगी सीएजी की रिपोर्ट

- बोलीं सीएम रेखा गुप्ता- दिल्ली को विकसित शहर बनाने के लिए लगातार किया जाएगा काम इस मिशन में एक भी दिन बर्बाद नहीं किया जाएगा

एजेंसी/नई दिल्ली

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में हुई दिल्ली कैबिनेट बैठक में आयुष्मान भारत योजना लागू करने का फैसला लिया गया। इस योजना के तहत दिल्ली सरकार 5 लाख और केंद्र सरकार 5 लाख रुपये की सहायता देगी। इसके अलावा सीएजी की 14 लंबित रिपोर्टों को विधानसभा में पेश करने का प्रस्ताव भी पारित किया गया। यह सरकार की पारदर्शिता नीति का हिस्सा बताया जा रहा है। दिल्ली में मुख्यमंत्री पद संभालने के बाद रेखा गुप्ता ने अपनी पहली कैबिनेट बैठक में कई अहम फैसले लिए। बैठक के बाद उन्होंने कहा कि दिल्ली को विकसित शहर बनाने के लिए लगातार काम किया जाएगा और इस मिशन में एक भी दिन बर्बाद नहीं किया जाएगा। उन्होंने भरोसा दिलाया कि चुनाव से पहले जो भी वादे किए गए थे, उन्हें पूरा किया जाएगा। कैबिनेट बैठक में महिला सशक्तिकरण योजना पर भी चर्चा हुई। सरकार इस योजना के लाभार्थियों की श्रेणी और इसके लागू करने पर विचार कर रही है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि चुनाव से पहले जो भी वादे किए गए थे, उन्हें पूरा किया जाएगा। कैबिनेट बैठक में सीएजी की 14 लंबित रिपोर्टों को विधानसभा में पेश करने का भी फैसला लिया गया। पिछली सरकार के कार्यकाल में ये रिपोर्ट सदन में प्रस्तुत नहीं की गई थीं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी इस मुद्दे को उठाया था और कहा था कि बीजेपी सरकार बनते ही सीएजी रिपोर्ट को सदन में पेश किया जाएगा।

महिला सशक्तिकरण पर भी हुई चर्चा: कैबिनेट बैठक में महिला सशक्तिकरण और कल्याण के लिए 2500 की वित्तीय सहायता योजना पर भी चर्चा हुई। इस योजना का उद्देश्य महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना और उन्हें आत्मनिर्भर बनने में सहायता देना है। फिलहाल माना जा रहा है कि सरकार जल्द ही यह तय करेगी कि किन श्रेणियों की महिलाओं को इस योजना का लाभ मिलेगा और इसको कैसे चालू किया जाएगा। वहीं, मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि सरकार महिला कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है और इस दिशा में ठोस कदम उठाएगी।

उप राज्यपाल ने सीएम व सभी मंत्रियों को पद और गोपनीयता की दिलाई शपथ

नई दिल्ली। दिल्ली भाजपा विधायक दल का नेता चुने जाने के बाद रेखा गुप्ता ने गुरुवार को दिल्ली के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। इनके साथ छह मंत्रियों ने भी शपथ ली। उप राज्यपाल विनय सक्सेना ने मुख्यमंत्री और सभी मंत्रियों को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। बता दें कि दिल्ली के सीएम की दौड़ में प्रवेश वर्मा, सतीश उपाध्याय, विजेंद्र गुप्ता, शिखा राय समेत कई चेहरों का नाम लिया जा रहा था। आखिरकार बाजी रेखा गुप्ता ने मारी। दिल्ली की नई सरकार के शपथग्रहण में मुख्यमंत्री के साथ छह मंत्री भी शपथ ली। इस समारोह में पीएम मोदी समेत और कई राज्यों के मुख्यमंत्री पहुंचे। प्रवेश वर्मा, आशीष सूद, पंकज सिंह, मनजिंदर सिरसा, कपिल मिश्रा, रविंद्र इंद्राज दिल्ली में कैबिनेट मंत्री बने। इस बीच कैबिनेट मंत्रियों के साथ रेखा गुप्ता यमुना जी के वासुदेव घाट पर पहुंचीं। इस दौरान उन्होंने शाम की आरती की और प्रार्थना किया। बता दें कि इस दौरान रेखा गुप्ता के साथ प्रवेश वर्मा समेत दिल्ली कैबिनेट के कई मंत्री भी मौजूद रहे। पूरे विधि-विधान के साथ रेखा गुप्ता ने आरती की।

डिप्टी सीएम प्रवेश वर्मा ने सबसे पहले ली थपथ

सीएम फेस की रेस में खबरों में सबसे आगे रहने वाले दिल्ली के चर्चित बीजेपी नेता प्रवेश वर्मा ने सबसे पहले शपथ ली है। आप के संयोजक अरविंद केजरीवाल का धूल चटाकर प्रवेश वर्मा ने रिकॉर्ड तोड़ा है। इसके बाद दूसरा नाम आशीष सूद का है, उन्होंने भी मंत्री पद की शपथ ली। आशीष सूद जनकपुरी से विधायक हैं। वह दिल्ली में पंजाबी वर्ग का बड़ा चेहरा हैं। बीजेपी की टीम में सिख समुदाय का बड़ा चेहरा कहे जाने वाले मनजिंदर सिंह सिरसा तीसरे नंबर पर शपथ ली, मनजिंदर राजौरी गार्डन से विधायक हैं। वहीं, इनके बाद युवा चेहरा रविंद्र इंद्राज का नाम भी मंत्री पद की शपथ लेने वालों की लिस्ट में शामिल रहा। रविंद्र पहली बार विधायक बने हैं। कपिल मिश्रा दिल्ली के करावल नगर से विधायक हैं। उनकी पहचान हिंदू और पूर्वांचली नेता की है। वह दूसरी बार करावल नगर से विधायक बने हैं, जबकि पंकज कुमार सिंह दिल्ली के विकासपुरी से विधायक हैं। वह पेशे से दांत के डॉक्टर हैं। उनकी पहचान पूर्वांचली नेता के तौर पर होती है। उनके साथ बिहार फैक्टर भी जुड़ा हुआ है। शपथ ग्रहण समरोह के दौरान दिल्ली का रामलीला मैदान खचाखच भरा था। इसमें सभी दिग्गज नेताओं के अलावा धर्मगुरु भी शामिल हुए।

हथियार डाल मुख्यधारा में शामिल हों पूर्वोत्तर के उग्रवादी: अमित शाह

एजेंसी/नई दिल्ली

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को पूर्वोत्तर क्षेत्र के उग्रवादियों से अपील कि वे अपने हथियार डालकर मुख्यधारा में शामिल हों। उन्होंने कहा कि भारत के विकास में उनके योगदान का स्वागत किया जाएगा। शाह असम राइफल्स की ओर से आयोजित 'एकता उत्सवः एक आवाज, एक देश' कार्यक्रम में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि सभी जानते हैं कि पूर्वोत्तर शांति और विकास चाहता है और भारत के आंतरिक हिस्से के रूप में काम करना चाहता है। उन्होंने कहा कि पिछले पांच वर्षों पूर्वोत्तर में हिंसा में 70 फीसदी कमी आई है, सुरक्षा बलों में मौते 70 फीसदी कम हुई हैं और नागरिकों की मौत में 85 फीसदी की कमी आई है।

पांच वर्षो में 10 हजार उग्रवादियों ने किया आत्मसमर्पण: शाह ने कहा कि पिछले पांच वर्षों में 10 हजार से अधिक उग्रवादी आत्मसमर्पण कर चुके हैं। विभिन्न संगठनों के साथ 12 शांति समझौते किए गए हैं और राज्यों के बीच दो सीमा समझौतों पर भी हस्ताक्षर किए गए हैं। उन्होंने कहा, पूर्वोत्तर क्षेत्र शांति चाहता है, विकास चाहता है और भारत का एक अभिन्न हिस्सा रहकर काम करना चाहता है।

पूर्वोत्तर की समृद्ध परंपरा पर

देश को गर्वः उन्होंने यह भी कहा कि अगर पूर्वोत्तर के युवा भारत के विकास में योगदान देने के लिए एक कदम बढ़ाते हं, तो पूरा देश खुले दिल से चार कदम बढ़ाकर उनका स्वागत करेगा। देश के हर कोने के दिल में पूर्वोत्तर क्षेत्र के लिए एक खास स्थान है। शाह ने कहा कि पूर्वोत्तर की समृद्ध परंपरा और सांस्कृतिक धरोहर पर देश गर्व महसूस करता है। पूर्वोत्तर की सांस्कृतिक धरोहर के बिना भारत अधूरा है। शाह ने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूर्वोत्तर की पहचान को नया आयाम देते हुए इसे अष्टलक्ष्मी नाम दिया है, जो आठ राज्यों असम, अरुणाचल प्रदेश, मेघालय, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा और सिक्किम का सम्मिलित रूप है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी ने पूर्वोत्तर के युवाओं के लिए अनगिनत अवसरों के रास्ते खोलने के लिए आर्थिक, सांस्कृतिक, खेल, शिक्षा, कृषि और उद्यमिता जैसे कई क्षेत्रों में काम किया है।

सोशल मीडिया पर अश्लीलता रोकने के लिए आएगा डिजिटल इंडिया बिल

एजेंसी/नई दिल्ली

सोशल मीडिया पर अश्लीलता रोकने के लिए केंद्र सरकार मौजूदा आईटी एक्ट की जगह डिजिटल इंडिया बिल लाने पर काम कर रही है। नए कानून में यू ट्यूबर, डिजिटल प्लेटफॉर्म और सोशल मीडिया यूजर्स को रेगुलेट करने के प्रावधान रहेंगे। डिजिटल इंडिया बिल पर केंद्र करीब 15 महीने से काम कर रहा है। अलगझअलग क्षेत्र के लिए विशिष्ट प्रावधान वाले कानून बनाए जाएंगे। जैसे दूरसंचार, सूचना प्रौद्योगिकी और सूचना एवं प्रसारण संबंधी विषयों के लिए अलग-अलग प्रावधान रखे जाएंगे। इसमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के गवर्नेंस की भी व्यवस्था हो। सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर रणवीर अलाहबादिया के विवाद के चलते सरकार डिजिटल इंडिया बिल की ओर वापसी कर रही है। हालांकि, एआई गवर्नेंस को इससे अलग रखने का फैसला किया है।

बाइडेन सरकार भारत में किसी और को चुनावों में जीत दिलाने की कर रही थी साजिश: राष्ट्रपति ट्रंप

एजेंसी/नई दिल्ली

अब तक भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) भारतीय चुनावों में अमेरिकी डीप स्टेट के हस्तक्षेप करने का आरोप लगा रही थी, लेकिन अब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने साफ-साफ कह दिया कि बाइडेन प्रशासन में भारत में सत्ता परिवर्तन करवाने की साजिश रची गई। ट्रंप ने कहा कि भारत में वोटर टर्नआउट बढ़ाने के नाम पर यूएस एजेंसी फॉर इंटरनैशल डिवेलपमेंट से 2.1 करोड़ डॉलर की फंडिंग के पीछे का मकसद कुछ और नहीं, बल्कि मौजूदा सरकार को सत्ता से हटाना था। ट्रंप ने अपने पूर्ववर्ती जो बाइडेन की सरकार पर आशंका जताई है कि पिछली बाइडेन सरकार भारत में किसी और को चुनावों में जीत दिलाने की साजिश कर रही थी। उन्होंने कहा कि इस मामले में उनकी सरकार भारत की सरकार से बात करेगी।भारतीय चुनावों में वोटर टर्नआउट बढ़ाने के लिए यूएसएेड से 21 मिलियन डॉलर दिए जाने का खुलासा एलन मस्क की अगुवाई वाले उड्ड्रॅ (डिपार्टमेंट ऑफ गवर्नमेंट एफिशियंसी) ने किया था। अब राष्ट्रपति ट्रंप ने अपने प्रशासन से इस मामले में मोदी सरकार से बात करने को कहा है। यह सब भारत में 2024 के आम चुनावों के बाद हो रहा है, जिसमें भाजपा की सरकार तो लौट गई, लेकिन उसकी सीटें घट गईं। भाजपा को अपने दम पर बहुमत नहीं मिल सका।

पद्मश्री वैज्ञानिक डॉ. अजय कुमार सोनकर ने गंगा जल को प्रयोगशाला में जांचने की दी खुली चुनौती

वैज्ञानिक का दावा... गंगा का जल अल्कलाइन वाटर जैसा शुद्ध

केटी न्यूज/प्रयागराज

उत्तर प्रदेश के प्रयागराज महाकुंभ मेला 2025 में अब तक 57 करोड़ से अधिक श्रद्धालु गंगा में आस्था की डुबकी लगा चुके हैं। इसके बावजूद गंगा जल की शुद्धता पर कोई असर नहीं पड़ा है। मिसाइल मैन एपीजे अब्दुल कलाम के साथ वैज्ञानिक विमर्श करने वाले पद्मश्री वैज्ञानिक डॉ. अजय कुमार सोनकर ने अपनी प्रयोगशाला में यह सिद्ध कर दिया है कि गंगा का जल न केवल स्नान योग्य है, बल्कि अल्कलाइन वाटर जैसा शुद्ध है। डॉ. सोनकर ने कहा है कि जिसे जरा भी संदेह हो, वह मेरे सामने गंगा जल ले और प्रयोगशाला में जांचकर संतुष्ट हो जाए। मोती उगाने की दुनिया में जापानी वर्चस्व को चुनौती देने वाले शीर्ष

भारतीय वैज्ञानिक ने संगम और अरैल के साथ एक दो नहीं बल्कि 05 घाटों से गंगा जल कलेक्ट किया है। डॉ सोनकर के लगातार तीन महीने के शोध में यह साबित किया कि गंगा जल सबसे शुद्ध है। यहां नहाने से किसी प्रकार का कोई नुकसान नहीं हो सकता है। बैक्टीरियोफेज के कारण गंगा जल की अद्भुत स्वच्छता क्षमता हर तरह से बरकरार है।

संगम नोज समेत 5 प्रमुख स्नान घाटों से इकट्ठा किए जल के नमूने

वैज्ञानिक डॉ. अजय कुमार सोनकर ने महाकुंभनगर के संगम नोज और अरैल समेत अलग-अलग 5 प्रमुख स्नान घाटों से खुद जाकर जल के नमूने इकट्ठा किए। इसके बाद उन्हें अपनी प्रयोगशाला में सूक्ष्म परीक्षण के लिए रखा। डॉ. अजय के अनुसार आश्चर्यजनक रूप से करोड़ों श्रद्धालुओं के स्नान के बावजूद जल में न तो बैक्टीरियल ग्रोथ देखी गई और न ही जल के पीएच स्तर में कोई गिरावट आई।देश के शीर्ष वैज्ञानिक ने इस शोध मंत पाया कि गंगा जल में 1100 प्रकार के बैक्टीरियोफेज मौजूद हैं। वे किसी भी हानिकारक बैक्टीरिया को नष्ट कर देते हैं। यही कारण है कि गंगा जल में 57 करोड़ श्रद्धालुओं के स्नान करने के बाद भी उसका पानी दूषित नहीं हुआ। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, कुछ संस्थाओं और लोगों ने जनता में एक तरह का भ्रम फैलाया। इसमें गंगा जल को आचमन और स्नान के लिए अयोग्य बताया गया था। वहीं, डॉ. सोनकर के शोध ने इस दावे को पूरी तरह गलत साबित कर दिया है। उन्होंने कहा कि गंगा जल की अम्लीयता सामान्य से बेहतर है। उसमें किसी भी प्रकार की दुर्गंध या जीवाणु वृद्धि नहीं पाई गई। विभिन्न घाटों पर लिए गए सैंपल को प्रयोगशाला में 8.4 से लेकर 8.6 तक पीएच स्तर का पाया गया है। यह काफी बेहतर है। प्रयोगशाला में जल के नमूनों को 14 घंटों तक इंक्यूबेशन तापमान पर रखने के बाद भी उनमें किसी भी प्रकार की हानिकारक बैक्टीरिया की वृद्धि नहीं हुई।

हद है! तीन साल से सुनीता की जगह जेल में बंद है निर्दोष उर्मिला

- पुलिस की कारस्तानी से 3 साल से कैद में निर्दोष
- मीनापुर थाना में शराब बेचने का है मामला

केटी न्यूज/मुजफ्फरपुर

बिहार पुलिस की एक बड़ी गलती के कारण उर्मिला को तीन साल जेल में बिताने पड़े। मुजफ्फरपुर की मीनापुर थाने की पुलिस ने अजीबोगरीब कारनामा कर डाला। दर्ज प्राथमिकी में नाम किसी का और गिरफ्तारी किसी और की हो गई। मामला गुरुवार को तब उजागर हुआ,

जब उत्पाद न्यायालय में मामले कि सुनवाई करते हुए विशेष न्यायाधीश मिथलेश कुमार ने पुलिस की गलती पर संज्ञान लिया। इस मामले में निर्दोष की गिरफ्तारी पर कोर्ट ने चिंता जताई। उर्मिला देवी के अधिवक्ता ने न्यायालय से इस बेबुनियाद मामले को खत्म करने की मांग की।

सुनीता की जगह उर्मिला को जेल: घटना के संबंध में बताया जाता है कि मीनापुर थाना कांड संख्या 381/22 मामले में शराब बेचने के मामले में सुनीता देवी पति विद्यानंद राय आरोपी थी। जबकि, इस मामले में कार्रवाई करते हुए मीनापुर थाने पुलिस ने उर्मिला देवी पति धर्मनाथ राय को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। इस मामले में कई बार प्रयास करने के बावजूद उर्मिला देवी को जमानत नहीं मिली। लेकिन गुरुवार को उत्पाद विभाग के न्यायालय में जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए न्यायाधीश ने गलत आरोपी को गिरफ्तार करने के मामले पर संज्ञान लेते हुए निर्दोष पकड़ी गई उर्मिला देवी की जमानत याचिका स्वीकार की।

बिहार पुलिस की बड़ी लापरवाही: पूरे मामले को लेकर उर्मिला देवी के अधिवक्ता सुमित कुमार सुमन ने बताया कि 22-7-2022 को मीनापुर थाना अध्यक्ष को गुप्त सूचना मिली थी दीपक कुमार पिता विद्यानंद राय और विजय कुमार पिता धर्म निरीक्षण राय दोनों मीनापुर थाना क्षेत्र के धर्मपुर गांव निवासी है। अवैध रूप से शराब बेचने का काम कर रहे हैं।

तीन साल से सुनीता फरार: सूचना के बाद जब पुलिस छापामारी को पहुंची तो सुनीता देवी पति विद्यानंद विद्यानंद राय को शराब बेचते हुए पाया। इस मामले में आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली। इसके बाद न्यायिक हिरासत में पुलिस ने निर्दोष उर्मिला देवी पति धर्मनाथ राय को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। गुरुवार को सुनवाई के दौरान इस मामले में उत्पाद न्यायालय के विशेष न्यायाधीश ने संज्ञान लेते हुए पीड़ित को न्याय दिया। ऐसे में यह सवाल खड़ा हो रहा है कि निर्दोष उर्मिला को जेल भेज दिया गया है। ऐसे में दोषी पदाधिकारी पर क्या कार्रवाई की जाएगी। पीड़ित महिला को इसके एवज में मुआवजा के रूप में क्या दिया जाएगा।

विपक्ष को 20 सीट जीतने के लिए भी करना होगा संघर्ष: मंत्री जयंत

सासाराम। भवन निर्माण मंत्री जयंत राज ने केंद्रीय बजट में बिहार को मिले विशेष पैकेज पर संतोष जताया। इसके लिए उन्होंने केंद्र सरकार को धन्यवाद दिया। मंत्री ने कहा कि बिहार को मिली सहायता को घर-घर तक पहुंचाना हमारी प्राथमिकता है। उन्होंने दावा किया कि अब बिहार में विकास की गति दोगुनी हो जाएगी। आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर जयंत राज ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि एनडीए का लक्ष्य 225 सीटें जीतना है और इसे हर हाल में पूरा किया जाएगा। वहीं, उन्होंने यह भी कहा कि विपक्ष को 20-25 सीटें जीतने के लिए भी संघर्ष करना पड़ेगा। मंत्री ने विपक्ष को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि इन्हें विकास से कोई मतलब नहीं, ये सिर्फ बातें करते हैं। आगामी चुनाव में इनके विधायक जीतकर नहीं लौटने वाले हैं। विपक्ष के लोग भी जानते हैं कि सीएम ने बेहतरीन काम किया है, लेकिन राजनीतिक मजबूरी में वे खुलकर स्वीकार नहीं कर सकते। चुनावी पैकेज के आरोपों पर सफाई देते हुए मंत्री ने कहा कि बजट और चुनाव अपनी जगह हैं, इसे किसी रणनीति से जोड़कर देखना गलत होगा।

आरा में आयोजित कार्यक्रम में पूर्व केंद्रीय मंत्री ने लगाए गंभीर आरोप

आरके सिंह बोले... चुनाव में मुझे हराने के लिए रचा गया था षडयंत्र

केटी न्यूज/आरा

आरा संसदीय सीट से चुनाव हारने का मलाल अभी तक भाजपा के पूर्व केंद्रीय ऊर्जा मंत्री आरके सिंह के दिल में कांटों की तरह चुभ रहा है। उनके मन में सबसे ज्यादा इस बात को लेकर चोट पहुंची है कि इस हार की वजह कोई दूसरा नहीं बल्कि अपने ही लोगों का षड्यंत्र है, जिसके वह शिकार हुए हैं। आरा के पूर्व सांसद आरके सिंह ने एक कार्यक्रम के दौरान कही। सभा के मंच से अपने क्षेत्र की जनता को बताते हुए आरके सिंह ने यहां तक कह डाला है कि जो-जो लोग मुझे हराने के षड्यंत्र में शामिल थे,अगर उन लोगों को पार्टी टिकट देती है तो हम उनके खिलाफ सामने आकर उन्हें हराएंगे। आरके सिंह ने पहली बार भोजपुरी पावर स्टार पवन सिंह का नाम लेकर उनके काराकाट सीट से चुनाव लड़ने पर भी बड़ी प्रतिक्रिया दी है।

ऐसे हुई मेरे साथ राजनीति : आरके सिंह ने कहा है कि पवन सिंह खड़े हुए थे, ये पवन सिंह की गलती नहीं थी, बल्कि यह भाजपा की गलती थी। भाजपा ने उनको कहा कि हम टिकट देंगे, आसनसोल से टिकट भी दे दिया। इसके बाद वहां पर हल्ला हुआ तो फिर पार्टी ने कहा कि नहीं विड्रोल कर दीजिए और आप कहीं और से टिकट ले लीजिए। जब आरा से टिकट नहीं दिया तब वह अपने आप खड़े हो गए। वो वैसे खड़े नहीं हुए थे,ये आप लोग भी जानते हैं कि हम दो टूक बोलते हैं। पवन सिंह को हमारे पार्टी के लोगों के द्वारा पैसा देकर खड़ा कराया गया।हमारे ही पार्टी के लोगों के द्वारा पैसा देकर और पीठ ठोंक कर हमारे खिलाफ पवन सिंह को खड़ा कराया गया था। उन्हें चुनाव में अगर टिकट मिलेगा तो हम उसके खिलाफ खड़े रहेंगे और उसे जीतने नहीं देंगे ये मेरा अपने ही घर में प्रण है।

- भोजपुरी स्टार पवन सिंह खड़े हुए थे, ये उनकी गलती नहीं थी, बल्कि यह भाजपा की गलती थी
- जो लोग मुझे हराने के षड्यंत्र में शामिल थे, अगर उन्होंने को पार्टी टिकट देती है तो हम उनके खिलाफ सामने आकर उन्हें हराएंगे

बोले... पार्टी के अंदर के लोग ही दगाबाजी और गद्दारी किए

आरके सिंह ने कहा कि चुनाव में हमारे साथ पार्टी के अंदर के लोग ही दगाबाजी और गद्दारी किए हैं, जिसका हमें पता भी चल गया है। वो लोग इस लिए ऐसा किए क्योंकि बीच-बीच में ऐसी हवा बह रही थी कि हमारा सीएम कैसा हो आरके सिंह जैसा हो। इस बात से डरकर जो-जो लोग सीएम बनना चाहते थे, उनकी नजर में हम चढ़ गए और उन लोगों ने षड्यंत्र रचते हुए यहां के कुछ लोगों को इशारा कर दिया। इसके बाद यहां के लोगों को पोलिंग स्लो करवाना और किसी तरह हमको जीतने से रोकना था। उन्हें किसी भी हालत में ये षड्यंत्र को कायम रखना था, जिसमें राज्य के एक और दो नेता हैं जो ये काम के पीछे थे और वो किसको किसको हैंडल कर रहे थे वह भी हमें मालूम है। हमनें पार्टी के शीर्ष नेताओं से भी यह बात बोला था कि आप एक बार कह देंगे तो वो बैठ जाएगा,लेकिन किसी ने नहीं कहा कि पवन सिंह बैठ जाइये। इसका नतीजा यह हुआ कि कुशवाहा, राजपूत और ब्राह्मण का वोट कट गया। इसके वजह से जनता ने ऐसे पार्टी राजद और माले को वोट किया जो कहते थे भूरा बाल साफ करो। आज उसके पास कोई नहीं जाएगा।

भाजपा में आने से पहले खुद की बनाने वाले थे पार्टी : आरके सिंह ने भाजपा में आने से पहले का अपना मकसद जाहिर करते हुए बताया कि वह भाजपा ज्वाइन करने से पहले अपना पार्टी बनाना चाहते थे, जिसमें वो भ्रष्ट नेता और भ्रष्ट लोगों के खिलाफ खड़ा रहना चाहतें थे। वह अपनी पार्टी में पढ़े-लिखे और इमानदार लोग ही रखना चाहते थे जो बिना भेद-भाव और जात-पात से ऊपर उठकर राजनीति करना चाहता हो। देश में वैसा ही राजनीति होना चाहिए, जिसमें पढ़ें लिखे और चरित्रवान लोग आगे आएं तभी देश का विकास होगा और तभी हम महाशक्ति बन सकते हैं। आरके सिंह ने कहा कि जब तक हम लोग देश को चरित्रवान नहीं बनायेंगे और अपने कर्म चरित्र को नहीं सुधारेंगे तब तक आगे नहीं बढ़ेंगे। आरके सिंह ने चुनाव में दगाबाजी और गद्दारी करने वाले लोगों को चेतावनी देते हुए कहा कि जिन नेताओं के इशारे पर इस काम को करने वाले लोग हैं।

मैट्रिक और इंटर का रिजल्ट जारी होने की तारीख तय

पटना। बिहार विद्यालय परीक्षा समिति ने मैट्रिक और इंटर परीक्षा के रिजल्ट कब जारी किये जाएंगे इस बात की घोषणा कर दी हैं। इस बात की जानकारी बिहार बोर्ड के अध्यक्ष आनंद किशोर ने दी। उन्होंने कहा कि इंटर परीक्षा का परिणाम मार्च के अंतिम सप्ताह में और मैट्रिक परीक्षा का परिणाम अप्रैल के पहले सप्ताह में जारी किया जाएगा। इंटर की परीक्षा 1 फरवरी से 15 फरवरी तक आयोजित की गई, जबकि मैट्रिक की परीक्षा 17 फरवरी से शुरू हुई है, जो 25 फरवरी तक चलेगी। बिहार बोर्ड कई सालों से लगातार अन्य राज्यों की अपेक्षा इंटर और मैट्रिक परीक्षा के रिजल्ट सबसे पहले जारी करता आ रहा है, इसी तरह इस साल भी सबसे पहले बिहार बोर्ड का रिजल्ट सबसे पहले आएगा।

बोलीं अलका... अब नीतीश नहीं बनेंगे बिहार के सीएम

केटी न्यूज/पटना

पटना पहुंचते कांग्रेस नेता अलका लांबा ने महिला आरक्षण कानून को लागू करने की मांग की। यह कानून लागू होने से बिहार की महिलाओं को लाभ होगा। बिहार की 243 सीटों में 33 प्रतिशत महिलाओं को चुनाव लड़ने से कोई नहीं रोक सकता। अलका लांबा ने नीतीश कुमार को लेकर बड़ा दावा कर दिया है। उन्होंने कहा कि 2025 में नीतीश कुमार बिहार के मुख्यमंत्री नहीं बनेंगे। 2025 में उनकी विदाई तय है। अलका लांबा ने कहा कि प्रदेश महिला कांग्रेस की बड़ी कार्यकारिणी बैठक बुलाई गई है, जिसमें आगामी चुनाव की रणनीति तय की जाएगी। उन्होंने ऐलान किया कि वह हर जिले और विधानसभा क्षेत्र का दौरा करेंगी और सरकार को उखाड़ फेंकने के

लिए जो भी जरूरी होगा, वह करेंगी। अलका लांबा ने नीतीश कुमार पर हमला बोलते हुए कहा कि उनकी सरकार ने महिलाओं के लिए कुछ नहीं किया। उन्होंने कहा कि वादा जरूर करते हैं, लेकिन पूरा नहीं करते। भाजपा और जदयू 225 सीटों का सपना देख रहे हैं, लेकिन लोकसभा चुनाव में भाजपा ने 400 सीटों का दावा किया था और परिणाम सबके सामने है। बिहार में भी वही होगा।

तेजस्वी के महिला सम्मान योजना का समर्थन : अलका लांबा ने कहा कि तेजस्वी यादव की महिला मान-सम्मान योजना का समर्थन करते हुए कहा कि यह योजना महिलाओं के हित में है और उनकी पार्टी इसे पूरी तरह लागू करेगी। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार आएगी और महिलाओं को हर सुविधा दी जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि अगर दिल्ली में महिलाओं के खिलाफ कुछ भी हुआ, तो महिला कांग्रेस राष्ट्रीय स्तर पर मोर्चा संभालेगी। अलका लांबा ने कहा कि यदि बजट सत्र के दौरान महिला आरक्षण बिल लागू नहीं किया गया, तो महिला कांग्रेस संसद का घेराव करेगी। उन्होंने भाजपा और जदयू पर कटाक्ष करते हुए कहा कि 225 सीटों का सपना देखिए, लेकिन याद रखिए कि पिछले चुनाव में तीसरे नंबर पर थे।

33.99 करोड़ की लागत से इस टर्मिनल भवन का निर्माण किया जाएगा

पूर्णिया एयरपोर्ट के लिए एएआई ने दी मंजूरी

- निर्माण एयरपोर्ट स्टेट ऑफ द आर्ट सुविधाओं से होगा लैस

केटी न्यूज/पूर्णिया

विकसित बिहार के विजन के साथ सीएम नीतीश कुमार की प्रगति यात्रा हर जिले में पहुंच रही है। प्रगति यात्रा के तीसरे चरण में मुख्यमंत्री ने पूर्णिया का दौरा किया था। सीएम ने न केवल 581 करोड़ रुपये की विभिन्न योजनाओं की घोषणा की थी बल्कि पूर्णिया एयरपोर्ट के विकास कार्य की भी समीक्षा की थी। उसके तहत अब भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) ने टर्मिनल बिल्डिंग के निर्माण को मंजूरी दे दी है। यानी जल्द ही बिहार को एक और नए एयरपोर्ट की सौगात मिलने जा रही है। 23

प्रतिशत कम लागत पर होगा निर्माण एएआई द्वारा जारी टेंडर के तहत कुल 33.99 करोड़ की लागत से इस टर्मिनल भवन का निर्माण किया जाएगा। यह राशि अनुमानित लागत 44.15 करोड़ से 23 प्रतिशत कम है। टेंडर प्रक्रिया के तहत पहली बोली 12 सितंबर और दूसरी बोली 27 सितंबर को खोली गई थी। अब फाइनल एजेंसी के चयन की प्रक्रिया अंतिम चरण में है, जिसके बाद कार्य शुरू हो जाएगा। आधुनिक सुविधाओं से लैस होगा पूर्णिया एयरपोर्टएएआई के आर्किटेक्ट ने पहले ही पूर्णिया एयरपोर्ट का डिजाइन तैयार कर लिया है। यह एयरपोर्ट स्टेट ऑफ द आर्ट सुविधाओं से लैस होगा और अगले 30-40 वर्षों के यात्री फुटफॉल को ध्यान में रखकर डिजाइन किया गया है। इस एयरपोर्ट पर कुल पांच एयरोब्रिज बनाए जाएंगे, जिससे यात्रियों को बेहतर कनेक्टिविटी मिलेगी।

अंतरिम टर्मिनल का निर्माण पोर्टा कांसेप्ट पर: मुख्य एयरपोर्ट टर्मिनल के निर्माण से पहले एक अंतरिम टर्मिनल भवन पोर्टा कांसेप्ट पर तैयार किया जाएगा। जिससे उड़ानों का संचालन जल्द शुरू किया जा सके। एएआई के अनुसार, डीजीएम को प्रोजेक्ट का प्रभारी नियुक्त किया गया है और ठेकेदार को जल्द से जल्द अनुबंध पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं। निर्माण एजेंसी को 1.69 करोड़ की परफॉर्मेंस गारंटी और 88.30 लाख की सुरक्षा निधि जमा करनी होगी। कार्यस्थल पर श्रम कानूनों के अनुपालन का भी सख्ती से पालन किया जाएगा। सीएम ने प्रगति यात्रा के दौरान अधिकारियों संग समीक्षा बैठक की थी।बाधाओं को दूर करने हेतु सभी पक्षों तथा संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए थे।

दुर्घटनाओं का गुरुवार : विभिन्न हादसों में तीन की हुई मौत, तीन लोग गंभीर रूप से जख्मी

महाकुंभ स्नान कर लौट रही श्रद्धालुओं की कार डिवाइडर से टकरा कर पलटी, महिला की मौत

♦ हादसे में कार में सवार तीनों जख्मियों का चल रहा है इलाज

केटी न्यूज/बक्सर/डुमरांव

गुरुवार का दिन दुर्घटनाओं वाला साबित हुआ। अलग-अलग जगहों पर हुई तीन दुर्घटनाओं में एक महिला समेत तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि तीन जख्मी हैं।

पहली घटना कृष्णाब्रह्म थाना क्षेत्र के नुआंव गांव के पास राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 922 की है। यहां कुंभ स्नान कर लौट रहे श्रद्धालुओं की कार डिवाइडर से टकरा अनियंत्रित हो पलट गई। इस दुर्घटना में एक महिला की मौत हो गई, जबकि तीन जख्मी हो गए। मृतक की पहचान ब्रह्मपर के जितेंद्र केसरी की 50 वर्षीय पत्नी संजू केसरी के रूप में हुई है।

मिली जानकारी के अनुसार जितेन्द्र अपनी पत्नी दोनों पत्नियों तथा बच्चों के साथ महाकुंभ स्नान करने प्रयागराज गए थे। वहां से लौटने के दौरान सुबह करीब चार बजे उनकी कार अनियंत्रित हो डिवाइडर से टकरा पलट गई। इस दुर्घटना में जितेन्द्र की एक पत्नी की मौत हो गई, जबकि जीतेंद्र केसरी के अलावा उनकी दूसरी पत्नी तथा एक बेटा जख्मी है। घटना की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। परिजन दौड़े भागे घटना स्थल पर पहुंचे। घायलों को पहले ब्रह्मपुर तथा बाद में पटना पहुंचाया गया है।

कुंभ स्नान को लेकर सफर के दौरान 17 दिनों में हुए चार हादसे

बतातें चलें कि इस माह अब तक चार हादसे हुए। जिसमें गुरुवार की घटना के अलावा तीन फरवरी की अहले सुबह तीन बजे बक्सर-मोहनिया स्टेट वे पर राजपुर थाना के रामपुर-निकृष के पास हादसा हुआ। जिसमें पिकअप वैन सड़क किनारे स्थित 11 हजार केवीए के पोल से टकरा चाट में पलट गई। जिसमें एक दर्जन श्रद्धालु जख्मी हुए है, जिनमें पांच की स्थिति गंभीर होने पर रेफर किया गया। वहीं, 14 फरवरी को एक कार में सवार किशनगंज के छह लोग महाकुंभ में स्नान करने जा रहे थे। रात करीब डेढ़ बजे कृष्णाब्रह्म थाना क्षेत्र के कठार खुर्द गांव के समीप सड़क किनारे खड़ी एक टेलर में कार चालक ने पीछे से टक्कर मार दी। इस घटना में कार में सवार सभी छह लोग गंभीर रूप से जख्मी हो गए। साथ ही, 18 फरवरी को मुफस्सिल थाना क्षेत्र के चौसा मोहनिया मुख्य मार्ग पर स्थित अखौरीपुर गोला पर मंगलवार की सुबह बोलेरो व ऑल्टो की आमने-सामने की टक्कर में जहां एक अधेड़ की मौत हो गई, वहीं चार लोग गंभीर रूप से जख्मी हो गए। मृतक व जख्मी महाकुंभ स्नान कर वापस सारण जिले में अपने गांव लौट रहे थे।

फोरलेन पर टेलर के पीछे से टकराई बाइक, युवक की मौत

♦ चौसा का रहने वाला है मृतक, रिश्तेदार की शादी में शरीक होने जा रहा था युवक

♦ डीएसपी ने पहुंचाया अस्पताल, डॉक्टरों ने किया घोषित मृत

केटी न्यूज/डुमरांव

जिले के नया भोजपुर थाना क्षेत्र के भोजपुर कोठी के समीप पटना बक्सर राष्ट्रीय राजमार्ग 922 पर टेलर से टकरा एक बाइक चालक गंभीर रूप से जख्मी हो गया। आस पास में मौजूद डुमरांव डीएसपी अफाक अख्तर अंसारी ने उसे तत्काल इलाज के लिए अपने वाहन से डुमरांव अनुमंडलीय अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

बाइक के रजिस्ट्रेशन नंबर से युवक की पहचान मुफस्सिल थाना क्षेत्र के चौसा रेलवे स्टेशन के समीप के चुन्नु कानू के 30 वर्षीय पुत्र रंजन कुमार गुप्ता के रूप में की गई है। वह, अपने बड़े भाई महेश गुप्ता की बाइक लेकर अपने रिश्तेदारी बड़का ढकाईच में आयोजित एक शादी समारोह में शामिल होने जा रहा था, इसी दौरान वह एनएच पर अपने आगे चल रही चावल लदे एक टेलर से पीछे से टक्कर मार दिया।

पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त बाइक के साथ ही टेलर को भी अपने अभिरक्षा में ले लिया है, वहीं टेलर चालक भी पुलिस हिरासत में हैं। पुलिस द्वारा घटना की जानकारी मिलते ही मृतक के स्वजनों में कोहराम मच गया। स्वजन दौड़े भागे घटना स्थल पर पहुंचे तथा शव से लिपट विलाप करने लगे। परिजनों के क्रंदन चित्कार से घटना स्थल का माहौल गमगीन हो गया था। इधर नया भोजपुर पुलिस ने शव को कब्जे में ले पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल बक्सर भेजा। थानाध्यक्ष मनीष कुमार ने बताया कि पुलिस ने ट्रेलर सहित चालक को हिरासत में ले लिया है। समाचार लिखे जाने तक स्वजनों द्वारा इस मामले में शिकायत दर्ज नहीं कराई गई थी। थानाध्यक्ष ने बताया कि पुलिस मामले की जांच कर रही है।

बक्सर के युवक की रोहतास में सड़क दुर्घटना में गई जान

♦ चाय की दुकान चलाकर करता था गुजारा

♦ मामा गांव से लौटने के दौरान हुआ हादसा

केटी न्यूज/बक्सर

जिले के 30 वर्षीय मनीष साह की मौत रोहतास जिले के सासाराम के कोनार में सड़क एक्सीडेंट में हो गई। युवक अपने मामा गांव से घर वापस लौट रहा था। अनियंत्रित बाइक के सड़क किनारे बिजली के पोल से टकरा गई। स्थानीय लोगों द्वारा आनन फानन में उसे सासाराम अस्पताल में पहुंचाया गया, लेकिन डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। जिसके बाद सासाराम पुलिस शव को कब्जे में ले पोस्टमार्टम करा शव परिजनों को सौंप दिया है। घटना की सूचना पर पहुंचे परिजन पोस्टमार्टम के बाद शव लेकर पैतृक गांव शुक्रवालिया पहुंचे। जहां परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है।

जानकारी के अनुसार मृतक मनीष साह शुक्रवालियां गांव के निवासी रविकांत साह का बेटा था। रविकांत साह के दो बेटो में मनीष छोटा बेटा था। जो बुधवार की सुबह अपने गांव से सासाराम अपने मामा के यहां गया हुआ था। जहां से बुधवार की शाम बाइक से लौट रहा था। बताया गया की लौटते समय जैसे ही यह कोनार गांव पहुंचा सड़क पार कर रहे एक आदमी को बचाने में बाइक अनियंत्रित हो सड़क किनारे बिजली की खंभे से टकरा गई। जिसके कारण सिर में गंभीर चोट लगने से मौत हो गई।

शुक्रवालिया गांव के निवासी गोपाल उपाध्याय ने बताया कि मृतक के घर की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है। जिसको लेकर मनीष चौसा गोला पर चाय की दुकान चला अपने परिवार का गुजारा करता था। वहीं बड़ा भाई खेती बारी करता था। युवक की मौत के बाद परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है। गांव के सामाजिक लोगों द्वारा इस पीड़ित परिवार के लिए मुआवजे की मांग की गई है। वहीं शव गांव पहुंचते ही अंतिम संस्कार की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

एक नजर

सड़क दुर्घटना में जख्मी शिक्षक की पटना में इलाज के दौरान गई जान, मचा कोहराम

कृष्णाब्रह्म। बुधवार को सड़क दुर्घटना में जख्मी शिक्षक पूर्णमासी प्रसाद की गुरूवार को पटना में इलाज के दौरान मौत हो गई। जबकि उनके साथी शिक्षक रविन्द्र यादव की हालत गंभीर बनी हुई है। जानकारी के अनुसार दोनों शिक्षक एक बाइक पर सवार हो मैट्रिक परीक्षा की ड्यूटि में शामिल होने डुमरांव आ रहे थे। पटना बक्सर राष्ट्रीय राजमार्ग 922 पर कृष्णाब्रह्म थाना क्षेत्र के बड़का ढकाईच गांव के पास एक तेज रफ्तार स्कार्पियो ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दिया था। इस घटना में दोनों शिक्षक गंभीर रूप से जख्मी हो गए थे। जिन्हें स्थानीय स्तर पर प्राथमिक इलाज के बाद बेहतर इलाज के लिए पटना भेजा गया था, लेकिन गुरूवार को इलाज के दौरान पूर्णमासी की मौत हो गई। वे मूलरूप से सिमरी थाना क्षेत्र के नगरपुरा गांव के निवासी थे तथा स्थानीय गांव के स्कूल में कार्यरत थे। इसकी जानकारी मिलते ही जहां स्वजनों में शोक की लहर दौड़ गई, वहीं शिक्षकों में मायूसी छाई है। शिक्षक नेता शालीग्राम दूबे ने इस घटना पर गहरा दुख जताया है। कृष्णाब्रह्म थानाध्यक्ष नीतीश कुमार ने इसकी पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि पुलिस मामले की जांच कर रही है।

शांतिपूर्ण संपन्न हुई सामाजिक विज्ञान की परीक्षा

बक्सर। बिहार बोर्ड द्वारा आयोजित मैट्रिक परीक्षा के तहत गुरूवार को दोनों पालियों में सामाजिक विज्ञान विषय की परीक्षा ली गई। जिले के सभी केन्द्रों पर कदाचारमुक्त व शांतिपूर्ण माहौल में परीक्षा संपन्न हुई। जिला नियंत्रण कक्ष से मिली जानकारी के अनुसार वार्षिक प्रथम पाली में सामाजिक विज्ञान में कुल परीक्षार्थियों की संख्या 13021, उपस्थित परीक्षार्थियों की संख्या 12837, अनुपस्थित परीक्षार्थियों की संख्या 184 रही। वहीं, द्वितीय पाली में कुल परीक्षार्थियों की संख्या 13175, उपस्थित परीक्षार्थियों की संख्या 13002, अनुपस्थित परीक्षार्थियों की संख्या 173 थी। दोनों पालियों में किसी भी परीक्षा केन्द्र से किसी परीक्षार्थी के कदाचार के आरोप में निष्कासित किए जाने की जानकारी नहीं मिली है। वहीं, पूरे दिन वरीय पदाधिकारी विभिन्न परीक्षा केन्द्रों का निरीक्षण कर इस बात की तस्दीक करते रहे कि किसी परीक्षा केन्द्र पर परीक्षार्थी नकल तो नहीं कर रहे है।

गुड्डु यादव के हत्यारों ने कोर्ट में किया सरेंडर

ब्रह्मपुर। निमेज के गुड्डु यादव हत्याकांड के दोनों नामजद आरोपित शशिकांत ओझा व रौशन ओझा ने पुलिस दबाव में बक्सर कोर्ट में सरेंडर कर दिया है। दोनों ने गुरूवार को आत्मसमर्पण किया। आत्मसमर्पण करने के बाद अब इस हत्याकांड से पर्दा उठाने के लिए स्थानीय पुलिस उन्हें रिमांड पर लेगी। बता दें कि निमेज गांव निवासी गुड्डु यादव को 13 फरवरी को मारपीट कर बेहोशी की हालत में ऋषिकेष तिवारी के हाथीखाना के पीछे फेका गया था। ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस उसे उठाकर इलाज के लिए पहले रघुनाथपुर सीएचसी तथा वहां से रेफर होने के बाद पटना ले गई थी। 15 फरवरी को इस मामले में स्वजनों के बयान पर निमेज के ही शशिकांत ओझा व रौशन ओझा पर नामजद एफआईआर दर्ज कराया गया। इधर इलाज के दौरान 18 फरवरी को गुड्डु की मौत हो गई थी। जिसके विरोध में ग्रामीणों ने शव के साथ सड़क जाम कर दिया था। स्वजनों ने 24 घंटे में आरोपितों की गिरफ्तारी की मांग की थी। जिसके बाद पुलिस आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए दबाव बना रही थी। पुलिस के इसी दबाव में दोनों ने सरेंडर किया है।

गंगा नदी के किनारे डंपिंग न किया जाए किसी भी प्रकार का कूड़ा: डीएम

केटी न्यूज/बक्सर

जिलाधिकारी अंशुल अग्रवाल की अध्यक्षता में जिला गंगा समिति की मासिक बैठक समाहरणालय परिसर स्थित कार्यालय कक्ष में की गई। बैठक में उपस्थित नगर परिषद/निकाय के पदाधिकारियों को माननीय न्यायालय एनजीटी के आदेशों का पालन करने हेतु जिलाधिकारी ने सख्त निर्देश दिया। किसी भी प्रकार का कूड़ा गंगा नदी के किनारे डंपिंग न किया जाय।

रिवर फ्रंट डेवलपमेंट की समीक्षा के क्रम में परियोजना निदेशक बुडको अनुपस्थित पाये गये। परियोजना निदेशक बुडको को जिला गंगा समिति की आगामी बैठक में उपस्थित होकर अद्यतन प्रगति रिपोर्ट उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया। जिले में सिंगल यूज प्लास्टिक को पूर्णतः प्रतिबंधित करने हेतु सभी कार्यपालक पदाधिकारी नगर पंचायत/नगर परिषद को निर्देशित किया गया कि व्यापक रूप से छापेमारी करना सुनिश्चित करेंगे। साथ ही उसका प्रतिवेदन अधोहस्ताक्षरी को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करेंगे। जिला समन्वयक स्वच्छ भारत मिशन को निदेश दिया गया कि गंगा ग्रामों में डोर टू डोर कचरा उठाव सुनिश्चित कराना सुनिश्चित करेंगे।

बक्सर के पंकज सिंह को दिल्ली में कैबिनेट मंत्री बनाए जाने पर भाजपाइयों ने जताई खुशी

केटी न्यूज/डुमरांव

दिल्ली विधानसभा में भारतीय जनता पार्टी की भारी बहुमत से जीत के बाद बक्सर निवासी व धरौली गांव निवासी डॉ. पंकज सिंह को कैबिनेट मंत्री के रूप में शपथ दिलाया गया है। उनके शपथ लेने के बाद भारतीय जनता पार्टी जिला बक्सर के जिला अध्यक्ष ओमप्रकाश भुवन के नेतृत्व में भाजपा कार्यकताओं ने एक दूसरे को मिठाई खिला खुशी का इजहार किया।

पार्टी कार्यालय अहिरौल में जिलाध्यक्ष ने अपने सम्बोधन में कहा कि बक्सर की धरती ने कई लाल पैदा किए हैं। जो राष्ट्रीय स्तर पर बक्सर का नाम रौशन किया है, इसी कड़ी में से एक लाल डा. पंकज सिंह है, जिन्हें पार्टी ने दिल्ली सरकार में कैबिनेट मंत्री बनाया है। इसके लिए भाजपा केंद्रीय नेतृत्व को बक्सर की जनता के तरफ से कोटि कोटि आभार व्यक्त किया गया।

भाजपा जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश भुवन ने कहा कि दिल्ली विधानसभा में भाजपा की जीत इस बात का प्रमाण है कि झूठ की राजनीति लंबे समय तक नहीं चलती है। भाजपा जिलाध्यक्ष ने कहा कि दिल्ली के बाद बिहार विधानसभा चुनाव में भी एनडीए पूर्ण बहुमत से विजय प्राप्त करेगी। उन्होंने कहा कि डॉ. पकंज सिंह को दिल्ली में कैबिनेट मंत्री बनाए जाने से बक्सर जिले के कार्यकताओं में खुशी व्याप्त है। उन्होंने कहा कि दिल्ली चुनाव परिणाम के बाद से भाजपा सहित एनडीए के कार्यकर्ता उत्साहित है। जिसका लाभ आगामी विधानसभा चुनाव में बिहार में मिलेगा।

जिलाधिकारी ने की मुख्यमंत्री निजी नलकूप योजना एवं लघु सिंचाई विभाग की समीक्षा

फरवरी के अंत तक निविदा पूरी कराएं: डीएम

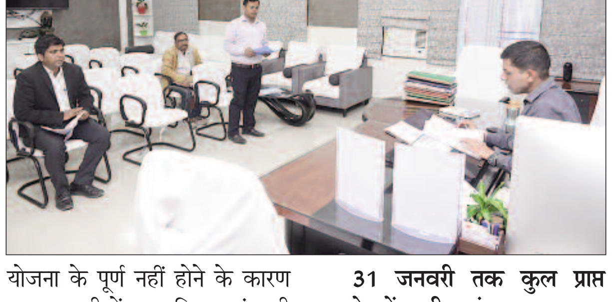

केटी न्यूज/बक्सर

जिलाधिकारी अंशुल अग्रवाल की अध्यक्षता में मुख्यमंत्री निजी नलकूप योजना एवं लघु सिंचाई विभाग की समीक्षा बैठक समाहरणालय परिसर स्थित कार्यालय कक्ष में की गई।

इस दौरान सर्वप्रथम लघु सिंचाई प्रमंडल के कार्यपालक अभियंता ने डीएम को प्रगति प्रतिवेदन समर्पित किया। जिसकी जिलाधिकारी ने बारिकियों से जांच की। जिसकी समीक्षा जिलाधिकारी ने कई निर्देश दिए गए। जिसमें सात निश्चय एवं सात निश्चय-2 की पूर्ण योजनाओं के आधार पर बताया गया कि इटाढ़ी चेक डैम का निर्माण कार्य अभी निविदा के प्रक्रिया में है, जिसके कारण उपलब्धि 67 प्रतिशत है। उक्त योजना के पूर्ण नहीं होने के कारण माह जनवरी में शत प्रतिशत अंक भी प्राप्त नहीं हो सका है। जिस पर जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि विभाग से समन्वय स्थापित कर फरवरी माह के अंत तक निविदा की कार्रवाई पूर्ण करते हुए कार्य प्रारम्भ करना सुनिश्चित करें तथा मार्च माह तक योजना को पूर्ण कराते हुए शत प्रतिशत अंक भी प्राप्त करना सुनिश्चित करें।

31 जनवरी तक कुल प्राप्त आवेदनों की संख्या 841 : मुख्यमंत्री निजी नलकूप योजना के संबंध में बताया गया कि 31 जनवरी तक कुल प्राप्त आवेदनों की संख्या 841 हैं। जिसमें से कनीय अभियंता द्वारा 335 आवेदनों के विरुद्ध स्थल जांच कर 205 किसानों के आवेदनों को नलकूप अधिष्ठापन हेतु स्वीकृति प्रदान किये जाने के फलस्वरूप 136 किसानों द्वारा नलकूप अधिष्ठापान का कार्य पूर्ण कर लिया गया है। प्राप्त आवेदनों के विरुद्ध मात्र 24.37 प्रतिशत आवेदकों को ही स्वीकृति प्रदान की गयी है, जो खेदजनक है। निदेशित किया गया कि इस संबंध में स्थिति स्पष्ट करना सुनिश्चित करेंगे। साथ ही विभागीय प्रावधानों के अनुसार शतप्रतिशत आवेदनों का स्थल जांच शीघ्र पूर्ण कराते हुए स्वीकृति की प्रक्रिया पूर्ण करना सुनिश्चित करें।

23 फरवरी तक प्रारम्भ करें तीन योजनाएं : कृषि विभाग (भूमि संरक्षण) की समीक्षा में उपस्थित उप निदेशक (कृषि अभि०) भूमि संरक्षण को निर्देशित किया गया कि शेष तीन योजनाएं, जिनका कार्य अभी तक प्रारम्भ नहीं किया गया है। उन्हें 23 फरवरी तक प्रारम्भ कराना सुनिश्चित करेंगे।

खाद ऊंची दाम पर बेचे जाने की शिकायत करें किसान होगी कार्रवाई

- डुमरांव अनुमंडल कृषि पदाधिकारी ने दी सूचना
- सेकेंडरी प्रोडक्ट के साथ खाद लेना अनिवार्य किया गया है
- खाद का रैक आ गया है, शीघ्र शुरू होगा वितरण

प्रतिकात्मक तस्वीर

केटी न्यूज/डुमरांव

खाद को मनमाने दाम पर बिक्री किये जाने से किसानों को आर्थिक बोझ का सामना करना पड़ रहा है। किसान अपनी फसल के उपज बढ़ाने को लेकर ऊंची दामों पर खाद खरीदने पर मजबूर हैं। इस संबंध में जब अनुमंडल कृषि पदाधिकारी शेखर कुमार से बात की गई तो उन्होंने बताया की खाद को सेकेंडरी प्रोडक्ट के साथ ही बेचने के लिये दुकानदारों को कहा गया है। लिहाजा सेकेंडरी प्रोडक्ट में खाद के साथ ही सल्फर और जिंक लेना भी अनिवार्य किया गया है। ऐसे में खाद की कीमत लगभग 450 रुपए तक पड़ जा रहा है।

अब तक किसी किसान ने नहीं की शिकायत : इस संबंध में जब अनुमंडल कृषि पदाधिकारी से पूछा गया तो उन्होंने बताया कि खाद ऊंची दाम पर बेचे जाने की शिकायत आजतक किसी किसानों ने नहीं किया है। इसकी जांच के लिये बीएओ और कृषि समन्वयक व सलाहकारों को इसमें लगाया गया है। किसी दुकानदार द्वारा ऊंची कीमत पर खाद बेचते देखा गया तो उसके विरूद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। मालूम हो कि खाद के 4 स्टॉकिस्ट हैं और 250 रिटेलर दुकानदार, सभी को निर्धारित मूल्यों पर ही बिक्री करने का आदेश दिया गया है।

किसानों को नहीं होगी कोई परेशानी : उन्होंने बताया की खाद का रैक भी पहुंच गया है, आगे भी खाद के लिये किसानों को कोई परेशानी नहीं होगी। उन्होंने बताया की किसानों के लिये गरमा फसल का बीज भी 70 क्वींटल का आवंटन प्राप्त हुआ है, जो आ गया है, इसे प्रति किसान 4 किलो तक दिया जाएगा। वहीं जिस किसान के पास ज्यादा खेत हैं, उसे 8 किलो दिया जा सकता है। उन्होंने बताया कि 4 किलो में 16 कट्ठा की खेती हो सकती है। वहीं 30 क्वींटल उड़द भी आया हुआ है, इसे भी प्रति किसान 4 किलो दिया जाएगा, इसके लिये किसानों को ऑनलाइन आवेदन करना होगा। आवेदन देने का काम शुरू हो गया है। जो भी ऑनलाइन अवेदन करेंगे उन्हें उरद मिलेगा ही।

खबरें फटाफट

मारपीट में 18 पर प्राथमिकी दर्ज

डुमरांव। डुमरांव थाना क्षेत्र के अटांव गांव में विवाद को लेकर दो पक्ष आपस मे भीड़ गये। इस भिड़ंत में दोनों पक्षों के बीच जमकर मारपीट की घटना हुई। स्थानीय थाने में दोनों पक्षों ने अलग-अलग आवेदन देकर कुल 18 लोगों के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज करायी है। दर्ज प्राथमिकी के अनुसार एक पक्ष के सुमेश्वर राम की पत्नी दुर्गावती देवी ने दूसरे पक्ष के मुनजी राम, धनजी राम सहित पांच नामजद उनके घर आ धमके और मारपीट करने लगे। इस दौरान वह, उनके पति सहित बच्चे भी जख्मी हो गये। जिनका इलाज कराया गया। वहीं दूसरे पक्ष के महेंद्र राम के पुत्र द्वारिका राम ने आरोप लगाया है कि मामूली विवाद में कमलेश राम, सुमेश्वर राम सहित 13 लोग लाठी-डंडे से लैस होकर आ धमके तथा मेरे परिवार के ऊपर हमला बोल दिया। जिसमें चार लोग जख्मी हो गये।

लग्न और परीक्षा को ले पुलिस अलर्ट

डुमरांव। जिले में परीक्षा के साथ साथ लग्न की शुरूआत हो गयी है। शादी-विवाह के दौरान शराब के सेवन करने वालों के खिलाफ पुलिस अलर्ट हो गयी है। शहर के कई जगहों पर पुलिस की टीम ने अपनी निगरानी बढा दी। होटल व लॉजों के आसपास भी पुलिस कड़ी नजर रख रही है। ट्रिपल लोडिंग और संदिग्ध बाइक सवारों की जांच की जा रही है। सोमवार को अभियान में पुलिस को किसी प्रकार की सफलता नहीं मिली। बताया जाता है कि बक्सर एसपी शुभम आर्या ने सभी थानाध्यक्षों को सख्त निर्देश दिया है कि लग्न को लेकर शराब और शराबियों पर कड़ी निगरानी रखी जाये।

शराब की टोह में निकली पुलिस को मिली बड़ी सफलता

15 किग्रा गांजा व 1.59 लाख नगद के साथ चाचा और भतीजा गिरफ्तार

केटी न्यूज/चौसा

शराब की टोह में छापेमारी करने निकली मुफ्स्सिल थाने की पुलिस के हाथ मादक पदार्थों के साथ दो तस्कर लग गए है। पुलिस को यह सफलता बुधवार की रात थाना क्षेत्र के मल्लाहचकिया गांव से मिली है। पुलिस ने 15.845 किलोग्राम गांजा के साथ 1,59,600 नगद राशि बरामद किया है। वहीं, मादक पदार्थ की तस्करी के आरोप में चाचा-भतीजा को गिरफ्तार कर लिया है।

इस संबंध में पुलिस ने बताया कि होली पर्व को लेकर शराब तस्करी पर लगाम लगाने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। जिसको लेकर पुलिस विभिन्न जगहों पर शराब की टोह में छापामारी कर रही है। इसी दौरान उसे गुप्त सूचना मिली कि मल्लाह चकिया में शराब स्टोर कर रखी गई है। जहा पुलिस पहुंच छापेमारी की। जिसमें उसे 15.845 किलोग्राम गांजा के साथ एक लाख 59 हजार 600 रूपए नगद बरामद हुआ। इसके साथ दो अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया। जो रिश्ते में चाचा-भतीजा है। उक्त दोनों लोगोने सलीम अंसारी एवम सिराज अंसारी है।

थानाध्यक्ष अरविंद कुमार ने बताया कि शराब की टोह में मल्लाहचकिया से 15.845 किलोग्राम मादक पदार्थ गांजा के साथ 1,59,600 नगद राशि बरामद की गई। इस मामले सलीम अंसारी व सिराज अंसारी को गिरफ्तार किया गया है। वहीं, पुलिस दोनों से पूछताछ कर उनके नेटवर्क को खंगालने में जुट गई है। पुलिस सूत्रों की मानें तो तस्करों से पूछताछ के दौरान कई अहम जानकारियां मिली है। पुलिस उन्हें जेल भेजने के साथ ही आगे की कार्रवाई में जुट गई है।

सेंट्रल जेल के समीप भारी मात्रा में शराब के साथ तस्कर गिरफ्तार, दूसरा फरार

चौसा। होली के मद्देनजर इन दिनों पुलिस शराब तस्करी के खिलाफ विशेष अभियान चला रही है। इसी कड़ी में मुफ्स्सिल थाने की पुलिस ने छापेमारी अभियान के दौरान भारी मात्रा में शराब के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया है, जबकि उसका दूसरा साथी पुलिस को चकमा दे भागने में सफल रहा।

पुलिस ने बताया कि यूपी से तस्करी कर शराब की खेप लायी जा रही थी। जहा नाव से लाई गई शराब को बोरी में भरकर बाइक पर लादा गया। जिसे ठिकाने लगाने ले जाया जा रहा था। तभी, पुलिस को इसकी भनक लग गई। पीछा किया गया जहा सेंट्रल जेल के पास दुर्गा मंदिर के पीछे पुलिस ने तस्कर को दबोच लिया, लेकिन अंधेरे का फायदा उठा एक तस्कर फरार हो गया। हालांकि पुलिस फरार तस्कर की तलाश कर रही है।

पुलिस ने बताया कि पकड़ा गए शराब 492 टेट्रा देशी व 750 एमएल की तीन बोतल शराब कुल100.650 लीटर शराब बरामद की गई है। वही बाइक भी जब्त की गई। जिसमें पकड़ा गया तस्कर अमित साहनी रंजियौनगंज का रहने वाला है। वही, पूछताछ में फरार तस्कर के संबंध में जानकारी दी गई। जिसकी पुलिस तलाश में छापेमारी कर रही है।

सीवी रमन प्रतियोगिता में ढकाईच की बीनू ने प्रमंडल स्तर पर प्राप्त किया द्वितीय स्थान

बक्सर। प्रमंडल स्तरीय सीवी रमन प्रतियोगिता में सिमरी प्रखंड के प्लस टू उच्च विद्यालय बड़का ढकाईच की छात्रा बिनु कुमारी ने द्वितीय स्थान प्राप्त कर पूरे जिले का मान बढ़ाई है। छह जिले के प्रथम विजेता के बीच आज इंटर काउंसिल पटना स्थित आरडीडी ऑफिस कार्यालय परिसर में आयोजित, वक्तृता एलोकेशन प्रतियोगिता में प्रमंडल के छह जिले के प्रतियोगियों के बीच द्वितीय स्थान पर चयनित हुई। जबकि प्रथम स्थान पटना के विद्यार्थी को प्राप्त हुआ। द्वितीय स्थान पर बिनु कुमारी चुनी गई। प्रमंडल में पटना, बक्सर, भोजपुर, नालंदा, रोहतास, कैमूर ने अपनी उपस्थिति सुनिश्चित की।

बिनू का चयन जिला स्तर पर जल प्रबंधन एवं जल संरक्षण की भारतीय एवं वर्तमान परंपरा विषय पर भाषण के लिए किया गया था। बिनु ने अपने भाषण कौशल से उपस्थित निर्णायक मंडल को काफी प्रभावित की। उसके इस उपलब्धि पर शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने उसे बधाई दी है। संभाग प्रभारी डॉक्टर तेज बहादुर सिंह ने उसे जीवन में आगे बढ़ाने की प्रेरणा दी। नोडल शिक्षक डॉ. मनीष कुमार शशि ने अपने मेहनत को और धार देने की प्रेरणा दी। विद्यालय के शिक्षकों ने भी उसकी मेहनत की प्रशंसा की।

एक नजर

उच्च माध्यमिक विद्यालय नचाप में आयोजित हुआ पांच दिवसीय प्रशिक्षण

चौगाई। स्थानीय प्रखंड के उच्च विद्यालय नचाप में पांच दिवसीय स्काउट एंड गाइड के प्रशिक्षण की शुरूआत की गई। यह प्रशिक्षण भारत स्काउट एंड गाइड द्वारा आयोजित किया गया है। शिविर के उद्घाटन के मौके पर शिविर संचालक सूरज परदेशी ने कहा कि समाज व परिवार के सर्वांगीण विकास में अनुशासन का बहुत बड़ा महत्व है। जब चेतना जागृत होती है और अनुशासन समाहित होता है तब हम पूर्ण नागरिक बनने की ओर अग्रसर होते हैं। उन्होंने कहा कि स्काउट एंड गाइड बच्चों में अनुशासन की भावना जागृत करता है। इसके अलावे उन्हें जीवन में काम आने वाले कई प्रशिक्षण भी दिए जाते है। प्रशिक्षण के दौरान स्काउट और गाइड के बच्चों को पोली बनाकर एकजुट होने का पाठ पढ़ाया गया। साथ हीं प्राथमिक उपचार, गांठ बांधना, टेंट लगाना, बाया हाथ मिलाना, पीटी परेड तथा सलामी की ट्रेनिंग दी गई। प्रशिक्षक ने बताया कि बच्चों के सर्वांगीण विकास एवं देश के प्रति जागरूक और आत्मनिर्भर बनाना स्काउट और गाइड का एक उद्देश्य है। शिविर में प्रभारी प्रधानाध्यापक मुक्तेश्वर प्रसाद, शिक्षक सोनू कुमार यादव, अतुल कुमार सिंह, पवन कुमार सिंह, अमित कुमार सिन्हा, वसीम अख्तर, अमित कुमार, संजय कुमार, प्रीति कुमारी, आशुतोष कुमार, रविशंकर यादव, नरेंद्र राम ने भी बच्चों को अनुशासन और कर्तव्यनिष्ठ रहने की सीख दी। जबकि टोली नायक के रूप में गाइड में प्रिया कुमारी, मधु कुमारी, निधि कुमारी, सलोनी कुमारी, छोटी कुमारी, स्काउट में रोहित कुमार टीम नायक रहे।

रघुनाथपुर महाकालेश्वर मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा महायज्ञ के लिए जलभरी कलश यात्रा आज

ब्रह्मपुर। ब्रह्मपुर प्रखंड के रघुनाथपुर ग्राम स्थित तुलसी स्थान पर 21 से 27 फरवरी तक आयोजित महाकालेश्वर मंदिर प्राणप्रतिष्ठा महायज्ञ के लिए शुक्रवार को कलश शोभायात्रा निकाली जाएगी। कलश शोभायात्रा तुलसी स्थान से सुबह 8.45 में शुरू होगी और बाबा ब्रह्मेश्वर नाथ मंदिर स्थित शिव सरोवर से जलभरी के पश्चात पुनः तुलसी स्थान स्थित महाकालेश्वर मंदिर तक जाएगी। शोभा यात्रा में गाजे बाजे, हाथी, घोड़े के साथ साथ शिव पार्वती, लक्ष्मी गणेश तथा राम सिया की झांकी भी निकाली जाएगी। झांकी के पीछे परम्परागत तरीके से कीर्तन करने वाली मंडली होगी। शोभायात्रा में हजारों श्रद्धालुओं के सम्मिलित होने की संभावना है। 22 फरवरी को अग्नि स्थापना के साथ महायज्ञ का शुभारंभ हो जाएगा। 26 फरवरी महाशिवरात्रि के शुभ अवसर नवनिर्मित भव्य मंदिर में महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग की प्राणप्रतिष्ठा होगी। 27 फरवरी को महारुद्र भंडारा के साथ महायज्ञ का समापन होगा। इस आयोजन से इलाके में भक्तिरस की अविरल धारा प्रवाहित हो रही हैं मंदिर को आकर्षक ढंग से सजाया गया है। वहीं, यज्ञ मंडप तैयार कर लिया गया है। दूर दराज से आने वाले साधु संतों का जमावड़ा लगने लगा है। आयोजन को सफल बनाने में स्थानीय ग्रामीण सक्रिय भूमिका निभा रहे है। आयोजन को ले महिलाओं में उत्साह व्याप्त है। कलश यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की उम्मीद है। इस महायज्ञ में राष्ट्रीय संत स्वामी सिद्धार्थ परमहंस जी, चौसठी मठ के महंत श्री प्रकाश जी महाराज, अयोध्या धाम से कथावाचक श्री बृजनाथ जी महाराज, आचार्य रंजन शास्त्री जी के अलावा देश भर से अनेक विद्वान, संत महात्मा, कथावाचक, संगीतज्ञ, सत्संग मर्मज्ञ, मनीषी पधारेंगे।

प्रशिक्षु जीएनएम को चौगाईं सीएचसी में मिला व्यवहारिक प्रशिक्षण

चौगाई। जीएनएम कॉलेज बक्सर में पढ़ाई कर रही 30 प्रशिक्षु जीएनएम को चौगाईं सीएचसी व एचडब्ल्यूसी पर व्यवहारिक प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण एमओआईसी डॉ. मितेन्द्र कुमार सिंह के देखरेख में आयोजित हुआ।

प्रशिक्षु जीएनएम को कई तरह की सैद्धांतिक एवं व्यवहारिक जानकारियां दी गई। प्रशिक्षुओं को अस्पताल परिसर का भ्रमण करा, मरीजों के इलाज के तौर तरीके, अस्पताल के उपकरणों, जीएनएम के दायित्व सहित कई बिंदुओं पर जानकारी दी गई। इस दौरान प्रशिक्षु जीएनएम ने चिकित्सा पदाधिकारी तथा डॉ. निशांत कुमार से कई जानकारियां भी हासिल की। इस व्यवहारिक प्रशिक्षण के दौरान उनमें उत्साह देखा गया तथा वे तत्परता से सभी बिंदुओं को समझने का प्रयास करती दिखी। प्रशिक्षण के दौरान स्वास्थ्य प्रबंधक चिंतामणी देवी, बीसीएम विकास कुमार सिंह, लिपिक अनिल कुमार, पर्यवेक्षक राजू सिंह समेत कई अन्य अस्पताल कर्मी मौजूद थे।

संक्षिप्त समाचार

देवघर एयरपोर्ट पर होंगे दो टर्मिनल, 450 करोड़ की डीपीआर तैयार, रात्रि विमान सेवा कब होगी शुरू

देवघर, एजेंसी। देवघर एयरपोर्ट पर इस वर्ष दूसरे टर्मिनल का काम चालू हो जाएगा. एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने देवघर एयरपोर्ट के विस्तारीकरण के लिए 450 करोड़ की डीपीआर तैयार कर ली है. इसमें नया टर्मिनल के साथ-साथ चार एरोब्रिज की डिजाइन भी फाइनल की गयी है. दूसरा टर्मिनल पुराने टर्मिनल के ठीक किनारे पूर्वी क्षेत्र में बनेगा. दोनों टर्मिनल बन जाने से हवाई यात्रियों के प्रस्थान व आगमन की अलग सुविधा होगी. देवघर एयरपोर्ट पर दो टर्मिनल हो जाने से प्रति वर्ष एक लाख यात्रियों के आने-जाने की क्षमता को बढ़ाकर पांच लाख कर दी जायेगी. देवघर एयरपोर्ट से लगातार उड़ानों की संख्या बढ़ रही है. जल्द ही रात्रि विमान सेवा भी शुरू हो जायेगी. बड़े शहरों की तर्ज पर बुजुर्ग यात्री सहित अन्य यात्री एरोब्रिज से सीधे फ्लाइट में बैठेंगे. अप्रैल में इस विस्तारीकरण का टेंडर करने की तैयारी है, जिसके बाद टर्मिनल बिल्डिंग व एरोब्रिज का काम चालू होगा. जुलाई महीने में देवघर एयरपोर्ट से दिल्ली की यात्रा करने वाले दिल्ली निवासी ओपी गोड़ियाल नामक एक बुजुर्ग पैसेंजर ने टर्मिनल का वीडियो बनाया था. वीडियो में देखा जा रहा था कि एयरपोर्ट पर बैठने की जगह कम होने की वजह से कई बुजुर्ग यात्री खड़े होकर अपनी फ्लाइट का इंतजार कर रहे थे. इस वीडियो को गोड्डा सांसद डॉ निशिकांत दुबे को टैग किया गया था. जैसे ही सांसद की नजर इस पोस्ट पर पड़ी, उन्होंने सबसे पहले नागरिक उड्डयन मंत्री के राम मोहन नायडू व एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया के चेयरमैन से फोन पर बात देवघर एयरपोर्ट में दूसरा टर्मिनल व चार एरोब्रिज बनाने का प्रस्ताव दिया था.

क्या एचईसी में पसर जाएगा अंधेरा जेबीवीएनएल ने मांगे 240 करोड़, 15 दिनों की दी मोहलत

रांची, एजेंसी। एचईसी पर जेबीवीएनएल का बिजली मद में 240 करोड़ रुपये बकाया हो गया है. फरवरी में रांची के अधीक्षण अभियंता डीएन साहू ने एचईसी को नोटिस भेजकर बिजली काटने की चेतावनी दी है. उन्होंने नोटिस में लिखा है कि एचईसी पर लगातार बकाया बढ़ता जा रहा है. फरवरी माह में बकाया बढ़कर 240 करोड़ रुपये हो गया है.एचईसी प्रतिदिन जेबीवीएनएल से लगभग 10 मेगावाट बिजली लेती है. इस कारण तीन वर्षों में एचईसी का बिजली बिल का बकाया बढ़ कर 240 करोड़ रुपये हो गया है. इस संबंध में जेबीवीएनएल की ओर से बताया गया कि सभी बकायेदारों को नोटिस भेजा जा रहा है. ऐसे लोगों की सूची तैयार की जा रही है, जिनके यहां लंबे समय से बिजली बिल बकाया है. बकाया का भुगतान नहीं करने पर उनकी बिजली काटी जायेगी. तीन साल पहले भी 111 करोड़ रुपये बकाया होने के कारण एचईसी की बिजली काट दी गयी थी. हालांकि, उस वक्त एचइसी के सख्त रुख और जवाबी कार्रवाई की धमकी पर 24 घंटे में ही बिजली बहाल कर दी गयी थी. तब जेबीवीएनएल की ओर से एचईसी को पांच जनवरी 2021 को आखिरी नोटिस जारी किया गया था. इसके बाद बिजली काटी गयी थी. तब कंपनी की ओर से कहा गया था कि इतनी बड़ी कंपनी का उत्पादन ऐसे ठप नहीं किया जा सकता है.

रत्नगर्भा झारखंड में है सोने का भंडार, हेमंत सोरेन सरकार कहां-कहां करा रही है खदान की खोज

रांची, एजेंसी। झारखंड में सोने की खदान खोजी जा रही है. झारखंड एक्सप्लोरेशन एंड माइनिंग कॉरपोरेशन लिमिटेड(जेइएमसीएल) खूंटी जिले के उलीहुरांग में सोने की खदान खोज रही है. यहां सोने की खदान की संभावना है. दो-तीन महीने में खोज कार्य पूरा हो जाएगा. इसके बाद सोने की खदान का ब्लॉक तैयार किया जाएगा और सरकार को रिपोर्ट भेजी जाएगी. फिर इस खदान से सोना निकालने के लिए नीलामी की प्रक्रिया शुरू की जाएगी. झारखंड एक्सप्लोरेशन एंड माइनिंग कॉरपोरेशन लिमिटेड (जेइएमसीएल) फिलहाल 15 परियोजनाओं पर काम कर रही है. इनमें लोहरदगा जिले के हरहरा, कालहारी, खमार, पुलुंग और रुदनी में बॉक्साइट ब्लॉक की खोज की जा रही है. कोडरमा जिले के दुधाकोला में लिथियम और रेयर मेटल की खोज की जा रही है. गढ़वा जिले के धुरकी में लाइमस्टोन ब्लॉक, पूर्वी सिंहभूम जिले में बेनगरिया काइनाइट ब्लॉक, साहिबगंज और लोहरदगा में चाईना क्ले और सरायकेला और गुमला में स्टोन ब्लॉक का खोज कार्य चल रहा है.

पारसनाथ पर्वत विवाद को लेकर हुई सुनवाई हाई कोर्ट ने 17 मार्च तक मांगा जवाब

रांची, एजेंसी। पारसनाथ पर्वत को लेकर जारी विवाद पर बुधवार को हाई कोर्ट में सुनवाई हुई। इस संबंध में जैन समुदाय, गुजरात की ज्योत संस्था के द्वारा जनहित याचिका दायर की गई है। बुधवार को हाईकोर्ट ने मरांग बुरू संस्थान के द्वारा दायर हस्तक्षेप याचिका पर आदिवासियों के पक्ष को सुना। हाईकोर्ट ने इसपर जैन समुदाय और सरकार से 17 मार्च के पहले जवाब देने को कहा है।

आदिवासी समाज ने आरोप लगाया है कि जैन समुदाय ने आदिवासियों के धार्मिक स्थल मरांग बुरू युग जाहेर थान में अतिक्रमण किया है। मधुबन में जंगलों को साफ कर कंक्रीट का भवन, मठ, मंदिर और धर्मशाला बनाया गया है। पारसनाथ पर्वत में वृक्षों और पत्थरों को काटकर 50 से भी अधिक मंदिर वन भूमि पर बना दिया गया है।

मरांग बुरू बचाओ और अतिक्रमण हटाओ को लेकर आदिवासी समाज आंदोलित है। 12 मार्च को मधुवन, गिरिडीह में रैली-प्रदर्शन आहूत किया गया है।

लातेहार में गारू प्रखंड के हेनार गांव में मंगलवार को हाईकोर्ट के आदेश के तहत आंगनबाड़ी सेविका चयन के लिए ग्रामसभा आयोजित की जानी थी। लेकिन पूर्व में चयनित सेविका सुनीता नागेसिया और उनके समर्थकों के विरोध के कारण प्रक्रिया पूरी नहीं हो सकी।

गौरतलब है कि सात माह पूर्व कम योग्यता वाली सुनीता नागेसिया का सेविका पद के लिए चयन किया गया था, जिसे गांव के अधिक योग्यता धारी किरण तेलरा ने चुनौती देते हुए लातेहार उपायुक्त को आवेदन दिया था।

मामले को संज्ञान में लेते हुए उप विकास आयुक्त ने सुनीता नागेसिया का चयन रद्द कर दिया था। इस फैसले के खिलाफ सुनीता नागेसिया ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया। हाईकोर्ट ने किरण तेलरा के पक्ष में फैसला सुनते हुए एक माह के भीतर ग्रामसभा कर नए सिरे से हेनार गांव ने आंगनवाड़ी सेविका का चयन करने का आदेश दिया था।

हाईकोर्ट के आदेश के अनुपालन में अंचलाधिकारी सह सीडीपीओ दिनेश कुमार मिश्रा और चयन समिति की टीम मंगलवार को हेनार गांव पहुंची।

गांव में पूर्व चयन सेविका सुनीता नागेसिया और उनके समर्थकों ने ग्रामसभा होने से रोक दिया। और नहीं ही हेनार गांव के किसी भी आदिम जनजाती महिला को सेविका पद के लिए आवेदन करने दी।

उनका कहना था कि सेविका के रूप में सिर्फ सुनीता नागेसिया को ही चुना जाए, अन्यथा वे प्रक्रिया नहीं होने देंगे। स्थिति बिगड़ते देख प्रशासनिक टीम बिना चयन प्रक्रिया पूरी किए वापस लौट गई।

अब प्रशासन के लिए यह मामला चुनौती बन गया है। सवाल यह है कि हाईकोर्ट के आदेश के बावजूद निष्पक्ष चयन कैसे होगा।इस संबंध में अंचलाधिकारी सह सीडीपीओ दिनेश कुमार मिश्रा ने कहा की अदालत के फैसले पर पुनः ग्रामसभा का समय निकली जाएगी सेविका का चयन किया जाएगा।उधर, एक अन्य मामले की बात करें तो झारखंड हाईकोर्ट के आदेश के बाद प्रशासन ने पलामू के उंटारीरोड प्रखंड क्षेत्र के पांडेयपुरा में आम रास्ता पर बने मकान को हटा दिया।

इस अभियान में सीओ बासुदेव राय, सीआई खीरोधर कुमार, थाना प्रभारी प्रदीप कुमार दुबे समेत पुलिस के जवान शामिल रहें।आवेदनकर्ता रामनाथ माली ने बताया कि पांडेपुरा गांव के प्रेमचंद गुप्ता, प्रभु गुप्ता, मुन्ना गुप्ता, अरुण, अनिल, सत्यनारायण, संजय गुप्ता ने आम रास्ता पर मकान बना कर सरकारी रास्ता को बंद कर दिया था।

इस कारण ग्रामीण काफी परेशान थे। उसके गाद ग्रामीणों ने रास्ता निकालने को लेकर उनकी अगुवाई मे वर्ष 1979 में कोर्ट का शरण लिया।

धनबाद विधायक राज सिन्हा ने कार्यकर्ताओं संग नगर निगम कार्यालय के समीप दिया धरना

धनबाद, एजेंसी। विधायक राज सिन्हा की अगुआई में भाजपा बरटांड़ मंडल के कार्यकर्ताओं ने मंगलवार को धनबाद नगर निगम कार्यालय के सामने धरना दिया। इस दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं ने नगर निगम की कार्यशैली के विरोध में नारेबाजी की। भाजपाइयों ने कहा कि नगर निगम के अधिकारी विकास कार्यों के प्रति गंभीर नहीं हैं। साथ ही नगर निगम और अन्य सरकारी कार्यालयों में भ्रष्टाचार का भी आरोप लगाया।

इस मौके पर धनबाद विधायक राज सिन्हा ने कहा कि जिले में विकास कार्य पूरी तरह से अवरुद्ध हैं। कहीं नाली नहीं है तो कहीं सड़कों का बुरा हाल है। कहीं स्ट्रीट लाईट की समस्या है तो कई जगह हाईमास्ट लाईट की। उन्होंने कहा कि शहर की नालियों की सफाई नहीं हो रही है। गर्मी आने में अब कुछ ही दिन शेष बचे हैं, लेकिन नगर निगम की ओर से पेयजल आपूर्ति की व्यवस्था को सुचारु करने को लेकर कोई तैयारी नहीं की गई है। ऊंचे स्थानों पर सप्लाई पानी नहीं पहुंच पा रहा है।

उन्होंने कहा कि कई सड़कें काफी जर्जर हो गई हैं। हालात यह है कि लोगों का सड़क पर पैदल भी चलना मुश्किल हो गया है, लेकिन नगर निगम को इस बात की तनिक भी चिंता नहीं है। खासकर पांडरपाला, दास बस्ती, पंडित क्लिनिक, मनईटांड़ और गांधी नगर सब्जी बगान जैसे इलाकों की सड़कें चलने लायक नहीं हैं। इन इलाकों की सड़कों का हाल बुरा हो चुका है।

भाजपा विधायक राज सिन्हा ने कहा कि कई बार इसकी लिखित रूप से शिकायत की गई। लेकिन समस्याओं के समाधान के लिए कोई प्रयास नहीं किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि नगर निगम भ्रष्टाचार का अड्डा बन चुका है। यहां केवल ठेकेदारी मैनेज किया जा रहा है। निगम की कुव्यवस्थाओं पर ध्यान केंद्रित कराने के लिए आंदोलन शुरू किया गया है। उन्होंने कहा कि पहले चरण में धरना दिया जा रहा है। सुनवाई नहीं होने पर आगे उग्र आंदोलन किया जाएगा।

उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि सीओ कार्यालय में भी भ्रष्टाचार चरम पर है। बगैर रिश्वत दिए म्यूटेशन नहीं किया जाता है। हालत है कि लोगों को महीनों तक दौड़ाया जाता है।

महाकुंभ जाने में अब नहीं होगी परेशानी, भीड़ को कंट्रोल करने के लिए रेलवे विभाग ने लिया अहम फैसला

चक्रधरपुर, एजेंसी। यात्रियों की अत्यधिक भीड़ से निपटने के लिए दक्षिण पूर्व रेलवे ने चक्रधरपुर रेल मंडल के गुजरने वाली 8 ट्रेनों में, रांची रेल मंडल से चलने वाली 2 और हावड़ा से खुलने वाली दो ट्रेनों में 20 से 23 फरवरी तक एक अतिरिक्त कोच लगा कर चलाने का निर्णय लिया है। ताकि यात्रियों को कंफर्म बर्थ मिल सके।

उधर, 44 साल के बाद इस साल प्रायगराज में महाकुंभ के त्रिवेणी संगम में आस्था की डुबकी लगाने के लिए देश भर के साथ-साथ राउरकेला स्मार्ट सिटी से भी रोजाना सैकड़ों लोग विभिन्न ट्रेनों से प्रयागराज जा रहे हैं।

इन लोगों को काफी मुश्किल से प्रयागराज जाने के लिए कंफर्म टिकट मिल पा रहा है। जिसके कारण उक्त रिजर्वेशन काउंटर में भीड़ देखी जा रही है।

रोजाना रिजर्वेशन काउंटर में 20 से 23 फरवरी तक का टिकट बनाने के लिए लोग आ रहे हैं। लेकिन रिजर्वेशन काउंटर में टिकट बनाने के लिए आने वाले लोगों को काउंटर के क्लर्क द्वारा केवल वेटींग टिकट होने की बात कही जा रही है।

दूसरी ओर दलाल 20 से 23 फरवरी तक प्रयागराज जाने के लिए कंफर्म टिकट दिलवा रहे हैं। लेकिन इसके लिए लोगों से स्लीपर हो या सेकेंड एसी या थर्ड एसी।

टिकट की किमत से दो से तीन गुणा किमत ले रहे हैं। इस दिशा में रेलवे के विजीलेंस विभाग, आरपीएफ, जीआरपी के अधिकारियों को इस तरह के हथकंडे के बारे में पता होने के बाद चुप्पी साध बैठे हैं।

झारखंड के कॉलेजों में रिसर्च प्रोजेक्ट के लिए मिलेगी 10 लाख रुपये तक की राशि, ऐसे होगा चयन

रांची, एजेंसी। झारखंड के विश्व विद्यालयों व कॉलेजों में शोध कार्य को बढ़ावा देने के लिए उच्च व तकनीकी शिक्षा विभाग ने रिसर्च प्रोजेक्ट के तहत राशि देने का निर्णय लिया है. विभाग ने दो लाख रुपये से 10 लाख रुपये तक का रिसर्च प्रोजेक्ट तैयार किया है, ताकि शिक्षक/शोधार्थी/वैज्ञानिक इस पर कार्य कर सकते हैं. इसमें माइनर प्रोजेक्ट के तहत 12 माह के लिए दो लाख रुपये का बजट निर्धारित किया गया है.

इसी प्रकार मेजर प्रोजेक्ट के तहत 24 माह के लिए पांच लाख रुपये का बजट निर्धारित किया है. जबकि लांग टर्म प्रोजेक्ट के तहत 36 माह के लिए 10 लाख रुपये बजट का प्रावधान रखा गया है. उच्च व तकनीकी शिक्षा विभाग ने इसके लिए गाइडलाइन जारी कर दी है. विभाग ने इसकी मॉनिटरिंग का जिम्मा जेसीएसटीआइ को दिया है.

नयी गाइडलाइन के तहत झारखंड में रिसर्च प्रोजेक्ट के लिए जेसीएसटीआइ द्वारा साल में दो बार आवेदन मांगेगा. यह माह प्रति वर्ष जुलाई व दिसंबर का होगा. प्रोजेक्ट लेनेवाले शिक्षक/वैज्ञानिक/शोधार्थी ऑनलाइन आवेदन व शोध प्रस्ताव जमा करेंगे. इसके लिए निर्धारित फॉर्मेट रहेगा. ऑनलाइन आवेदन जमा करने के बाद इसकी हार्ड कॉपी ऑनलाइन आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि से 15 दिन के अंदर संबंधित संस्थान में जमा करना होगा. अगर हार्ड कॉपी 15 दिन के अंदर जमा नहीं होती है, तो संबंधित शोध प्रस्ताव व आवेदन को रद्द कर दिया जायेगा. शोध प्रस्ताव व फाइनल रिपोर्ट अंग्रेजी में ही जमा करने होंगे. एक बार में एक ही प्रोजेक्ट के लिए आवेदन करना होगा.

जमा हुए आवेदन और शोध प्रस्ताव की स्क्रूटनी की जायेगी. इसके लिए जेसीएसटीआइ द्वारा स्क्रीनिंग कमेटी बनायी जायेगी. शार्टलिस्ट उम्मीदवार को प्रजेंटेशन और इंटरैक्शन के लिए बुलाया जायेगा. प्रोजेक्ट का चयन होने पर उम्मीदवार को राशि का भुगतान दो बार समान किस्त में होगा. जेसीएसटीआइ के पास अधिकार होगा कि वह शोध प्रस्ताव को लांग टर्म/मेजर रिसर्च प्रोजेक्ट/माइनर रिसर्च प्रोजेक्ट में स्थानांतरित कर सकता है. राशि का खर्च फील्ड वर्क/उपकरण/स्टटी मेटेरियल/कंटीजेंसी आदि में किया जायेगा.

शिक्षा विभाग में फेरबदल, 14 अधिकारियों की ट्रांसफर-पोस्टिंग

रांची, एजेंसी। राज्य सरकार ने राज्य शिक्षा सेवा के 14 पदाधिकारियों का स्थानांतरण-पदस्थापन किया है। इनमें से कुछ को अतिरिक्त प्रभार भी दिया गया है। इसके तहत साहिबगंज के जिला शिक्षा पदाधिकारी दुर्गानंद झा को संताल प्रमंडल के क्षेत्रीय शिक्षा संयुक्त निदेशक (आरजेडीई) का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है।

वे वर्तमान आरजेडीई गोपाल कृष्ण झा के 28 फरवरी को सेवानिवृत्त होने के बाद इस पद का प्रभार लेंगे। वहीं, दक्षिणी छोटानागपुर के आरजेडीई अलका जायसवाल को प्राथमिक शिक्षा का उपनिदेशक बनाया गया है।

नीलम आईलीन टोप्पो को प्राथमिक शिक्षा उपनिदेशक के साथ दक्षिणी छोटानागपुर के आरजेडीई का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। हजारीबाग के जिला शिक्षा पदाधिकारी प्रवीण रंजन को उत्तरी छोटानागपुर के आरजेडीई के साथ इंदिरा गांधी आवासीय विद्यालय के प्राचार्य का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है।

इनके अलावा, पूर्वी सिंहभूम के डीईओ मनोज कुमार को कोल्हान प्रमंडल का आरजेडीई का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। इसी तरह, निशु कुमारी को जिला शिक्षा व प्रशिक्षण संस्थान (डायट) रातू में प्राचार्य, संतोष गुप्ता को पाकुड़ डायट का प्राचार्य, सरायकेला के डीएसई कैलाश मिश्र को वहां के डीईओ का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है।

अभिषेक बड़ाइक को चतरा डीएसई के प्रभार से मुक्त किया गया। दास सुनंदा चंद्रमौलेश्वर को लोहरदगा का डीईओ, अभिजीत कुमार को लोहरदगा का डीएसई, रामजी कुमार को चतरा का डीएसई, दीप्ति कुमारी को जैक का संयुक्त सचिव और अभिषेक झा को धनबाद का डीईओ बनाया गया है। स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग ने बुधवार को इस संबंध में अधिसूचना जारी की।

दूसरी ओर, गृह रक्षा वाहिनी में इंस्पेक्टर, कंपनी कमांडर व अन्य कर्मियों सहित 38 का तबादला हो गया है। बुधवार को इससे संबंधित आदेश जारी कर दिया गया है। जारी आदेश के अनुसार कुल 16 इंस्पेक्टर, 17 कंपनी कमांडर व पांच चतुर्थवर्गीय कर्मचारी शामिल हैं।

मृत्युंजय कुमार मिश्र (दुमका से चाईबासा), अनुज कुमार (पलामू से रांची मुख्यालय), राजीव कुमार गौरव (गढ़वा से जमशेदपुर), धीरज कुमार (जमशेदपुर से गढ़वा), ध्रुव कुमार तिवारी (गुमला से गोड्डा), दिनेश उरांव (दुमका से केंद्रीय प्रशिक्षण संस्थान, धुर्वा), धनुषधारी सिंह (चाईबासा से दुमका), रंजीत कुमार सिंह (जमशेदपुर से दुमका)। महेंद्र हरिजन (देवघर से चाईबासा), अलेकसियुस तिर्की (गोड्डा से गुमला), अरविंद कुमार बैद्यका (मुख्यालय रांची से हजारीबाग), गौतम सागर ऋषि (हजारीबाग से पलामू), विनित बेक (पाकुड़ से लोहरदगा), ओम सती (कोडरमा से गुमला), विनय कुमार (चाईबासा से देवघर) व कैलाश सिंह (हजारीबाग से कोडरमा)।

ऋषिकेश (मुख्यालय रांची से चतरा), सुमन कुमार (मुख्यालय रांची से धनबाद), नीलकंठ महतो (केंद्रीय प्रशिक्षण संस्थान से हजारीबाग), रमजान अंसारी (रांची से लोहरदगा), सज्जन कुमार यादव (गुमला से साहिबगंज), धीरज कुमार झा (लोहरदगा से देवघर), अजय कुमार पांडेय (गोड्डा से पाकुड़), निरल केरकेट्टा (पाकुड़ से गोड्डा), प्रभाष कुमार (हजारीबाग से केंद्रीय प्रशिक्षण संस्थान धुर्वा)।

अमित कुमार साव (देवघर से रांची), रोहित कुमार (धनबाद से मुख्यालय रांची), आदिब कामिल (केंद्रीय प्रशिक्षण संस्थान धुर्वा से दुमका), सुशील मुर्मू (केंद्रीय प्रशिक्षण संस्थान धुर्वा से जमशेदपुर), कामता प्रसाद सिंह (केंद्रीय प्रशिक्षण संस्थान धुर्वा से हजारीबाग), रंजीत कुमार (साहिबगंज से केंद्रीय प्रशिक्षण संस्थान धुर्वा), रोशन उरांव (चाईबासा से गुमला), संजीव कुमार शर्मा (चतरा से मुख्यालय रांची)।

झारखंड कांग्रेस कमेटी में अब नहीं चलेगा ये वाला फॉर्मूला, पार्टी प्रभारी के. राजू का दो टूक

रांची, एजेंसी। कांग्रेस संगठन अब नये फॉर्मूले से तैयार होगा. पार्टी की प्रदेश कमेटी से लेकर दूसरी कमेटियों के गठन को लेकर पार्टी नयी नीति अपनायेगी. इससे कांग्रेस प्रदेश कमेटी में हर बार जगह पाने वाले नेताओं की छुट्टी हो सकती है. इसके साथ ही प्रदेश की जंबो जेट कमेटी नहीं चलेगी. ये बातें पार्टी के नये प्रभारी के राजू ने अध्यक्ष केशव महतो कमलेश के साथ हुई मीटिंग में कही. बताते दें कि कांग्रेस में आमंत्रित और विशेष आमंत्रित सदस्य बनाकर दर्जनों लोगों को शामिल किया जाता है. प्रदेश कांग्रेस के नये प्रभारी के राजू जल्द ही झारखंड दौरे आने वाले हैं. इस दौरान वे मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से भी मुलाकात करेंगे. बोर्ड-निगम के बंटवारे को लेकर भी चर्चा होगी.

कांग्रेस के नव-नियुक्त प्रभारी के राजू से प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने दिल्ली में मुलाकात की. इस मौके पर प्रभारी के राजू ने संगठन का पूरा खाका जाना. फिलहाल कांग्रेस की प्रदेश कमेटी का गठन नहीं हुआ है. लेकिन उन्होंने पिछली कई कमेटियों की जानकारी ली. जातीय और नेताओं की उम्र को लेकर अलग-अलग बात की. प्रभारी के राजू का निर्देश था कि कमेटी छोटी बनायें. नये और युवा चेहरे को आगे लायें. इसके साथ ही प्रदेश की अन्य कमेटियों में जो नेता शामिल हैं, उन्हें दूसरी कमेटी में जगह नहीं मिले.

नये प्रभारी की ओर से कहा गया है कि पॉलिटिकल अफेयर्स कमेटी या अन्य कमेटी में शामिल नेताओं को प्रदेश की टीम में शामिल करने की जरूरत नहीं है. हर कमेटी अलग-अलग काम करें और सब अपना टारगेट पूरा करें. संगठन में भी जिसकी जितनी हिस्सेदारी है, उसकी उतनी भागीदारी का फॉर्मूला तय हो. ग्रास रूट के नेताओं को आगे बढ़ाया जाये, जिससे कमेटी में जातीय, वर्ग और उम्र का पूरा संतुलन हो जाये. इसके साथ ही जिलाध्यक्षों को लेकर भी जानकारी हासिल की. जिले में भी नये लोगों को आगे लाने की बात कही गयी है.

झारखंड के बीआईटी सिंदरी और जेयूटी में बनेगा टेक्नोलॉजी पार्क, तकनीकी शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए बनेगी पॉलिसी

रांची, एजेंसी। उच्च व तकनीकी शिक्षा विभाग के प्रधान सचिव राहुल पुरवार ने कहा है कि राज्य में तकनीकी शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए टेक्नोलॉजी पार्क की स्थापना की जायेगी. प्रथम चरण में यह पार्क बीआईटी सिंदरी, झारखंड यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी (जेयूटी), पलामू इंजीनियरिंग कॉलेज तथा नामकुम स्थित सॉफ्टवेयर पार्क में स्थापित किया जायेगा. वे बुधवार को रेडिशन ब्लू होटल में आयोजित इंडस्ट्री कॉन्क्लेव ऑन स्टेट टेक्नोलॉजी पार्क पर आयोजित कार्यशाला में बोल रहे थे.

उच्च व तकनीकी शिक्षा मंत्री सुदिव्य कुमार को भी इस कार्यशाला में आना था, लेकिन इटखोरी में कार्यक्रम के कारण वे उपस्थित नहीं हो सके. प्रधान सचिव ने कहा कि इस पार्क में उपलब्ध संसाधन के माध्यम से विद्यार्थी स्टार्टअप को भी बढ़ावा दे सकेंगे. पार्क में उद्योग विभाग व इससे जुड़े संस्थान के विशेषज्ञों की मदद विद्यार्थियों को इमर्जिंग टेक्नोलॉजी सेक्टर में प्रशिक्षण दिलाया जायेगा. पार्क में विद्यार्थियों को इवी ट्रेनिंग, डेटा साइंस, फिनटैक सेंटर, ड्रोन टेक्नोलॉजी, रोबोट, मेकाट्रोनिक्स इनर्जी सेक्टर, 5 जी, आइटी इंफ्रास्ट्रक्चर मैनेजमेंट, साइबर सिक्यूरिटी एंड एलाइड सेक्टर, जीआइएस, टोमेशन, गेमिंग टेक्नोलॉजी जैसे लेटेस्ट तकनीक क्षेत्र में विद्यार्थियों को दक्ष किया जायेगा. इस अवसर पर एएसडीसी के सीइओ अरिंदम लाहिरी सहित सोमनाथ रॉय, रिलायंस जिओ के उपाध्यक्ष बाला अय्यर व एबिकॉर इंडिया के सीइओ मुर्गेश सुतारिया ने भी संबोधित किया. रांची विवि के कुलपति डॉ अजीत कुमार सिन्हा ने धन्यवाद ज्ञापन करते हुए कहा कि इस तरह के पार्क की स्थापना के लिए रांची विवि का भी चयन किया जाये. ताकि, नन टेक्निकल विद्यार्थी भी इसका लाभ उठा सकें. जेयूटी के कुलपति प्रो डीके सिंह ने कहा कि टेक्नोलॉजी पार्क की स्थापना से राज्य के तकनीकी सहित गैर तकनीकी विद्यार्थी भी अपने रोजगार के उद्देश्य से प्रशिक्षण प्राप्त कर सकेंगे. जिस क्षेत्र में विद्यार्थी प्रशिक्षण लेना चाहेंगे, सरकार इस पार्क में उन्हें सुविधा उपलब्ध करायेगी. प्रो सिंह ने कहा कि भुवनेश्वर स्थित स्किल डेवलपमेंट सेंटर की तर्ज पर इस पार्क की स्थापना करने का निर्णय लिया गया है. उन्होंने कहा कि अगर हम अपने राज्य के बच्चों को संसाधन उपलब्ध कराते हैं, तो विद्यार्थी अपनी बौद्धिक क्षमता व विशेषज्ञ के मार्गदर्शन में बहुत आगे तक जा सकेंगे.

उच्च व तकनीकी शिक्षा विभाग के अवर सचिव सैयद रियाज अहमद ने पार्क के संबंध में प्रजेंटेशन दिया. उन्होंने इस पार्क की स्थापना में सरकार की तरफ से दी जानेवाली रियायत की जानकारी दी. उन्होंने बताया कि इस पार्क में इमर्जिंग टेक्नोलॉजी सेक्टर के अलावा सर्विस सेक्टर को शामिल किया जायेगा. इसके तहत ग्लोबल बैंकिंग एंड फाइनांसियल सर्विस, डिजाइन एंड फैशन टेक्नोलॉजी, आइटीइएस, हॉस्पिटेलिटी, लॉजिस्टिक, रेटेल आदि सेक्टर शामिल होंगे.इस अवसर पर एक परिचर्चा का भी आयोजन किया गया.

इसमें नितिन झुनझुनवाला, सुमिता गुप्ता, डॉ शुभजीत जगदेव, शिवनंदन एनआर, संजीव कुबाकड्डी, रमेश बैंकट, कानन सहित एनआइटी जमशेदपुर के डॉ खुशलेंद्र कुमार सिंह, वी वासु, ओम प्रकाश, सरोज, पंकज जाधव, विवेक प्रकाश, टाटा मोटर्स के अनिल जोसेफ, प्रशांत मेहता आदि शामिल थे.

अगले साल से दो बार होंगी 10वीं की बोर्ड परीक्षाएं, सीबीएसई ने किया बड़ा एलान

रांची, एजेंसी। सीबीएसई ने अपनी परीक्षा प्रणाली में बड़े बदलाव की घोषणा की है। इसके तहत वर्ष 2026 से 10वीं के लिए वर्ष में दो बार बोर्ड की परीक्षाएं होंगी।

सीबीएसई 2026-27 के सत्र से संबद्ध 260 विदेशी स्कूलों के लिए एक वैश्विक पाठ्यक्रम भी तैयार करेगा। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान की अध्यक्षता में हुई उच्च स्तरीय बैठक में इस निर्णय पर चर्चा की गई है।

बैठक में सीबीएसई, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी), केंद्रीय विद्यालय संगठन (केवीएस) और नवोदय विद्यालय समिति (एनवीएस) के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे।

नई प्रणाली के तहत छात्रों के पास वर्ष में दो बार बोर्ड परीक्षा देने और अपने सर्वश्रेष्ठ स्कोर को बनाए रखने का विकल्प होगा। सीबीएसई के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि ये योजना विद्यार्थियों में परीक्षा के दबाव को कम करने और छात्रों को अपने प्रदर्शन को बेहतर बनाने का अवसर देगी।

इसका उद्देश्य परीक्षा से संबंधित तनाव को कम करना है, साथ ही अधिक समग्र मूल्यांकन प्रणाली सुनिश्चित करना है। इसमें रटने की बजाय अवधारणात्मक समझ और कौशल आधारित मूल्यांकन पर जोर देना है।नया मूल्यांकन पैटर्न रचनात्मक शिक्षा को प्रोत्साहित करता है, जो संयुक्त राज्य अमेरिका में एसएटी जैसे वैश्विक माडल की तरह है, जो छात्रों को अपना सर्वश्रेष्ठ स्कोर लाने के लिए कई प्रयास देता है। सीबीएसई इस बदलाव को सुचारू रूप से चलाने के लिए शिक्षकों को बेहतर कौशल देने पर भी काम कर रहा है।

केशव टाइम्स डिजिटल संस्करण

बक्सर, 21 फरवरी 2025
website:keshavtimes.com
e-mail:keshavtimes1@gmail.com

सुभाषितम्

सौंदर्य तो अस्थाई है लेकिन मन आपका जीवन भर साथ देता है
- एलिशिया मेकेडो

चीन- रूस और भारतीय अवैध प्रवासियों के साथ अमेरिका का भेदभाव

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत के अवैध प्रवासियों की तीन खेप को सेना के विमान में भारत भेज दिया है। 300 से अधिक भारतीय अवैध प्रवासी भारत वापस लौट चुके हैं। खास यह है कि इन सभी को हथकड़ियों और वेड़ियो में जकड़ कर भेजा गया है। सेना के लड़ाकू विमान जिसमें बैठने के लिए सीट नहीं होती हैं, खाने-पीने की कोई व्यवस्था नहीं होती है। एक इमरजेंसी टॉयलेट भरा होता है। उसमें अमेरिका से अवैध प्रवासियों को भारत भेजा जा रहा है। अमेरिका में चीन और रूस के तीन लाख से अधिक अवैध प्रवासी रह रहे हैं। चीन और रूस के अवैध प्रवासियों को भेजने की कोई प्रक्रिया अमेरिका द्वारा शुरू नहीं की गई है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का इरादा पूरी तरह से अब जग जाहिर हो गया है। वह भारत और भारत के अवैध प्रवासियों के साथ अपनी खुन्नस निकाल रहे हैं। व्हाइट हाउस द्वारा अवैध प्रवासियों को जिस तरह से भारत भेजा गया, उसका वीडियो बनाया गया। वेड़ियो और हथकड़ियों में जकड़े महिला, पुरुषों और बच्चों को भेजने का यह वीडियो 5 करोड़ से ज्यादा लोग दुनिया में देख चुके हैं। डोनाल्ड ट्रंप उनके सलाहकार एलन मस्क वीडियो में अटहास करते हुए नजर आ रहे हैं। जो इस बात का प्रमाण है कि अमेरिका जानबूझकर भारत के अवैध प्रवासियों के साथ गुलाम और अपराधियों जैसा व्यवहार कर रहा है। भारत की जो विश्व गुरु वाली छवि सारी दुनिया के देशों में बनी हुई थी उस छवि को सुनयोजित रूप से नष्ट किया जा रहा है। अमेरिकी गृह मंत्रालय के अनुसार चीन के 260000 रूस के 30000 से ज्यादा अवैध प्रवासी अमेरिका में रह रहे हैं। इसके अलावा अन्य देशों के भी लाखों अवैध प्रवासी अमेरिका में रह रहे हैं, लेकिन भारत के अवैध प्रवासियों को अमेरिका से जिस तरह से वापस भेजा जा रहा है उससे यह बात स्पष्ट हो गई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भारत के साथ दुश्मनी वाला व्यवहार कर रहे हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने राष्ट्रपति पद की शपथ लेने के पहले चीन और अन्य देशों के ऊपर टैरिफ बढ़ाने की धमकी दी थी, लेकिन एक महीना होने को आ गया चीन और अन्य देशों के साथ उन्होंने जो धमकी दी गई थी उसके अनुसार कोई कार्रवाई नहीं की। सारी गाज भारत के ऊपर गिरती हुई दिख रही है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पिछले दिनों तंज कसा है, भारत के पास खूब पैसा है। भारत अमेरिका से सबसे ज्यादा टैरिफ वसूल करने वाला देश है। यह कहते हुए उन्होंने जो भारत को सहायता दी जा रही है उसे भी बंद करने का आदेश दिया है। अमेरिका की धमकी के आगे भारत ने बहुत सारी चीजों में आयात शुल्क घटा दिया है। अमेरिका के दौर में जब भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गए थे, उस समय अमेरिका के हितों को ध्यान में रखते हुए बहुत से ऐसे समझौते किए हैं जो भारत के लिए नुकसानदेह हैं। यह माना जा रहा था कि अवैध प्रवासियों को लेकर वह सकारात्मक रुख अपनाएंगे। भारतीय कारोबारी गौतम अडानी को लेकर अमेरिका का सकारात्मक रुख होगा, लेकिन 18 फरवरी को अमेरिका न्याय विभाग ने जो पत्र भारत सरकार को भेजा है उसके बाद यह आशा भी खत्म हो गई। इससे ऐसा लगता है कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनके सलाहकार एलन मस्क जानबूझकर भारत सरकार को ब्लैकमेल कर रहे हैं। वह अपनी व्यक्तिगत खुन्नस निकाल रहे हैं। भारत सरकार अमेरिका से इतना क्यों डर रही है, इसको लेकर अब दुनियाभर में चर्चा होने लगी है। छोटे से छोटे देशों ने अमेरिका के ऊपर जवाबी हमले किए, उसके बाद अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को मौन साधना पड़ा। भारत सरकार की चुप्पी सभी को आश्चर्य चकित कर रही है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में साक्षी न्यूज को जो इंटरव्यू दिया है उसमें उन्होंने यह बताया है कि भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जब उनसे मिले थे तब उन्होंने प्रतिस्पर्धी टैरिफ लगाने की बात उन्हें बता दी थी।

चिंतन-मनन

ईश्वर से प्रेम करना है वास्तविक प्रेम

बहुत से ऐसे लोग मिलेंगे जो कहेंगे कि उन्हें किसी से प्यार हो गया है। अपने प्रेम को पाने के लिए वह दुनिया छोड़ने की बात करेंगे। लेकिन वास्तव में प्रेम को पाने के लिए दुनिया छोड़ने जरूरत ही नहीं है। प्रेम तो दुनिया में रहकर ही किया जाता है। जो दुनिया छोड़ने की बात करते हैं वह तो प्रेमी हो ही नहीं सकते है। दुनिया छोड़ने की बात करने वाले लोग वास्तव में रूप के आकर्षण में बंधे हुए लोग होते हैं। वह प्रेम के वास्तविक स्वरूप से अनजान होते हैं। ऐसी स्थिति कभी रामचरित मानस के रचयिता तुलसीदास जी की भी थी, लेकिन जब उन्हें प्रेम का सही बोध हुआ तब वह परम पद को पाने में सफल हुए। तुलसीदास जी के युवावस्था के समय की बात है इनका विवाह एक अति रूपवती कन्या से हुआ जिसका नाम रत्नावली था। रत्नवती के रूप में तुलसीदास ऐसे खो गये कि उनके बिना एक क्षण जीना उनके लिए कठिन प्रतीत होने लगा। एक बार रत्नावली अपने मायके चली आयी तो तुलसीदास बचैन हो गये। आधी रात को आंधी तूफान की परवाह किये बिना रत्नावती से मिलने चल पड़े। नदी उफन रही थी जिसे पार करने के लिए वह एक आश्रय का सहारा लेकर तैरने लगे।

रत्नावली के ख्यालों में तुलसीदास जी ऐसे खोये हुए थे कि उन्हें यह पता भी नहीं चला कि वह जिस चीज का आश्रय लेकर नदी पार कर रहे हैं वह किसी व्यक्ति का शव है। रत्नावली के कमरे में प्रवेश के लिए तुलसीदास जी ने एक सांप का पूंछ रस्सी समझकर पकड़ लिया जो उस समय रत्नावली के कमरे की दीवार पर चढ़ रहा था। रत्नावली ने जब तुलसीदास को अपने कमरे में इस प्रकार आते देखा तो बहुत हैरान हुई और तुलसीदास जी से कहा कि हाड़-मांस के इस शरीर से जैसा प्रेम है वैसा प्रेम अगर प्रभु से होता तो जीवन का उद्देश्य सफल हो जाता है।

मातृभाषाएं संवारती हैं संस्कार और संस्कृति को

ललित गर्ग

मातृभाषा केवल संचार का माध्यम नहीं, बल्कि संस्कृति, परंपराओं, जीवनमूल्यों और इतिहास को संजोने का एक सशक्त साधन है। यह समाज, संस्कृति एवं राष्ट्र के लिए पहचान का महत्वपूर्ण साधन होती है। शोध बताते हैं कि बच्चे अपनी मातृभाषा में पढ़कर अधिक अच्छी तरह से समझ विकसित करते हैं, वहीं आमजन के लिये संवाद एवं व्यवहार का प्रभावी माध्यम भी यही है। इससे उनकी बौद्धिक क्षमता और रचनात्मकता में वृद्धि होती है। यूनेस्को ने मातृभाषा के महत्व को समझते हुए मातृभाषा के संरक्षण और बहुभाषी शिक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से हर साल 21 फरवरी को अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस मनाने की घोषणा 1999 में की और 2000 से इसकी शुरूआत की। इस वर्ष 25वीं वर्षगांठ मनाते हुए इसकी थीम भाषा का महत्वः अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस का रजत जयंती समारोह है, जो 2030 तक अधिक समावेशी और टिकाऊ विश्व के निर्माण के लिए भाषाई विविधता पर प्रगति में तेजी लाने की आवश्यकता को रेखांकित करेगा। भाषाई विविधता को बढ़ावा देने, लुप्तप्राय भाषाओं की रक्षा करने और बहुभाषी शिक्षा को प्रोत्साहित करने के प्रयासों को प्रदर्शित करने पर जोर दे रहा है। तकनीकी विकास और इंटरनेट के सुरक्षित विस्तार के साथ, यह महत्वपूर्ण हो जाता है कि स्थानीय और मातृभाषाओं को डिजिटल माध्यमों में कैसे संरक्षित किया जाए। यह दिवस हमें भाषाओं को डिजिटल रूप में संरक्षित करने और अगली पीढ़ी तक पहुँचाने के लिए प्रेरित करता है। यूनेस्को का मानना है कि स्थायी समाज के लिए सांस्कृतिक और भाषाई विविधता बहुत जरूरी है। शांति के लिए अपने जनादेश के तहत यह संस्कृतियों और भाषाओं में अंतर को बनाए रखने के लिए काम करता है जो दूसरों के लिए सहिष्णुता और सम्मान को बढ़ावा देते हैं। बहुभाषी और बहुसांस्कृतिक समाज अपनी भाषाओं के माध्यम से अस्तित्व में रहते हैं जो पारंपरिक ज्ञान और संस्कृतियों को स्थायी तरीके से प्रसारित और संरक्षित करते हैं। भाषाई विविधता लगातार खतरे में पड़ती जा रही है क्योंकि अधिकाधिक भाषाएं लुप्त होती जा रही हैं। वैश्विक स्तर पर 40 प्रतिशत आबादी को उस भाषा में शिक्षा प्राप्त करने की सुविधा नहीं है जिसे वे बोलते या समझते हैं। फिर भी, बहुभाषी शिक्षा में प्रगति हो रही है, इसके महत्व की समझ बढ़ रही है, खासकर प्रारंभिक स्कूली शिक्षा में, और सार्वजनिक जीवन में इसके विकास के लिए अधिक प्रतिबद्धता है। मातृभाषा जीवन का आधार है, यह एक ऐसी भाषा होती है जिसे सीखने के लिए उसे किसी कक्षा की जरूरत नहीं पड़ती। जन्म लेने के बाद मानव जो प्रथम भाषा सीखता है उसे उसकी मातृभाषा कहते हैं, वही व्यक्ति की सामाजिक एवं भाषाई पहचान होती है। लेकिन मानव समाज में कई दफा हमें मानवाधिकारों के हनन के साथ-साथ मातृभाषा के उपयोग को गलत भी बताया जाता रहा है। ऐसी ही स्थिति पैदा हुई थी 21 फरवरी 1952 को बांग्लादेश में जब 1947

में भारत के विभाजन के बाद पाकिस्तान ने पूर्वी पाकिस्तान (अब बांग्लादेश) में उर्दू को राष्ट्रीय भाषा घोषित कर दिया था। लेकिन इस क्षेत्र में बांग्ला और बंगाली बोलने वालों की अधिकता ज्यादा थी और 1952 में जब अन्य भाषाओं को पूर्वी पाकिस्तान में अमान्य घोषित किया गया तो ढ़ाका विश्वविद्यालय के छात्रों ने आंदोलन छेड़ दिया। आंदोलन को रोकने के लिए पुलिस ने छात्रों और प्रदर्शनकारियों पर गोलियां चलानी शुरू कर दी जिसमें कई छात्रों की मौत हो गई। अपनी मातृभाषा के हक में लड़ते हुए मारे गए शहीदों की ही याद में मातृभाषा दिवस मनाया जाता है।

विश्व में विगत 40 वर्षों में लगभग डेढ़ सौ से अधिक अध्ययनों के निष्कर्ष हैं कि मातृभाषा में ही शिक्षा होनी चाहिए, क्योंकि बालक को माता के गर्भ से ही मातृभाषा के संस्कार प्राप्त होते हैं। भारतीय वैज्ञानिक सी.वी.श्रीनाथ शास्त्री के अनुभव के अनुसार अंग्रेजी माध्यम से इंजीनियरिंग की शिक्षा प्राप्त करने वाले की तुलना में भारतीय भाषाओं के माध्यम से पढ़े छात्र, अधिक वैज्ञानिक अनुसंधान करते हैं। भारत में मातृभाषाओं को प्रोत्साहन देने के लिये नरेन्द्र मोदी सरकार प्रयासरत है। उन्होंने उच्च शिक्षा के स्तर पर भी बहुभाषिकता को राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में स्वीकार किया है। हमारे देश में मातृभाषाओं के प्रति अनेक प्रकार के भ्रम फैले हैं, जिनमें एक भ्रम है कि अंग्रेजी विकास और ज्ञान की भाषा है। जबकि इस बात से यूनेस्को सहित अनेक संस्थानों के अनुसंधान यह सिद्ध कर चुके हैं कि अपनी भाषा में शिक्षा से ही बच्चे का सही एवं सर्वांगीण मायने में विकास हो पाता है। इस दृष्टि से मातृभाषा में शिक्षा पूर्ण रूप से वैज्ञानिक है। इसी मत को भारत के राष्ट्रीय मस्तिष्क अनुसंधान केंद्र तथा शिक्षा संबंधित सभी आयोगों आदि ने भी माना है। मातृभाषा को प्रोत्साहन देकर ही भारत सुपर पावर बनने के अपने सपने को साकार कर सकता है। इस महान उद्देश्य को पाने की दिशा में विज्ञान, तकनीक और अकादमिक क्षेत्रों में नवाचार और अनुसंधान करने के अभियान को तीव्रता प्रदान करने के साथ मातृभाषा में शिक्षण को प्राथमिकता देना होगा। मातृभाषा सम्पूर्ण देश में सांस्कृतिक और भावात्मक एकता स्थापित करने का प्रमुख साधन है। भारतीय स्वाधीनता आंदोलन में भी हिन्दी ने देश को एकजुट करने में सशक्त भूमिका का निर्वहन किया। भारत का परिपक्व लोकतंत्र, प्राचीन सभ्यता, समृद्ध संस्कृति तथा अनूठा संविधान विश्व भर में एक उच्च स्थान रखता है, उसी तरह भारत की गरिमा एवं गौरव की प्रतीक मातृ भाषाओं को हर कीमत पर विकसित करना हमारी प्राथमिकता होनी ही चाहिए। 85 संस्थाओं और विश्वविद्यालयों के तीन हजार विशेषज्ञों के पीपुल्स लिंग्युस्टिक सर्वे आफ इंडिया (पीएलएसआई) के अध्ययन के अनुसार पिछले 50 वर्षों के दौरान 780 विभिन्न बोलियों वाले देश की 250 भाषाएँ लुप्त हो चुकी हैं। इनमें से 22 अधिसूचित भाषाएं हैं। जनसंख्या के आंकड़ों के अनुसार 10 हजार से अधिक लोगों द्वारा बोली जाने वाली 122 भाषाएं हैं। बाकी 10 हजार से कम लोगों द्वारा बोली जाती है। आयरिश भाषाई विद्वान जार्ज अब्राहम ग्रियर्सन के बाद पहली बार 1898-1928 के बीच भाषाई सर्वे किया गया है। आजाद भारत में पहली बार किए गए इस पहले सर्वे में चार वर्ष लगे। इस रिपोर्ट के अनुसार भाषाई विविधता की दृष्टि से भारत में अरुणाचल प्रदेश सबसे समृद्ध राज्य है, वहाँ 90 से अधिक भाषाएँ बोली जाती है। इसके बाद महाराष्ट्र और गुजरात का स्थान है, जहाँ 50 से अधिक भाषाएँ बोली जाती है। 47 भाषाओं के साथ ओडिशा चौथे स्थान पर है। इसके विपरीत गोवा में सिर्फ तीन भाषाएं बोली जाती हैं तो दादर और नगर हवेली में एक भाषा गोरपा है, जिसका अब तक कोई रिकार्ड नहीं है। करीब 400 से अधिक भाषाएं आदिवासी और घुमंतू व गैर-अधिसूचित जनजातियाँ बोलती हैं। हिन्दी हमारी मातृभाषा के साथ-साथ राजभाषा होने के बावजूद उसको उचित सम्मान न मिलना अनेक प्रश्नों को खड़ा करता है, संख्यात्मक रूप से सबसे ज्यादा लोग हिन्दी जानते हैं, बोलते हैं। संस्कृति के सबसे निकट भी हिन्दी ही है। सर्वाधिक वैज्ञानिक भाषा भी हिन्दी ही है। गूगल के अनुसार हिन्दी दुनिया की ऐसी भाषा है जिसमें सर्वाधिक कंटेंट (पाठ्य सामग्री) का निर्माण होता है। सर आइजेक पिटमैन ने कहा है कि संसार में यदि कोई सर्वांग पूर्ण लिपि है तो वह देवनागरी है। हिन्दी सभी भाषाओं की बड़ी बहन है इसका यह अर्थ नहीं है कि हम दूसरी भाषाओं को लघुतर मानें। संस्कृत मातृभाषा है और सभी भ्रातृभाषाएं हैं। महात्मा गाँधी ने कहा था, विदेशी माध्यम ने बच्चों की तंत्रिकाओं पर भार डाला है, उन्हें रट्टू बनाया है, वह सृजन के लायक नहीं रहे। विदेशी भाषा ने देशी भाषाओं के विकास को बाधित किया है। इसी संदर्भ में भारत के पूर्व राष्ट्रपति एवं वैज्ञानिक डॉ. अब्दुल कलाम के शब्दों का यहां उल्लेख आवश्यक हो जाता है कि मैं अच्छा वैज्ञानिक इसलिए बना, क्योंकि मैंने गणित और विज्ञान की शिक्षा मातृभाषा में प्राप्त की। निश्चित ही सशक्त भारत-विकसित भारत निर्माण एवं प्रभावी शिक्षा के लिए मातृभाषा में शिक्षा की सर्वाधिक महत्वपूर्ण भूमिका है।

दिल्ली में भाजपा की जीवन रेखा

राकेश अचल

जादूगर सरकार की तरह अब भाजपा भी जादू करके अपने कार्यकताओं और नेताओं के साथ देश को भी अचरज में डालने लगी है। भाजपा ने लगभग तीसरी बार दिल्ली में विधायक दल के नेता के रूप में एक ऐसा नाम नवनिर्वाचित विधायकों के सामने रख दिया जिसके बारे में दूर-दूर तक क्या, ख्वाब में भी किसी ने नहीं सोचा था। दिल्ली की नई-नवेली भाजपा सरकार की कमान, पार्टी हाईकमान ने श्रीमती रेखा गुप्ता को सौंपी है। रेखा को किस कोटर से निकाला गया है, कोई नहीं जानता। हालाँकि रेखा जी छात्र राजनीति से प्रशिक्षित होकर चुनाव की राजनीति में आयीं हैं। रेखा का अवतरण उसी तरह हुआ है जैसा कि पहले राजस्थान ,मप्र और छग में अपने मुख्यमंत्रियों का किया था। दिल्ली में पूर्व मुख्यमंत्री साहिब सिंह वर्मा के बेटे प्रवेश वर्मा को मुख्यमंत्री पद का स्वाभाविक उम्मीदवार समझा जा रहा था ,लेकिन हुआ उल्टा। भाजपा ने आतिशी का उत्तराधिकारी रेखा को बनाया। रेखा महिला भी हैं और वैश्य समाज का चेहरा भी। भाजपा की विवशता थी कि वो दिल्ली की जनता को महिला की जगह महिला और केजरीवाल की जगह वैश्य को ही मुख्यमंत्री बनाये ,सो बना दिया हालाँकि ये निर्णय करने में भाजपा को पूरे 12 दिन लग गए। रेखा दिल्ली की चौथी महिला मुख्यमंत्री होंगी। चार में से दो महिलाएं भाजपा की ओर से दी गयी। पूर्व में श्रीमती सुषमा स्वराज भाजपा की सरकार की मुख्यमंत्री रह चुकीं हैं। कांग्रेस ने श्रीमती शीला दीक्षित को और आम आदमी पार्टी ने आतिशी को मुख्यमंत्री बनाया था। आपको याद होगा की 1996 में रेखा गुप्ता दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ (डुसू) की अध्यक्ष चुनी गयीं थीं। 2007 में वो दिल्ली के पीतमपुरा (उत्तर) की काउंसिलर बनीं। रेखा ने पहला

विधानसभा चुनाव शालीमार बाग सीट से ही लड़ा था लेकिन जीत नहीं पायीं थीं ,किन्तु हाल के विधानसभा चुनाव में रेखा गुप्ता ने आम आदमी पार्टी की बंदना कुमारी को करीब 30 हजार वोट से हराया।। रेखा ने सपने में भी नहीं सोचा होगा कि पार्टी उन्हें मुख्यमंत्री बना देगी। भाजपा ने इससे पहले राजस्थान में श्रीमती वसुंधरा राजे को मुख्यमंत्री नहीं बनाकर महिला विरोधी होने के आक्षेप झेले थे ,लेकिन दिल्ली में महिला को मुख्यमंत्री बनाकर भाजपा महिलाओं में एक बार फिर अपनी जगह बनाने की नाकाम कोशिश कर रही है। मेरी अपनी धारणा है कि भाजपा हाई कमान ने रेखा को मुख्यमंत्री बनाकर एक तरह से जुआ खेला है। तीर निशाने पर लगा तो ठीक अन्यथा तुरुप बदलने में देर कितनी लगती है ? भाजपा अब पार्टी में पीढ़ी परिवर्तन कर रही है। मध्यप्रदेश में डॉ मोहन यादव और राजस्थान में भजनलाल शर्मा को मुख्यमंत्री बनाकर भाजपा ने ये प्रयोग करके देख लिया कि पार्टी में कोई इस प्रयोग की खुलकर मुखालफत नहीं कर पाया ,दिल्ली में भी मुख्यमंत्री बनने का ख्वाब पलने वाले तमाम नेता अपमान का घूँट पीकर रह गए हैं। वरना दावा तो पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल या पूर्व उप मुख्यमंत्री मनीष सिसौदिया को हारने वाले विधायकों का बनता था। जानकारों का कहना है कि भाजपा हाईकमान ने अब महिलाओं को ही अपना रक्षा कवच बना लिया है। दिल्ली विधानसभा की 29 सीटें महिलाओं की वजह से ही भाजपा जीती है। महिलाएं यदि भाजपा के पक्ष में खुलकर मतदान न करतीं तो मुमकिन था की भाजपा की सरकार बन ही न पाती। भाजपा ने मप्र की तर्ज पर दिल्ली में भी महिलाओं को प्रतिमाह 2500रुपए सम्मान निधि देने की घोषणा की थी। महिलाओं को ललचाकर भाजपा महाराष्ट्र विधान सभा चुनाव भी जीत चुकी है ,केवल झारखण्ड की महिलाएं भाजपा के झांसे में नहीं आयीं। भाजपा ने 70 सीटों में से 9 पर महिला उम्मीदवार उतारे थे। आपको याद होगा कि दिल्ली में जबीं लम्बे आरसे बाद 1993 में विधानसभा के चुनाव हुए थे तब भाजपा की सरकार बनी थी ,लेकिन तबकी भाजपा ने मात्र 5 साल में तीन मुख्यमंत्री बनाये थे। पहले मुख्यमंत्री मदनलाल खुराना केवल 3 साल ही अपने पद पर रह पाए। खुराना हटे तो साहिब सिंह वर्मा को मुख्यमंत्री बनाया गया थे,वे कोई डेढ़ साल ही पद पर रह पाए की उन्हें भी हटा दिया गय। साहिब सिंह के बाद श्रीमती सुषमा स्वराज मुख्यमंत्री मुख्यमंत्री बनाई गयीं थीं 1998 में कांग्रेस की श्रीमती शीला दीक्षित के नेतृत्व में हुए चुनाव में भाजपा सत्ता से बेदखल कर दी गयी थी। उम्मीद की जाना चाहिए कि भाजपा इस बार 27 साल बाद दिल्ली की सत्ता में वापस लौटने पर पहले जैसी गलती नहींकरेगी ,यानि पांच साल में तीन मुख्यमंत्री नहीं बनाएगी। अब देखना ये है कि रेखा गुप्ता क्या दिल्ली की नयी शीला दीक्षित बन पाएंगीं या नहीं फिलहाल रेखा जी भाजपा की जीवन रेखा तो बन ही गयीं हैं।

जब प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू ने किया था कुंभ स्नान!

डॉ श्रीगोपाल नारसन

प्रथम प्रधानमंत्री रहे पंडित जवाहरलाल नेहरू के शहर इलाहाबाद में सन 1924 का अर्ध कुंभ का मेला लगा हुआ था।इस अर्ध कुंभ में पूरे देश से श्रद्धालु संगम के तट पर आकर स्नान कर सुखद अनुभूति कर रहे थे। लेकिन तभी तत्कालीन अंग्रेज सरकार ने कुंभ स्नान पर पाबंदी लगा दी।कोई भी व्यक्ति संगम में डुबकी नही लगा सकता थी।जिससे आमजन की भावनाएं आहत हो रही थी। अंग्रेज सरकार की इस मनमानी का पंडित जवाहरलाल नेहरू ने पुरजोर विरोध किया।उन्होंने स्वयं तमाम प्रतिबन्धों के बावजूद संगम में स्नान करने की ठान ली।जिसमे उनका साथ दिया बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय के संस्थापक पंडित मदन मोहन मालवीय ने। पंडित मदन मोहन मालवीय और जवाहरलाल नेहरू के नेतृत्व में करीब ढाई सौ लोगों की टीम संगम के तट पर स्नान करने के लिए पहुंच गई।वहां पुलिस का सख्त पहरा था और घुड़सवार पुलिस हाथों में डंडे लिए डुबकी लगाने वालों पर लाठियां बरसाने के लिए तैयार थी। प्रशासन द्वारा संगम की रेत पर बैरिकेडिंग कर दी गई थी ताकि कोई उसे पार कर गंगा जी तक ना पहुंच सके।संगम में स्नान करने को लेकर पंडित जवाहर लाल नेहरू, पंडित मदन मोहन मालवीय और उनकी टीम के सभी लोग गंगा जी की रेत पर बैठकर सत्याग्रह करने लगे। उनके चारों तरफ घुड़सवार पुलिस वाले कुछ इस तरह चक्कर लगा रहे थे ताकि किसी भी समय घोड़े उनके ऊपर चढ़ाकर व लाठियां बरसाकर सत्याग्रह को तोड़ सके।इस विपरीत हालात में जब यह सत्याग्रह चलते काफी समय हो गया तो पंडित जवाहर लाल नेहरू का जोश काबू में ना रहा और वे एक झटके में बैरिकेडिंग पर चढ़ गए।उन्होंने पुलिस के लाठी डंडों की कोई परवाह नहीं की और सीधे मां गंगा की गोद में छलांग लगा दी।उन्होंने कई डुबकी लगाई और जमकर कुंभ स्नान किया।स्नान के बाद नेहरू जी जी शान से वापस आए और फिर से पंडित मदन मोहन मालवीय के बगल में आकर सत्याग्रहियों के साथ बैठ गए। नेहरू जी का यह कारनामा देखकर उस समय के वयोवृद्ध पंडित मदन मोहन मालवीय को भी जोश आ गया और उन्होंने भी पूरी टीम के साथ स्नान करने का फरमान सुना दिया। इस तरह पंडित मदन मोहन मालवीय के साथ एक बार फिर से पंडित नेहरू पुलिस को धता बताते हुए गंगा जी में स्नान करने पहुंचे और दोबारा कुंभ स्नान किया। उन्होंने अपनी माता और पिता के निधन के बाद हिंदू रीति रिवाज के अनुसार उनकी अस्थियों का प्रवाह संगम में किया और गंगा स्नान किया था।

आज का राशिफल

मेष गौरव दिलाने वाला है। आपके अच्छे कामों से आपके और आपके परिवार का नाम रोशन होगा।	**तुला** आज बहुत सोच-समझकर काम करने के बाद भी नुकसान होने की आशंका है।
वृषभ दिन खुशियों भरा रहेगा। आपको अपनी संतान की अच्छी आदतों और उनकी सफलता पर गर्व होगा।	**वृश्चिक** आज दिन लाभदायक रहेगा। किसी कीमती चीज से आपको फायदा हो सकता है।
मिथुन अगर कोई मुकदमा या पूछताछ चल रही है, तो आज का समय आपके पक्ष में नहीं है।	**धनु** आज दिन धार्मिक रहेगा। आपका मन गुरु के प्रति श्रद्धा और भक्ति से भरा रहेगा।
कर्क आज दिन तरक्की दिलाने वाला है। अगर आपकी पदोन्नति रुकी हुई है, तो हो सकती है।	**मकर** आज दिन ऊर्जावान रहेगा। आपके अंदर शारीरिक शक्ति और उत्साह बना रहेगा।
सिंह आज दिन बदलाव लेकर आएगा। अगर आप व्यापारी हैं, तो आपके व्यापार में कुछ नए बदलाव होंगे।	**कुंभ** विशेष रूप से धैर्य रखना होगा क्योंकि जल्दबाजी में किए गए काम से नुकसान हो सकता है।
कन्या दिन जिम्मेदारियों भरा रहेगा। आपके अधिकार बढ़ने के साथ-साथ जिम्मेदारियां भी बढ़ेंगी।	**मीन** स्वास्थ्य के लिहाज से थोड़ा मुश्किल हो सकता है। स्वास्थ्य संबंधी परेशानियां हो सकती हैं।

विशेष

बिहार कांग्रेस प्रभारी कृष्णा अल्लावरु से किसे टेंशन

बिहार कांग्रेस में कृष्णा अल्लावरु को नया प्रदेश प्रभारी नियुक्त किया गया, जिससे राज्य में राजनीतिक सरगर्मी बढ़ गई है। प्रभारी बनने के बाद अल्लावरु पटना पहुंचे, जहां कांग्रेस कार्यकताओं ने उनका भव्य स्वागत किया। उन्होंने कहा, बिहार कांग्रेस को मजबूत करना मेरी प्राथमिकता होगी। कांग्रेस ने आगामी विधानसभा चुनावों को ध्यान में रखते हुए यह बदलाव किया है। सूत्रों के मुताबिक, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे भी 22 फरवरी को बिहार दौरे पर आ रहे हैं, जहां वह बक्सर में जनसभा को संबोधित करेंगे। दरअसल खबर यह है कि कांग्रेस के इस नए नेतृत्व से आरजेडी की चिंता बढ़ गई है, क्योंकि दोनों दलों के बीच गठबंधन की स्थिति स्पष्ट नहीं है। कांग्रेस ने संकेत दिए हैं कि वह बिहार में स्वतंत्र रूप से अपनी रणनीति बनाएगी।

नौकरी के नाम पर ठगी कोई नई तो नहीं

गुजरात के जयदीप नाकरानी ने अहमदाबाद क्राइम ब्रांच में 70.90 लाख रुपये की ठगी का मामला दर्ज कराया है। उनका आरोप है कि दर्शित पटेल और जयमीन पटेल नामक व्यक्ति ने न्यूजीलैंड में वर्क परमिट, रहने और नौकरी दिलाने के नाम पर सात लोगों से ठगी की है। बताया जा रहा है कि जयदीप, जो खुद वीजा कंसल्टेंसी का काम करते हैं, ने इंस्टाग्राम पर माधवीस ब्रिटिश अकैडमी का विज्ञापन देखा और संपर्क किया। आरोपियों ने प्रति व्यक्ति 17 लाख रुपये लेकर टिकट भी बुक करवाई, लेकिन कुछ घंटों में ही टिकट रद्द हो गई। जब पीड़ितों ने पैसे वापस मांगे, तो आरोपी टालमटोल करने लगे। अंततः जयदीप ने क्राइम ब्रांच में धोखाधड़ी की शिकायत दर्ज कराई।

कार्टून कोना

तेजस्वी ने लालू यादव के लिए भारत रत्न की मांग की

आज का इतिहास

1613 माइकल रोमानोव रूप से जार बने और सभी से वहाँ रोमानोव वंश का शासन स्थापित हुआ. 1707 औरंगजेब की मौत अहमदनगर में हुई. 1795 डचों ने सीलोन, श्रीलंका, अंग्रेजों को सौंप दिया. 1907 अंग्रेजी भाषा के कवि आडेन का जन्म. 1916 प्रथम विश्व युद्ध में फ्रांस में बर्डन की लड़ाई भड़की. 1919 बावारेवा के प्रधानमंत्री कुर्त रिजनर की हत्या म्यूनिख में हुई. 1943 ब्रिटेन नरेश जार्ज षष्ठ ने रूसियों को सम्मानित किया. 1948 संविधान का प्रारूप राष्ट्रपति को सौंपा गया. 1963 सोवियत संघ ने अमरीका को चेतावनी दी कि क्यूबा पर हमला विश्व युद्ध में बदल सकता है. 1975 राष्ट्र संघ मानवाधिकार आयोग ने अधिकृत अख क्षेत्रों में दमनात्मक कार्रवाई के लिए इजरायल की कड़ी निंदा की. 1986 दक्षिण अफ्रीका सरकार ने जोहान्सबर्ग और डबरन अश्वेतों के लिए खोल दिए. 1990 कंबोडिया के प्रधानमंत्री हुन सेन ने राजकुमार सिंहानुक से बेंकाक में शांति वार्ता की.

दैनिक पंचांग

21 फरवरी 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कुंभ में	मीन	07.38 बजे से
चंद्र	वृश्चिक में	मेष	09.08 बजे से
मंगल	मिथुन में	वृष	10.48 बजे से
बुध	कुंभ में	मिथुन	12.46 बजे से
गुरु	वृष में	कर्क	15.00 बजे से
शुक्र	मीन में	सिंह	17.16 बजे से
शनि	कुंभ में	कन्या	19.28 बजे से
राहु	मीन में	तुला	21.39 बजे से
केतु	कन्या में	वृश्चिक	23.53 ब.से
राहुकाल		धनु	02.09 बजे से
10.30 से		मकर	04.14 बजे से
12.00 बजे तक		कुंभ	06.01 बजे से

शुक्रवार 2025 वर्ष का 52 वा दिन
दिशाशूल पश्चिम **ऋतु** शिशिर।
विक्रम संवत् 2081 **शक संवत्** 1946
मास फाल्गुन (दक्षिण भारत में माघ)
पक्ष कृष्ण
तिथि अष्टमी 11.58 बजे को समाप्त।
नक्षत्र अनुराधा 15.54 बजे को समाप्त।
योग व्याघात 11.59 बजे को समाप्त।
करण कौलव 11.58 बजे तदनन्तर तैतिल 00.44 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 22.5 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 10° 33'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872262
जूलियन दिन 2460727.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446 **महीना** शाबान **तारीख** 22
विशेष जानकी जयंती।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
चर	05.55 से	07.23 बजे तक	रोग	05.38 से	07.1 बजे तक
लाभ	07.23 से	08.51 बजे तक	काल	07.11 से	08.43 बजे तक
अमृत	08.51 से	10.19 बजे तक	लाभ	08.43 से	10.15 बजे तक
काल	10.19 से	11.47 बजे तक	उद्वेग	10.15 से	11.47 बजे तक
शुभ	11.47 से	01.15 बजे तक	शुभ	11.47 से	01.19 बजे तक
रोग	01.15 से	02.43 बजे तक	अमृत	01.19 से	02.51 बजे तक
उद्वेग	02.43 से	04.10 बजे तक	चर	02.51 से	04.23 बजे तक
चर	04.10 से	05.38 बजे तक	रोग	04.23 से	05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

सुंदरता बढ़ाने और सेहतमंद बनने के लिए इस्तेमाल करें तेजपत्ता

तेजपत्ते का इस्तेमाल केवल खाने में डालने तक ही सीमित नही हैं। कई लोगों को ये जानकर हैरानी हो सकती है कि तेजपत्ते के इस्तेमाल से आप अपनी त्वचा व बालों को भी फायदा पहुंचा सकते हैं। आइए, जानते हैं कि किस तरह से आप तेजपत्ते को अपनी सुंदरता बढ़ाने और सेहतमंद बनने के लिए इस्तेमाल कर सकते हैं।

- चेहरे पर दाग, धब्बे या मुहांसे होने पर तेजपत्ता काफी लाभदायक होता है। तेजपत्ते का लेप या फिर तेजपत्ता डालकर उबाले गए पानी से चेहरा धोना, चेहरे को साफ और बेदाग बनाए रखने में मदद करता है।
- तेजपत्ते का पानी सूर्य की किरणों से प्रभावित त्वचा को भी ठीक करने में मदद करता है, और त्वचा की रंगत को समान बनाए रखने में मदद करता है।
- बालों को नर्म, मुलायम और चमकदार बनाए रखने के लिए तेजपत्ते का उपयोग बेहद असरकारक होता है। आप चाहें तो इसे तेल में डालकर उस तेल को बालों की जड़ों में लगा सकते हैं, या फिर इसके पानी से बालों को धो सकते हैं।
- तेजपत्ते का लेप बनाकर बालों में लगाने से रूसी की समस्या से निजात मिल सकती है। इसे लेप को दही में मिलाकर भी लगाया जा सकता है, ताकि सिर की त्वचा में नमी बनी रहे और पोषण भी मिले।
- तेजपत्ते को सुखाकर उसके पाउडर को मंजन की तरह इस्तेमाल करना, दांतों की सफेदी और चमक बरकरार रखने में कारगर है। आप चाहें तो इसे सप्ताह में एक दिन आजमा सकते हैं।
- अगर किसी को काफी समय से कमर दर्द हो, तो इस काढ़े को पीने से जल्दी आराम मिलता है। आप चाहें तो कमर पर तेजपत्ते के तेल से मालीश भी कर सकते है।
- शीत लहर से होने वाले शारीरिक दर्द को भी ये काढ़ा दूर करने में मदद करता है। इसके लिए आप 10 ग्राम तेजपत्ता, 10 ग्राम अजवायन और 5 ग्राम सौंफ को एक साथ पीसकर मिश्रण तैयार कर लें। अब इस मिश्रण को 1 लीटर पानी में डालकर अच्छी तरह से उबाल लें। जब पानी उबलने के बाद 100-150 मिलीलीटर बच जाए तो गैस बंद कर दें। कुछ देर बाद जब ये मिश्रण ठंडा जाएगा तो आपका काढ़ा पीने के लिए तैयार है।
- अगर कही पर मोच आ गई हो, तो सूजन और दर्द से राहत देने में तेजपत्ते का काढ़ा सहायक होता है। आप चाहें तो तेजपत्ता को पीसकर उसका लेप भी दर्द वाली जगह पर लगा सकते हैं इससे भी राहत मिलती है।
- अगर नसों में सूजन हो या नसों में खिंचाव, तो भी तेजपत्ते का काढ़ा आराम पहुंचाता है।

गठिया का दर्द सोख लेती हैं ये चीजें, जड़ से खत्म होगी दर्दनाक तकलीफ

आर्थराइटिस पेन को गठिया का दर्द भी कहा जाता है। जिसे कम करने के लिए कुछ चीजों का सेवन करना चाहिए। शोधों में इन फूड्स को दर्द और इंफ्लामेशन से छुटकारा दिलाने वाला पाया गया है।

बुढ़ापे के साथ जोड़ों का दर्द भी आना आम बात है। इस रोग को गठिया या आर्थराइटिस भी कहा जाता है। उम्र के साथ घुटनों, कोहनी आदि हड्डी के जोड़ों की मूवमेंट कम होने लगती है और इंफ्लामेशन बढ़ने लगती है। जिसकी वजह से सूजन, दर्द, अकड़न जैसे लक्षण दिखने लगते हैं। इस बीमारी में कुछ एंटी-इंफ्लामेटरी फूड्स रामबाण साबित हो सकते हैं। इन खाद्य पदार्थों में दर्द को कम करने वाली शक्ति होती है। इसलिए घर के बड़े-बुजुर्गों को इन चीजों का सेवन जरूर करवाएं।

सेब है गठिया का इलाज

सेब खाकर गठिया के दर्द से राहत पाई जा सकती है। क्योंकि, इसे मोटापे से आई सूजन व इंफ्लामेशन को कम करने में मददगार देखा गया है। जिससे मोटापे के शिकार लोगों में जोड़ों के दर्द में भी कमी देखी गई।

खाने में अच्छी तरह डालें अदरक और हल्दी

अदरक और हल्दी को आयुर्वेद में कई रोगों की दवा माना जाता है। क्योंकि यह एंटी-इंफ्लामेटरी गुणों का भंडार हैं। इन्हें औषधि या भोजन के रूप में लेने पर दर्द, सूजन आदि लक्षणों से राहत पाई जा सकती है।

स्ट्रॉबेरी, क्रैनबेरी, ब्लैकबेरी

सभी बेरीज में विटामिन सी और अन्य एटीऑक्सीडेंट्स की भरमार होती है। आर्थराइटिस फाउंडेशन के मुताबिक, इनमें गठिया से लड़ने वाले गुण होते हैं।

मशरूम है लाभदायक

मशरूम के अंदर फेनोलिक, इंडोलिक, मायकोस्टेरोइड्स, फैटी एसिड, कैरोटेनोइड्स, विटामिन और बायोमेटल जैसे कई सारे एंटी-इंफ्लामेटरी कंपाउंड होते हैं। यह सभी तत्व आर्थराइटिस के इलाज में मदद करते हैं।

अनार खाने के फायदे

अनार के अंदर टैनिन काफी मात्रा में होते हैं। इनमें एंटी-इंफ्लामेटरी गुण पाए जाते हैं। जो घुटनों के दर्द से राहत दिलाने में मदद करते हैं। इसलिए गठिया के मरीजों के लिए इसका सेवन फायदेमंद माना जाता है

पके कटहल को करें डाईट में शामिल

कटहल हर कोई खाना पसंद करता है। इसमें फाइबर की भरपूर मात्रा पाई जाती है जो आपके अच्छे स्वास्थ्य के लिए बहुत ही आवश्यक है। पके कटहल में प्रोटीन भी बहुत ही अधिक मात्रा में पाया जता है। इसके अलावा इसमें पाया जाने वाला पोटैशियम हृदय संबंधी समस्याओं को दूर रखने में मदद करता है। कटहल आपके लिवर के लिए भी बहुत ही फायदेमंद होता है। तो चलिए आपको बताते हैं कि पका कटहल खाने से आपकी सेहत को और कौन-कौन से फायदे हो सकते हैं.

कटहल के पत्ते भी हैं फायदेमंद

कटहल ही नहीं बल्कि उसके पत्ते भी आपके अच्छे स्वास्थ्य के लिए बहुत ही फायदेमंद होते हैं। जिनके मुंह में छाले की समस्या होती है उन्हे कटहल के पत्ते को चबाना चाहिए। इससे उनकी मुंह के छालों में काफी आराम मिलेगा।

पाचन मजबूत

गर्मियों में यदि आपको खाना नहीं पच पाता तो आप पके हुए कटहल को अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं। यह पाचन संबंधी समस्याओं को दूर करके आपका वजन सुधारने में भी मदद करता है।

इम्यूनिटी होगी स्ट्रांग

पके कटहल में विटामिन सी भी भरपूर मात्रा में पाया जाता है। विटामिन-सी आपके शरीर में एक एंटीऑक्सीडेंट के रुप में कार्य करता है। इसका सेवन करने से आपकी इम्यूनिटी स्ट्रांग होती है। साथ ही यह आपके शरीर के लिए इम्यूनिटी बूस्टर की तरह काम करता है।

लिवर रहता है स्वस्थ

पके कटहल का सेवन करने से आपका लिवर भी स्वस्थ रहता है। इसमें पाए जाने वाले पोषक तत्व आपके लिवर को मजबूत बनाते हैं। इसमें राइबोफ्लेविन, जिंक, कॉपर और नाइसिन जैसे तत्व पाए जाते हैं जो लिवर को मजबूत बनाने में मदद करते हैं।

दिल रहेगा स्वस्थ

पका हुआ कटहल आपके हृदय के लिए भी बहुत ही लाभकारी माना जाता है। इसमें पाया जाने वाला पोटैशियम ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में मदद करता है।

वजन होगा कम

पके हुए कटहल में एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण भी पाए जाते हैं जो आपके शरीर में बढ़ते हुए मोटापे को रोकने में मदद करते हैं। इसका अलावा इसे रेसवेरास्ट्रॉल नाम के एंटीऑक्सीडेंट का भी बहुत ही अच्छा स्त्रोत माना जाता है। यह आपके रक्त के संचार को कंट्रोल करन में भी मदद करता है।

दिल की बीमारी के खतरे को कम करता है किचन में रखा ये तेल

सरसों को तेल हमारे किचन में बहुत आसानी से उपलब्ध होता है और यह हमारे स्वास्थ्य के लिए अच्छा भी होता है। लेकिन क्या आपको यह पता है कि यह हमारे हार्ट हेल्थ के लिए कितना अच्छा है। सरसों के तेल की खासियत बहुत कम लोगों को पता है। सरसों का तेल विटामिन, मिनरल्स, कैल्शियम और आयरन जैसे तत्वों से भरपूर होता है, जो आपको सेहतमंद रखने में मदद करते हैं। यह आपके हार्ट के लिए कैसे अच्छा और इसके फायदे क्या है।

अल्फा-लिनोलेनिक एसिड

सरसों के तेल में अल्फा-लिनोलेनिक एसिड पाया जाता है, जो एक प्रकार का ओमेगा-3 फैटी एसिड है और यह शरीर के लिए काफी फायदेमंद माना जाता है। आमतौर पर यह हृदय रोगों को नियंत्रित करने में मदद करता है।

कोलेस्ट्रोल को कंट्रोल करता है

सरसों के तेल के प्रत्येक 100 ग्राम में करीब 60 से 70 प्रतिशत मोनोअनसैचुरेटेड फैट होता है, जो कि गुड फैट है और कोलेस्ट्रोल के स्तर को कम करने में मदद करता है । यह हर्ा डिजीज के रिस्क को भी कम करता है।

हार्ट हेल्थ के लिए अच्छा है

रिसर्च गेट में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार, सरसों के तेल में विटामिन ई और एंटीऑक्सीडेंट पाए जाते हैं, जो हृदय की सेहत को सुरक्षित रखने मदद कर सकते हैं। इन तत्वों के नियमित सेवन से हृदय रोग का खतरा कम हो जाता है।

इन्फ्लेमेशन को कम करना

सरसों के तेल में एंटी-इन्फ्लेमेटरी प्रॉपर्टी के गुण भी होते हैं, जो शरीर में होने वाले किसी भी प्रकार के इन्फ्लेमेशन को कम कर सकते हैं। यह हृदय संबंधी समस्याओं के रिस्क को कम करने में मदद करता है।

इम्युनिटी स्ट्रांग होती है

सरसों के तेल में मौजूद विटामिन और खनिज तत्व शरीर को मजबूत बनाते हैं। जिससे रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है और हार्ट सहित कई बीमारियों के होने का खतरा और भी कम होता है।

कोई भी बीमारी सेहत के लिए अच्छी नहीं होती। इन दिनों खराब लाइफस्टाइल और गलत खान-पान के कारण हार्ट अटैक का खतरा बढ़ता ही जा रहा है। हृदय को स्वस्थ रखने के लिए अच्छी डाइट और व्यायाम करना बहुत ही जरुरी है। एक्सरसाइज करने से आपका शरीर एकदम फूर्तीला रहता है और आप बीमारियों से भी दूर रहेंगे। आज आपको कुछ ऐसी एक्सरसाइज बताएंगे जो आपके हार्ट के साथ-साथ आपके स्वस्थ शरीर के लिए भी बहुत ही फायदेमंद होगी। तो चलिए जानते हैं उनके बारे में.

दिल रहेगा एकदम स्वस्थ रुटीन में ये ट्राई करें

कार्डियो एक्सरसाइज करें

हृदय को स्वस्थ रखने के लिए आप कार्डियो एक्सरसाइज को अपनी डेली रुटीन में शामिल कर सकते हैं। इसमें जॉगिंग, साइकिलिंग और वॉक भी शामिल हैं। इससे आपके हृदय की गति तेज होगी और साथ में हृदय की मांसपेशियों की भी एक्सरसाइज होगी।

स्ट्रेचिंग और वेट लिफ्टिंग एक्सरसाइज

आप अच्छे स्वास्थ्य और दिल को स्वस्थ रखने के लिए वेट लिफ्टिंग एक्सरसाइज और स्ट्रेचिंग भी कर सकते हैं। स्ट्रेचिंग करने से आपके शरीर में लचीलापन आता है। साथ ही वेट लिफ्टिंग एक्सरसाइज करने से आपका वजन कंट्रोल में रहता है और शरीर में ताकत भी आती है। वेट लिफ्टिंग एक्सरसाइज में आप पुशअप्स, स्क्वैट्स, पुलअप्स जैसी एक्सरसाइज को अपनी रुटीन का हिस्सा बना सकते हैं।

जंपिंग जैक एक्सरसाइज करें

जंपिंग जैक एक्सरसाइज आपके हेल्दी हार्ट के लिए बहुत ही फायदेमंद होती है। इससे आपका हृदय स्वस्थ रहता है। इससे हृदय की गति भी बहुत अच्छे से होती है।

कैसे करें जंपिंग जैक एक्सरसाइज

.सबसे पहले आप सीधे खड़े हो जाएं।
.इसके बाद ऊपर की ओर उछलें और अपने हाथों को भी ऊपर उठा लें। .हाथ उठाने के बाद पैरों को भी फैला लें। ऐसे ही 10-15 मिनट तक करें और फिर नीचे नार्मल पॉजिशन में आ जाएं।

हर्डल जंप करें

आप हृदय को स्वस्थ रखने के लिए आप हर्डल जंप एक्सरसाइज भी कर सकते हैं। इसमें आप किसी हर्डल को लेकर उसके ऊपर से जंप करें। आप डंबल, बॉक्य या फिर किसी स्टेपर का हर्डल के रुप में इस्तेमाल कर सकते हैं। इन चीजों को आप उछल कर पार करें। इस एक्सरसाइज से आपकी हार्ट बीट तेज होगी। हार्ट बीट तेज होने से आपका दिल मजबूत बनेगा।

बर्पी एक्सरसाइज करें

बर्पी एक्सरसाइज आपकी बाजुओं , टांगों और छाती के लिए बहुत ही फायदेमंद होती है। इस एक्सरसाइज में स्क्वाट, पुशअप, जंपिंग तीनों चीजें एकसाथ की जाती है। यह तीनों एक्सरसाइज आपको एक सैट में ही करनी पड़ती हैं। इस एक्सरसाइज से आपकी हृदय गति तेज होगी और दिल की धड़कन एकदम नॉर्मल हो जाएगी।

1.80 लाख करोड़ के मोबाइल फोन निर्यात करेगा भारत

नईदिल्ली, एजेंसी। मोबाइल फोन निर्यात से चालू वित्त वर्ष में भारत 1.80 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई कर सकता है। पिछले वित्त वर्ष की तुलना में यह 40 फीसदी ज्यादा होगा। इंडिया सेल्युलर एंड इलेक्ट्रॉनिक्स एसोसिएशन के अनुसार, पिछले साल अप्रैल से इस साल जनवरी तक 1.50 लाख करोड़ का निर्यात हुआ है। अकेले जनवरी में 25,000 करोड़ से अधिक का निर्यात हुआ। 2020-21 में उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना की शुरुआत के बाद से 6.80 गुना वृद्धि का अनुमान है।

पीएलआई योजना के शुरू होने के बाद से भारत में मोबाइल फोन उत्पादन 2,20,000 करोड़ से दोगुना बढ़कर 4,22,000 करोड़ हो गया है। 2024-25 में उत्पादन 5.10 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचने वाला है, जो वैश्विक विनिर्माण महाशक्ति के रूप में भारत के उभरने को और मजबूत करेगा।

आईफोन की एक और निर्माता कंपनी भारत आने की तैयारी में- अमेरिका और चीन की लड़ाई में भारत को फायदा हो रहा है। आईफोन के कलपुर्जे बनाने वाली जापानी कंपनी मुराता कुछ उत्पादन भारत लाने पर विचार कर रही है। कंपनी मल्टीलेयर सिरेमिक कैपेसिटर बनाती है। अभी 60 फीसदी उत्पादन जापान में ही करती है लेकिन बढ़ती मांग को देखते हुए उसने भारत में उत्पादन को लाने की योजना बनाई है। मुराता के प्रेजिडेंट नोरियो नाकाजिमा ने कहा, कंपनी भारत में अपने निवेश की गति बढ़ाने पर विचार कर रही है। हम अपने नवीनतम कैपेसिटर ज्यादातर जापान में बना रहे हैं, लेकिन विदेशों में ज्यादा निर्माण करना चाहते हैं। मुराता ने तमिलनाडु के वनहब चेन्नई इंडस्ट्रियल पार्क में एक प्लॉट किराये पर लिया है। कंपनी अगले वित्त वर्ष तक इस प्लांट से सिरेमिक कैपेसिटर की पैकेजिंग और उसकी शिपिंग की योजना बना रही है।

चालू वित्त वर्ष में 33.57 करोड़ टन पैदावार की आशा

निर्यात भी बढ़ने के संकेत

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत खाद्यान्न की कमी वाले देश से खाद्यान्न अधिशेष वाला देश बन गया है। पीएचडीसीसीआई के अनुसार, 2024-25 में खाद्यान्न उत्पादन दो फीसदी बढ़कर 33.57 करोड़ टन हो सकता है। कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पादों के निर्यात में वृद्धि का संकेत मिलता है, जिसमें वित्त वर्ष 2030 तक निर्यात 125 अरब डॉलर और 2035

तक 250 अरब डॉलर हो सकता है। रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2040 तक 450 अरब डॉलर और वित्त वर्ष 2047 तक 700 अरब डॉलर तक कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पादों का निर्यात होने का अनुमान है। देश का खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र वित्त वर्ष 2030 तक 700 अरब डॉलर, वित्त वर्ष 2035 तक 1,100 अरब डॉलर और 2047 तक 2,150 अरब डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है।

भारत में इस साल 9.2 फीसदी बढ़ सकता है वेतन

स्थिरता के साथ ग्रामीण मांग में सुधार की आशा

नईदिल्ली, एजेंसी। वैश्विक अनिश्चितता और विकास में नरमी के बीच भारत में इस साल वेतन में औसतन 9.2 प्रतिशत की वृद्धि होगी। पिछले साल यह 9.3 प्रतिशत थी। पेशेवर सेवा फर्म एओन पीएलसी ने कहा, भारत एक स्थिर विकास की गाथा के लिए तैयार है। 2025 में देश में वेतन वृद्धि स्थिर होने की उम्मीद है। 45 उद्योगों की 1,400 से अधिक कंपनियों के अध्ययन से पता चलता है कि कंपनियों में नौकरी छोड़ने की दर अब कम हो रही है। 2022 के बाद से वेतन वृद्धि में गिरावट का चलन रहा है। इससे बचने के लिए कंपनियों ने तब वेतन में औसतन 10.6 फीसदी का इजाफा किया था। 2023 में 18.7 प्रतिशत और 2022 में 21.4 प्रतिशत कर्मचारियों ने संबंधित कंपनियों से इस्तीफा दिया था। हालांकि, 2024 में घटकर यह दर 17.7 प्रतिशत रह गई। रिपोर्ट के अनुसार, अनुमानित वेतन वृद्धि में गिरावट का रुझान देशों के बीच तनाव और आर्थिक विकास, अमेरिकी व्यापार नीतियों के संभावित प्रभाव, मध्य पूर्व में संघर्ष और अन्य कारणों से हो सकता है। हालाँकि, भारत की आर्थिक संभावनाएं स्थिर बनी हुई हैं। ग्रामीण मांग में सुधार हो रहा है। निजी खपत में गति बनी हुई है।

ईएमआई चुकाने में ही खर्च हो जा रही भारतीयों की एक तिहाई कमाई

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय अपनी कमाई का 33 प्रतिशत से अधिक हिस्सा कर्ज की किस्तों यानी ईएमआई चुकाने पर खर्च कर रहे हैं। पीडब्ल्यूसी और परफियोस के एक नए अध्ययन में यह

खुलासा हुआ है। अध्ययन करने वालों का दावा है कि उन्होंने 30 लाख से अधिक टेक्निक के जरिए वित्तीय लेन-देन करने वाले उपभोक्ताओं के खर्च करने की आदतों का एनालिसिस कर यह निष्कर्ष हासिल किया है। हाउ इंडिया स्पेंड्स-यानी भारत कैसे खर्च करता है, नामक रिपोर्ट कहती है कि कर्ज की मासिक किस्त का भुगतान करने वाले व्यक्तियों की हिस्सेदारी हाई-मीडियम लेवल की इनकम वालों में सबसे अधिक है। वहीं, एंट्री लेवल की इनकम वालों में सबसे कम है।

कम सैलरी वाले कहां करते हैं खर्च- इसके अलावा, कम सैलरी वाले वर्ग के लोग अनौपचारिक स्रोतों जैसे दोस्तों, परिवार या कर्ज देने वाली नॉन-रजिस्टर्ड कंपनियों से लोन ज्यादा लेते हैं।

मोटे तौर पर, रिपोर्ट में कहा गया है कि भारतीय परिवार अपनी आय का 39 प्रतिशत जरूरी खर्चों (जैसे लोन की किस्तें), 32 प्रतिशत आवश्यकताओं तथा 29 प्रतिशत विवेकाधीन व्यय पर खर्च करते हैं, जिसमें लाइफ स्टाइल से जुड़ी खरीदारी और ऑनलाइन गेमिंग सबसे अधिक है।

बचत में कमी से परिवारों पर बढ़ रहा दबाव

परफियोस के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सब्यसाची गोस्वामी ने कहा कि उपभोग में वृद्धि हो रही है, लेकिन बचत में कमी से परिवारों पर दबाव बढ़ रहा है। यह पिछले छह वर्षों में वेतन में 9.1 प्रतिशत की सालाना वृद्धि के बावजूद है। हम देखते हैं कि जैसे-जैसे परिवार वाहन और घर खरीद रहे हैं, कर्ज का स्तर बढ़ रहा है।

आय के स्तर से बदल रही जरूरतें

उच्च आय वर्ग के लोग सहज सुलभ ऋण की वजह से उच्च जीवनशैली के लिए खर्च, वाहन खरीदने, छुट्टियों पर घूमने, सैरसपाटा या विलासिता का सामान खरीदने में रुचि दिखा रहे हैं। रिपोर्ट में कहा गया है।

अध्ययन का व्यापक दायरा- रिपोर्ट में ऐसे कर्ज लेने वाले शामिल हैं जो मुख्य रूप से फिनटेक, एनबीएफसी यानी गैर-बैंकिंग वित्त कंपनियों और अन्य डिजिटल प्लेटफार्म का इस्तेमाल करते हैं। ये लोग टियर- से लेकर मेट्रो शहरों में रहने वाले हैं और इनका आय स्तर 20,000 रुपये प्रति माह से कम से लेकर 1,00,000 रुपये प्रति माह से अधिक था।

जरूरतों की परिभाषा तय थी- रिपोर्ट में कर्ज की अदायगी और बीमा प्रीमियम के पेमेंट जरूरी खर्च की श्रेणी में रखा है। वहीं, ऑनलाइन गेमिंग, बाहर खाने या भोजन मंगवाने, मनोरंजन, यात्रा और जीवनशैली से जुड़ी खरीदारी विवेकाधीन खर्च के दायरे में रखी गई हैं। पानी, बिजली, गैस का बिल, ईंधन, दवा, किराने का सामान आदि को बुनियादी जरूरतों से जुड़े खर्च में रखा गया है।

डराते हैं आरबीआई के आंकड़े

आरबीआई के आंकड़ों के अनुसार, बढ़ती खपत के बावजूद, भारत की घरेलू बचत पांच साल के निचले स्तर पर पहुंच गई है। वित्तीय परिसंपत्तियों में यह गिरावट व्यक्तिगत ऋणों में उछाल के साथ मेल खाती है, जो सितंबर 2024 तक साल-दर-साल 13.7 प्रतिशत बढ़कर 55.3 खरब हो गए हैं।

इनकम के मुताबिक खर्च का तरीका बदला

शुरुआती स्तर की इनकम वालों से लेकर उच्च आय वालों तक विवेकाधीन व्यय पर खर्च की जाने वाली धनराशि का प्रतिशत क्रमश: 22 प्रतिशत से 33 प्रतिशत तक बढ़ रहा है। जरूरी खर्चों के लिए भी यही प्रवृत्ति देखी गई है, जहां खर्च का प्रतिशत प्रवेश स्तर के आय वालों के लिए 34 प्रतिशत से बढ़कर उच्च आय वालों के लिए 45 प्रतिशत हो रहा है।

1 लाख के निवेश को बना दिया 3 करोड़, अब गिरता ही जा रहा शेयर

नईदिल्ली, एजेंसी। शेयर बाजार के लिए साल 2025 अब तक बेहद ही खराब रहा है। इस दौरान कई शेयरों अपने लाइफ टाइम लो पर आ गए हैं। ज्यादातर निवेशकों के पोर्टफोलियो लाल हो गए हैं। बाजार में भारी गिरावट के बीच, पिछले साल के मल्टीबैगर शेयरों की हालात और भी अधिक पस्त हैं। आज हम आपको जिस शेयर के बारे में बता रहे हैं उसमें तो इस साल अब तक 68 प्रतिशत तक की तगड़ी गिरावट देखी गई, जबकि पिछले साल इस शेयर का मल्टीबैगर रिटर्न रहा था। हम बात कर रहे हैं- श्री अधिकारी ब्रदर्स टेलीविजन नेटवर्क के शेयरों की। कंपनी के शेयर इन दिनों लगातार गिरावट में कारोबार कर रहे हैं।

दिसंबर तिमाही के नतीजे

बता दें कि पिछले सप्ताह ही कंपनी ने चालू वित्त वर्ष के लिए अपने दिसंबर तिमाही के नतीजे जारी किए हैं। श्री अधिकारी ब्रदर्स टेलीविजन नेटवर्क का नेट घाटा दिसंबर 2024 को समाप्त तिमाही में 22.79 करोड़ रुपये हो गया, जबकि दिसंबर 2023 को समाप्त पिछली तिमाही के दौरान 5.22 करोड़ रुपये का नेट घाटा हुआ था। दिसंबर 2024 को समाप्त तिमाही में बिक्री 637.50 प्रतिशत बढ़कर 2.36 करोड़ रुपये हो गई, जबकि दिसंबर 2023 को समाप्त पिछली तिमाही के दौरान 0.32 करोड़ रुपये थी।

कंपनी के शेयरों के हाल

श्री अधिकारी ब्रदर्स टेलीविजन नेटवर्क के शेयर आज 2 प्रतिशत की गिरावट के साथ 498.90 रुपये पर आ गए। इससे पहले इसका बंद भाव 509.05 रुपये था। इस साल अब तक यह शेयर 68 प्रतिशत तक टूट गया। इस दौरान इसकी कीमत करीबन 1500 रुपये से गिरकर वर्तमान प्राइस तक आ गई है। महीनेभर में 22 प्रतिशत और पांच दिन में 8 प्रतिशत तक गिरा है। वहीं, पिछले एक साल में यह शेयर 43 रुपये से बढ़कर वर्तमान प्राइस तक पहुंच गया। यानी 1000 प्रतिशत से अधिक का रिटर्न बनता है। पांच साल में अब तक इसमें करीबन 40,000 प्रतिशत तक की तेजी देखी गई है। 20 फरवरी 2020 को यह शेयर 1.26 रुपये के भाव पर था। यानी एक लाख लगाने वालों को पांच साल में 3 करोड़ रुपये से अधिक का मुनाफा करा दिया होता।

1021 इलेक्ट्रिक बसों का ऑर्डर मिलते ही रॉकेट बना शेयर

कंपनी का है तगड़ा प्लान

नईदिल्ली, एजेंसी। बाजार की सुस्ती के बीच जेबीएम ऑटो लिमिटेड के शेयरों में बुधवार को तूफानी तेजी देखी गई। कंपनी को मिले एक बड़े ऑर्डर के बाद सप्ताह के तीसरे दिन शेयर 19 प्रतिशत की बढ़त के साथ 674 के भाव तक पहुंच गया था। ट्रेडिंग के अंत में शेयर 14.08 प्रतिशत बढ़कर 646.20 रुपये पर बंद हुआ।

क्या है ऑर्डर की डिटेल- जेबीएम ऑटो लिमिटेड की सहायक कंपनी जेबीएम इकोलाइफ मोबिलिटी ने पीएम ईबस सेवा योजना-II के तहत 5500 करोड़ का ऑर्डर हासिल किया। कंपनी ने घोषणा की कि जेबीएम इकोलाइफ मोबिलिटी ने 1021 इलेक्ट्रिक बसों की परचेच, सप्लाई, ऑपरेट और मेंटेनेंस के लिए बस ऑपरेटर के रूप में काम करने के लिए टेंडर जीता है। इस परियोजना में ग्रॉस कॉस्ट कॉन्ट्रैक्ट (जीसीसी) मॉडल पर संबद्ध विद्युत और नागरिक इंफ्रा स्ट्रक्चर का डेवलपमेंट भी शामिल है। बता दें कि इस ऑर्डर के तहत गुजरात, महाराष्ट्र और हरियाणा के 19 शहरों में इलेक्ट्रिक बसें तैनात होंगी। ये इलेक्ट्रिक

बसें 12 वर्षों के संचालन में 3200 करोड़ से अधिक यात्री ई-किलोमीटर तय करेंगी और 100 करोड़ से अधिक टन ष्टह्र2 उत्सर्जन बचाएंगी।

कहां तक फैला कारोबार- जेबीएम ऑटो अब तक भारत, यूरोप, मध्य पूर्व और अफ्रीका सहित अलग-अलग क्षेत्रों में लगभग 2000 इलेक्ट्रिक बसें तैनात कर चुकी है।

इस नए ऑर्डर के साथ कंपनी की मजबूत ऑर्डर बुक अब 11,000+ इलेक्ट्रिक बसों तक पहुंच गई है। इसके साथ जेबीएम ने दिल्ली- एनसीआर क्षेत्र में दुनिया की सबसे बड़ी समर्पित इंटीग्रेटेड इलेक्ट्रिक बस निर्माण सुविधा (चीन को छोड़कर) स्थापित की है। इसकी वार्षिक उत्पादन क्षमता 20,000 इलेक्ट्रिक बसें है। बता दें कि भारत सरकार ने पीपीपी मॉडल पर 10000 इलेक्ट्रिक बसों की तैनाती करके बस संचालन को बढ़ाने के उद्देश्य से 16 अगस्त 2023 को पीएम-ईबस सेवा योजना शुरू की थी।

जेबीएम ऑटो के तिमाही नतीजे

दिसंबर तिमाही में जेबीएम ऑटो का मुनाफा आठ प्रतिशत बढ़कर 52 करोड़ रुपये हो गया। जेबीएम ऑटो ने कहा कि कंपनी ने एक साल पहले इसी अवधि में 49 करोड़ रुपये का मुनाफा अर्जित किया था। चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में परिचालन आय सहित बिक्री 1,396 करोड़ रुपये रही। यह एक साल पहले इसी तिमाही में 1,346 करोड़ रुपये की तुलना में चार प्रतिशत अधिक है।

बीरधर वीर शेट्टी ने ट्रक ड्राइवर से करोड़पति किसान बनने का सफर तय किया

नईदिल्ली, एजेंसी। तेलंगाना के गंगापुर गांव के एक साधारण किसान के बेटे बीरधर वीर शेट्टी ने ट्रक ड्राइवर से करोड़पति किसान बनने का सफर तय किया है। उन्होंने मिलेट की खेती के अपने जुनून को फलते-फूलते व्यवसाय में बदल दिया। इसका टर्नओवर 1 करोड़ रुपये से अधिक है। शेट्टी ने हजारों किसानों को सशक्त बनाया है। यह कहानी कड़ी मेहनत और अटूट दृढ़ संकल्प की है। आइए, यहां बीरधर वीर शेट्टी की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

सिर्फ नौवीं कक्षा तक पढ़े

बीरधर वीर शेट्टी का जन्म गंगापुर गांव के एक किसान परिवार में हुआ था। पढ़ाई सिर्फ नौवीं कक्षा तक ही हो पाई। आस-पास कोई स्कूल न होने के कारण घर छोड़कर ट्रक हेल्पर का काम शुरू किया। बाद में ट्रक ड्राइवर बन गए। उस समय उनके पास 11 एकड़ जमीन थी। शेट्टी हमेशा कुछ अलग करने का सपना देखते थे। रामोजी फिल्म सिटी में ड्राइवर और छोटे कलाकार के रूप में काम करने के अनुभव ने उन्हें महत्वपूर्ण एक्सपोजर दिया। लेकिन, उनके जीवन में असली बदलाव इंटरनेशनल क्रॉप्स रिसर्च इंस्टीट्यूट फॉर द सेमी-एरिड ट्रॉपिक्स से जुड़ने के बाद आया।

20,000 की पूंजी से शुरू किया काम- 2006 में शेट्टी इंटरनेशनल क्रॉप्स रिसर्च इंस्टीट्यूट फॉर द सेमी-एरिड ट्रॉपिक्स में ड्राइवर कम जनरल असिस्टेंट के रूप में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने प्रसिद्ध वैज्ञानिकों के साथ मिलकर काम किया। किसानों के जीवन को बेहतर बनाने के उद्देश्य से

कृषि पद्धतियों के बारे में सीखा। 2009 में एक ज्वार परियोजना के दौरान बीड, महाराष्ट्र की यात्रा उनके जीवन का महत्वपूर्ण मोड़ साबित हुई। उन्होंने वहां गरीबी और खाद्य चुनौतियों का अनुभव किया। इसने उन्हें मिलेट (बाजरा) की खेती के लिए प्रेरित किया। 2009 में शेट्टी ने 20,000 रुपये के छोटे से निवेश और अपने गुरुओं के सहयोग से हैदराबाद में पहली बाजरा रोटी की दुकान खोली। उनकी बाजरे की रोटियां लोकप्रिय हो गईं। उनका व्यवसाय तेजी से बढ़ा। उन्होंने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक उपभोक्ताओं के लिए लंबे समय तक चलने वाले नवीन बाजरा उत्पादों को विकसित करने के लिए इंटरनेशनल क्रॉप्स रिसर्च इंस्टीट्यूट फॉर द सेमी-एरिड ट्रॉपिक्स से प्राप्त अपने ज्ञान का इस्तेमाल किया।

1 करोड़ रुपये का कारोबार- बीरधर वीर शेट्टी की उद्यमशीलता के चलते कई उद्यमों का निर्माण हुआ है। इनमें से कुछ सबसे प्रमुख- भवानी फूड्स, एसएस एग्रो फूड्स और स्वावलंबन एग्री फाउंडेशन हैं। उनके उद्यम भारत के आठ राज्यों में फैले हुए हैं। ये 40 लोगों के लिए रोजगार पैदा करते हैं। उनके पास मिलेट प्रोसेसिंग, मल्टी-पल्स, बायोमास पेलेट यूनिट्स के अलावा एक वॉटर प्लांट है। ये सभी मिलकर 1 करोड़ रुपये तक का कारोबार करते हैं। किसानों की मदद के लिए शेट्टी ने 2016 में स्वावलंबन एग्री फाउंडेशन की स्थापना की। यह फाउंडेशन अब भारतीय बाजरा अनुसंधान संस्थान और अन्य सरकारी संगठनों के साथ मिलकर बाजरा की खेती और मूल्य संवर्धन पर काम कर रहा है। शेट्टी ने हजारों किसानों को प्रशिक्षित किया है। इससे उनकी आय में काफी बढ़ोतरी हुई है।

कई तरह के बनाते हैं प्रोडक्ट- शेट्टी ने स्वयं सहायता समूह और किसान समूह बनाए हैं। ये महिलाओं और किसानों को अपने उत्पादों को संसाधित करने और बेचने के लिए सशक्त बनाते हैं। शेट्टी की कंपनियां मिलोविट ब्रांड के तहत कई तरह के बाजरा-आधारित उत्पाद बनाती हैं। इनमें रोटी, मल्टीग्रेन लड्डू, बिस्कुट और स्नैक्स शामिल हैं। ये उत्पाद दिल्ली, हैदराबाद, वारंगल, महबूबनगर और सदाशिवपेठ में पांच आउटलेट्स में बेचे जाते हैं। वह उत्पादों में वैल्यू एडिशन करके किसानों को अधिक कमाई करने और व्यापक बाजारों तक पहुंचने में मदद करते हैं। उन्हें मिलेट खेती के लिए कई पुरस्कारों से भी नवाजा जा चुका है।

गड़बड़ी मिलने पर एक साल में भी वापस कर सकते हैं पॉलिसी, ट्रेनिंग के बाद ही बीमा उत्पाद बिक्री

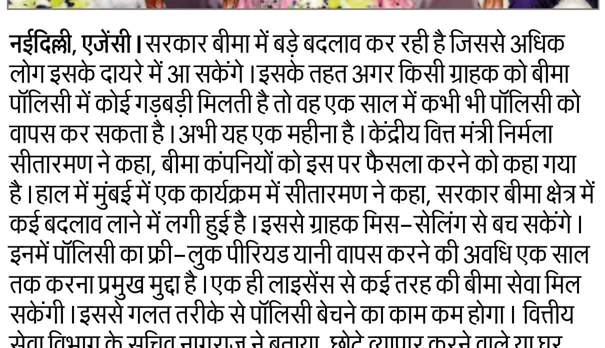

नईदिल्ली, एजेंसी। सरकार बीमा में बड़े बदलाव कर रही है जिससे अधिक लोग इसके दायरे में आ सकेंगे। इसके तहत अगर किसी ग्राहक को बीमा पॉलिसी में कोई गड़बड़ी मिलती है तो वह एक साल में कभी भी पॉलिसी को वापस कर सकता है। अभी यह एक महीना है। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा, बीमा कंपनियों को इस पर फैसला करने को कहा गया है। हाल में मुंबई में एक कार्यक्रम में सीतारमण ने कहा, सरकार बीमा क्षेत्र में कई बदलाव लाने में लगी हुई है। इससे ग्राहक मिस-सेलिंग से बच सकेंगे। इनमें पॉलिसी का फ्री-लुक पीरियड यानी वापस करने की अवधि एक साल तक करना प्रमुख मुद्दा है। एक ही लाइसेंस से कई तरह की बीमा सेवा मिल सकेंगी। इससे गलत तरीके से पॉलिसी बेचने का काम कम होगा। वित्तीय सेवा विभाग के सचिव नागराजू ने बताया, छोटे व्यापार करने वाले या घर खरीदने वाले लोग कई बार मजबूर होकर बीमा ले लेते हैं। इसे दूर करने का हमारा प्रयास है। इसके अलावा एक ही कंपनी जीवन और गैर जीवन बीमा यानी हेल्थ इंश्योरेंस समेत सभी बीमा उत्पाद दे पाएंगी। साथ ही आगे चलकर सिर्फ प्रशिक्षित एजेंट्स ही बीमा उत्पाद बेच पाएंगे।

मुझे अक्सर संदेह होता था कि मैं फिर से खेल पाऊंगा या नहीं:शमी

दुबई, एजेंसी। भारत के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने खुलासा किया है कि 2023 में टखने की चोट से पीड़ित होने के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में उनकी वापसी कितनी कठिन रही है और उन्होंने कहा कि कई बार ऐसा भी हुआ जब उन्हें लगा कि उन्हें देश के लिए फिर से खेलने का मौका कभी नहीं मिलेगा। शमी को 2023 में वनडे विश्व कप के दौरान टखने में चोट लगी थी, जिसके कारण वह एक साल से अधिक समय तक खेल से बाहर रहे। वह 2023 वनडे विश्व कप फाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारत की हार के बाद से देश के लिए नहीं खेले थे, जहां तेज गेंदबाज टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज थे। शमी ने इंदौर में मध्य प्रदेश के खिलाफ रणजी ट्रॉफी में बंगाल के पांचवें दौर के मैच के माध्यम से पेशेवर क्रिकेट में सफल वापसी की, जहां उन्होंने अपनी टीम की जीत में सात विकेट लिए।

उन्होंने सैयद मुश्ताक अली टी20 ट्रॉफी में बंगाल की गेंदबाजी का नेतृत्व भी किया, जिसमें 11 मैचों में 7.85 की इकॉनमी रेट से नौ विकेट चटकाए, जिसमें हैदराबाद के खिलाफ उनका सर्वश्रेष्ठ 3-21 रहा।

हालांकि, चोट के फिर से उभरने के कारण पेसर पांच मैचों की बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी सीरीज़ से बाहर हो गए। लेकिन, 34 वर्षीय खिलाड़ी ने पिछले महीने इंग्लैंड के खिलाफ भारत के लिए चार व्हाइट-बॉल मुकाबलों में भाग लेकर सफल वापसी की। अब वह गुरुवार को दुबई में बांग्लादेश के खिलाफ आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के पहले मैच में देश के लिए खेलते हुए अपनी वापसी को और आगे बढ़ाने के लिए तैयार हैं। विश्व कप के दौरान शानदार फॉर्म में होने से लेकर अचानक खुद को ऑपरेटिंग टेबल पर पाना और फिर चोटिल होना वाकई बहुत कठिन था। शमी ने आईसीसी से कहा, डॉक्टर से मेरा पहला सवाल था मुझे मैदान पर वापस आने में कितने दिन लगेंगे। उन्होंने कहा कि मेरी प्राथमिकता आपको चलाना, फिर जॉगिंग और फिर दौड़ना सिखाना है और प्रतिस्पर्धी क्रिकेट खेलने के बारे में सोचना अभी भी एक दूर का लक्ष्य है।मैं हमेशा सोचता था कि मैं कब फिर से अपने पैर जमीन पर रख पाऊंगा, जो व्यक्ति लगातार मैदान पर दौड़ने का आदी है, वह अब बैसाखी पर है। मेरे दिमाग में बहुत सारे विचार आते थे। क्या मैं फिर से ऐसा कर पाऊंगा? क्या मैं बिना लंगड़ाए चल पाऊंगा? उन्होंने कहा, पहले दो महीनों में, मुझे अक्सर संदेह होता था कि क्या मैं फिर से खेल पाऊंगा क्योंकि इस तरह की चोट के बाद 14 महीने का ब्रेक आपको नीचे गिरा सकता है। शमी ने कहा कि एक बार फिर बड़े मंच पर भारत का प्रतिनिधित्व करने की इच्छा ने उन्हें दर्द की बाधा को पार करने की ताकत दी। 60 दिनों के बाद जब उन्होंने मुझे अपने पैर जमीन पर रखने के लिए कहा, तो आप मेरी बात पर विश्वास नहीं करेंगे, लेकिन मैं अपने पैर जमीन पर रखने से पहले से कहीं ज्यादा डर गया था। ऐसा लगा जैसे मैं फिर से शुरुआत कर रहा हूं, जैसे कोई बच्चा चलना सीख रहा हो और मैं किसी भी जटिलता के बारे में चिंतित था। देश के लिए खेलने का साहस और जुनून सबसे बड़ी प्रेरणा है और सीने पर भारत का बैज पहनने की इच्छा ने मुझे आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

क्वार्टर फाइनल में पहुंचे अल्काराज

● टेनिसः दुबई टेनिस टूर्नामेंट में बड़ा उलटफेर, सबालेंका बाहर

दुबई, एजेंसी। अल्काराज का अगला मुकाबला जिरी लेहेका से होगा। इस बीच दूसरी वरीयता प्राप्त एलेक्स डी मिनौर ने बोटिक वैन डी ज़ैंडस्चुल्प को 6-4, 6-4 से हराकर पांचवीं वरीयता प्राप्त एंड्री रुबलेव के खिलाफ क्वार्टर फाइनल मैच तय किया। शीर्ष वरीयता प्राप्त कार्लोस अल्काराज ने लुका नारडी को तीन सेट तक चले कड़े मुकाबले में 6-1, 4-6, 6-3 से हराकर दोहा में जारी कतर ओपन टेनिस टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। वहीं, विश्व की नंबर एक खिलाड़ी आर्यना सबालेंका दुबई टेनिस टूर्नामेंट से बाहर हो गई हैं, लेकिन दूसरी वरीयता प्राप्त इगा स्वियातेक क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने में सफल रही। स्पेन के 21 वर्षीय अल्काराज दूसरे सेट में एक समय 4-1 से आगे था लेकिन इटली के खिलाड़ी ने इसके बाद शानदार वापसी करके मैच को तीसरे और निर्णायक सेट तक खींच दिया। अल्काराज का अगला मुकाबला जिरी लेहेका से होगा। इस बीच दूसरी वरीयता प्राप्त एलेक्स डी मिनौर ने बोटिक वैन डी ज़ैंडस्चुल्प को 6-4, 6-4 से हराकर पांचवीं वरीयता प्राप्त एंड्री रुबलेव के खिलाफ क्वार्टर फाइनल मैच तय किया। चौथी वरीयता प्राप्त दानिल मेदवेदेव ने ज़ज़ि़ौ बर्ग्स को 6-2, 6-1 से हराया।

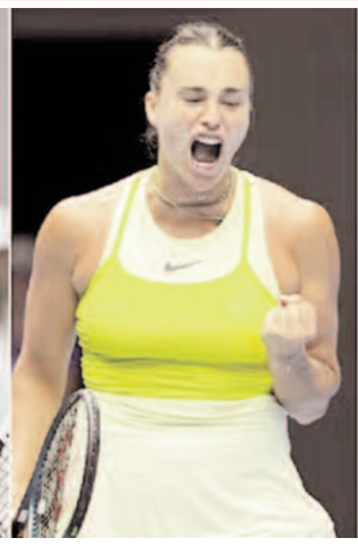

वह अंतिम आठ में फेलिक्स ऑगर अलियासिमे से भिड़ेंगे। जैक ड्रेपर ने क्रिस्टोफर ओ'कोनेल को 6-2, 6-1 से पराजित किया। उनका अगला मुकाबला माटेओ बेरेटिनी से होगा, जिन्होंने टालोन ग्रिक्सपुर को 7-6 (4), 6-7 (6), 6-4 से हराया। बेरेटिनी ने पिछले दौर में नोवाक जोकोविच को हराया था।

सबालेंका बाहर, स्वियातेक क्वार्टर फाइनल में

वहीं, दुबई टेनिस टूर्नामेंट में डेनमार्क की क्लारा टौसन ने सबालेंका को 6-3, 6-2 से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया, जहां उनका सामना लिंडा नोस्कोवा से होगा। चेक गणराज्य की खिलाड़ी ने पांचवीं वरीयता प्राप्त जेसिका पेगुला को 6-3, 7-6 (8) से हराया। स्वियातेक ने दयाना यास्त्रेम्स्का को 7-5, 6-0 से शिकस्त दी। उनका अगला मुकाबला मीरा एंड्रीवा से होगा, जिन्होंने पीटन स्टर्न को 6-1, 6-1 से हराया। मौजूदा चैंपियन जैस्मीन पाओलिनी को हार का सामना करना पड़ा। उन्हें सोफिया केनिन ने 6-4, 6-0 से पराजित किया। क्वार्टर फाइनल में केनिन का मुकाबला छठी वरीयता प्राप्त एलेना रयबाकिना से होगा। रयबाकिना ने नौवीं वरीयता प्राप्त पाउला बडोसा को 4-6, 7-6 (8), 7-6 (2) से हराया। सोराना क्रिस्टिया ने एम्मा नवारो को 7-6 (5), 3-6, 7-5 से पराजित किया। रोमानिया की खिलाड़ी का अगला मुकाबला कैरोलिना मुचोवा से होगा, जिन्होंने पहले मेकार्टनी केसलर को 6-3, 1-6, 7-6 (5) से हराया।

जसपाल और मनु भाकर का गोल्डन रिश्ता टूटेगा नहीं

ओलंपिक के बाद अब वर्ल्ड चैंपियनशिप पर निशाना

नई दिल्ली, एजेंसी। पेरिस ओलंपिक में दो मेडल जीतकर इतिहास रचने वाली भारतीय महिला शूटर मनु भाकर ने जसपाल राणा को लेकर चुप्पी तोड़ी है. उन्होंने साफ किया है कि भारतीय कोच के साथ वो जुड़ी रहेंगी. जसपाल राणा को भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ की ओर से पिस्टल शूटिंग के लिए हाई परफार्मेंस ट्रेनर नियुक्त किए जाने के बावजूद दोनों का 'गोल्डन रिश्ता' नहीं टूटेगा. वो मनु के कोच बने रहेंगे. बता दें एशियन गेम्स में 4 गोल्ड जीतने वाले जसपाल राणा और मनु के बीच टोक्यो ओलंपिक से पहले मतभेद हो गए थे. लेकिन इन सभी मतभेदों को भुलाकर दोनों पेरिस ओलंपिक के लिए फिर से जुड़े थे. इसके बाद दोनों की जोड़ी ने मिलकर इतिहास रच दिया था.

मनु भाकर का मानना है कि जसपाल राणा के गाइडेंस के बिना उन्हें सफलता नहीं मिल पाती. हन्नद्ध में मिले नए रोल के बावजूद वो उन्हें अपना मेंटॉर मानती हैं. मनु ने कहा 'मैं इतना ही कहूंगी कि वो मेरे कोच हैं और अपने काम में बहुत अच्छे हैं. वह काफी प्रतिभाशाली हैं और मेरे लिए बहुत ही शानदार कोच रहे हैं. जाहिर है कि वो किसी के भी कोच हो सकते हैं लेकिन मेरे लिए वो मेरे कोच हैं.'

वर्ल्ड चैंपियनशिप पर निशाना

मनु भाकर पिछले कुछ समय से एल्बो इंजरी से जूझ रही थीं. इस चोट से रिकवर करने के लिए उन्होंने लंबा ब्रेक लिया था और हर तरह की प्रतियोगिता से दूर थीं. लेकिन अब उन्होंने वापसी कर ली है. दोबारा वापसी करने के बाद नेशनल ट्रायल्स के दौरान वो रिदम सांगवान के बाद दूसरे नंबर पर रही थीं. पेरिस ओलंपिक के बाद उनका अगला निशाना वर्ल्ड चैंपियनशिप है. मनु भाकर अप्रैल में होने वाले वर्ल्ड कप में हिस्सा लेंगी. वहीं जून में घरेलू प्रतियोगिताओं के लिए उतरेंगी. इसके बाद म्यूनिख में होने वाले एक और वर्ल्ड कप में अपनी दावेदारी पेश करेंगी. लेकिन उनका मुख्य लक्ष्य कैरो में होने वाला वर्ल्ड चैंपियनशिप है. मनु ने भविष्य की प्लानिंग को लेकर कहा 'हम अप्रैल में वर्ल्ड कप में जाएंगे और उसके बाद जून में घरेलू प्रतियोगिताएं हैं. म्युनिख में फिर वर्ल्ड कप और अक्टूबर-नवंबर में वर्ल्ड चैंपियनशिप है. मेरा लक्ष्य वर्ल्ड चैंपियनशिप है.'

44 साल की उम्र में वीनस विलियम्स की कोर्ट पर वापसी

इंडियन वेल्स में वाइल्ड कार्ड से प्रवेश मिला

इंडियन वेल्स (कैलिफोर्निया), एजेंसी। सात बार की ग्रैंड स्लैम एकल चैंपियन वीनस ने 19 मार्च, 2024 को मियामी ओपन के पहले दौर में हार के बाद किसी भी प्रतियोगिता में भाग नहीं लिया है।

वीनस विलियम्स को अगले महीने इंडियन वेल्स में होने वाले बीएनपी परिबास ओपन टेनिस टूर्नामेंट के लिए वाइल्ड कार्ड से प्रवेश दिया गया है जो इस 44 वर्षीय खिलाड़ी का पिछले एक साल में पहला टूर्नामेंट होगा। सात बार की ग्रैंड स्लैम एकल चैंपियन वीनस ने 19 मार्च, 2024 को मियामी ओपन के पहले दौर में हार के बाद किसी भी प्रतियोगिता में भाग नहीं लिया है। वीनस ने पहली बार 1994 में इंडियन वेल्स टूर्नामेंट में भाग लिया था। उनके नाम पर विंबलडन में पांच और अमेरिकी ओपन में दो एकल खिताब दर्ज हैं। वीनस ने इसके साथ ही अपनी छोटी बहन सेरेना के साथ मिलकर 14 ग्रैंड स्लैम युगल खिताब भी जीते हैं।

जिन अन्य खिलाड़ियों को वाइल्ड कार्ड से प्रवेश दिया गया है उनमें दो बार की विंबलडन चैंपियन पेट्रा क्वितोवा भी शामिल हैं जो अपने पहले बच्चे को जन्म देने के कारण 15 महीने तक बाहर रहने के बाद वापसी कर रही हैं।

सीजन के अंत में संन्यास लेंगे एथलेटिक क्लब बिलबाओ के डिफेंडर ऑस्कर डी मार्कोस

मैड्रिड, एजेंसी। एथलेटिक क्लब बिलबाओ के अनुभवी डिफेंडर ऑस्कर डी मार्कोस ने बुधवार को घोषणा की कि वह मौजूदा सीजन के अंत में फुटबॉल से संन्यास ले लेंगे। अप्रैल में 36 साल के होने जा रहे डी मार्कोस इस समय क्लब के साथ अपने 16वें सीजन में खेल रहे हैं। पिछले रविवार को एस्पेनयोल के खिलाफ मुकाबले में उन्होंने 560वीं बार क्लब के लिए मैदान पर उतरकर खुद को एथलेटिक के इतिहास में दूसरा सबसे ज्यादा मैच खेलने वाला खिलाड़ी बना लिया। इस सूची में वह इकर मुनिएन के साथ संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर हैं, जबकि जोसे एंजेल इरिबार (614 मैच) इस सूची में शीर्ष पर हैं।

जनवरी में कर लिया था फैसला- डी मार्कोस ने क्लब के लेज़ामा प्रशिक्षण मैदान में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान बताया कि उन्होंने जनवरी की शुरुआत में कोच अर्नेस्टो वाल्वरडे को अपने संन्यास के फैसले की जानकारी दे दी थी। उन्होंने कहा, यह फैसला पहले से ही मेरे मन में था, लेकिन बीच-बीच में मैंने जारी रखने के बारे में भी सोचा।

शानदार करियर का समापन

इस सीजन में डी मार्कोस ने ला लीगा में 19 और यूरोपा लीग में छह मुकाबले खेले हैं। उनकी टीम एथलेटिक बिलबाओ इस समय ला लीगा में चौथे स्थान पर बनी हुई है और यूरोपा लीग के अंतिम-16 में भी जगह बना चुकी है। डी मार्कोस ने कहा, मुझे लगता है कि यह मेरे लिए सही समय है। मैंने यह देखने के लिए इंतजार किया कि मेरा शरीर क्या कहता है, और इसने मुझे संकेत दिया कि अब समय आ गया है। मैं चाहता था कि जब तक खेलूं, तब तक उपयोगी बना रहूं,

श्रीलंका और ऑस्ट्रेलिया सीरीज से बाहर हुई न्यूजीलैंड की तेज गेंदबाज मौली पेनफोल्ड

वेलिंगटन, एजेंसी। न्यूजीलैंड की तेज गेंदबाज मौली पेनफोल्ड घुटने की गंभीर चोट के कारण शेष सत्र से बाहर हो गई हैं। इसका मतलब है कि वह श्रीलंका और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आगामी श्रृंखला में हिस्सा नहीं ले सकेंगी। 23 वर्षीय पेनफोल्ड को इस महीने की शुरुआत में हैलीबर्टन जॉनस्टोन शील्ड के दौरान बाएं घुटने में मेनिस्कस की चोट लगी थी, जिसके बाद उनकी सर्जरी हुई। उनकी रिकवरी में करीब 12 सप्ताह लगने की उम्मीद है। मुख्य कोच बेन सॉयर ने इस पर निराशा व्यक्त करते हुए कहा, यह मौली के लिए दुर्भाग्यपूर्ण है, खासकर रोज़ बाउल श्रृंखला में उनके प्रभावी प्रदर्शन के बाद। हालांकि, सकारात्मक बात यह है कि वह शीतकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम तक फिट हो सकती हैं। पेनफोल्ड ने अब तक 14

वनडे में 9 और 10 टी20 मुकाबलों में 7 विकेट लिए हैं। पिछले साल दिसंबर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बेसिन रिज़र्व में उन्होंने 42 रन देकर 4 विकेट झटके थे, जो उनके करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा।

सोफी डिवाइन भी श्रीलंका के खिलाफ नहीं खेलेंगी

न्यूजीलैंड को श्रीलंका के खिलाफ अपने स्टार खिलाड़ी सोफी डिवाइन के बिना भी उतरना होगा। डिवाइन ने खेल से ब्रेक ले रखा है और उनकी ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उपलब्धता को लेकर अभी तक पुष्टि नहीं हुई है। न्यूजीलैंड अगले महीने श्रीलंका के खिलाफ तीन वनडे और तीन टी20 मैच खेलेगा, जिसके बाद वह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन टी20 मुकाबलों में हिस्सा लेगा।

चैंपियंस ट्रॉफी 2025

पाकिस्तान को लगा बड़ा झटका, फखर जमां टूर्नामेंट से बाहर

नई दिल्ली, एजेंसी। चैंपियंस ट्रॉफी में पाकिस्तान का आगाज अच्छा नहीं रहा. पहले मुकाबले में न्यूजीलैंड ने पाकिस्तान को 60 रनों के बड़े अंतर से हरा दिया. वहीं, अब पाकिस्तान को बड़ा झटका लगा है. दरअसल, पाकिस्तान के ओपनर फखर जमां टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, फखर जमां चैंपियंस ट्रॉफी के बाकी बचे मैचों में खेल नहीं पाएंगे.

भारत के खिलाफ मैच से पहले पाकिस्तान को लगा तगड़ा झटका- इससे पहले गुरुवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ फखर जमां चोट का शिकार हो गए थे. पाकिस्तानी ओपनर को चोट फील्डिंग के दौरान लगी थी. बहरहाल, अब भारत के खिलाफ मुकाबले से पहले फखर जमां का बाहर होना पाकिस्तान के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है. फखर जमां टूर्नामेंट के आगामी मैचों में नजर नहीं आएंगे. इसके अलावा वह पाकिस्तानी टीम के साथ दुबई नहीं जाएंगे. दरअसल, भारत और पाकिस्तान के बीच मुकाबला दुबई में 23 फरवरी को खेला जाएगा.

रेफरी को अपशब्द कहने पर जूड बेलिंगहैम पर लगा दो मैचों का प्रतिबंध

मैड्रिड, एजेंसी। स्पेनिश फुटबॉल महासंघ (आरएफईएफ) की अनुशासनात्मक समिति ने रियल मैड्रिड के इंग्लिश मिडफील्डर जूड बेलिंगहैम पर दो मैचों का प्रतिबंध लगाया है। यह कार्रवाई उन्हें ओसासुना के खिलाफ पिछले शनिवार को खेले गए मैच में लाल कार्ड दिखाए जाने के बाद की गई है। मैच के पहले हाफ में रेफरी जोस लुइस मुनुएरा मोंटेरो ने बेलिंगहैम को अपशब्द कहने के आरोप में बाहर भेज दिया था। हालांकि, आरएफईएफ ने बेलिंगहैम को रेफरी के प्रति अनादर का दोषी पाया है, जिसके चलते उन्हें दो मैचों के लिए निलंबित किया गया। यदि उन्हें रेफरी का अपमान करने का दोषी माना जाता, तो उनका प्रतिबंध 4 से 12 मैचों तक बढ़ सकता था। इस फैसले के बाद रेफरी मुनुएरा को सोशल मीडिया पर धमकियों और अभद्र टिप्पणियों का सामना करना पड़ा है। उन्हें और उनके परिवार को निशाना बनाते हुए सैकड़ों अपमानजनक संदेश भेजे गए, जिससे मजबूर होकर उन्होंने अपनी सोशल मीडिया प्रोफाइल बंद कर दी हैं। रियल मैड्रिड बेलिंगहैम के प्रतिबंध के खिलाफ अपील कर सकता है। अगर प्रतिबंध बरकरार रहता है, तो बेलिंगहैम शनिवार को गिरोना और अगले हफ्ते बेटिस के खिलाफ होने वाले मैचों में नहीं खेल

कल्कि... फेम नाग अश्विन की फिल्म कर सकती हैं आलिया

आलिया भट्ट इन दिनों संजय लीला आखाली की फिल्म लव एंड वॉर की शूटिंग में व्यस्त हैं, जिसमें उनके साथ रणबीर कपूर और विकी कौशल नजर आएंगे। इस फिल्म की शूटिंग अक्टूबर 2025 तक पूरी होने की उम्मीद है। इसके बाद आलिया अपनी अगली फिल्म की तलाश में थीं और अब खबर है कि उनकी यह तलाश लगभग पूरी हो चुकी है। सूत्रों के मुताबिक, आलिया कल्कि 2898 एडी के निर्देशक नाग अश्विन के साथ एक नई फिल्म के लिए बातचीत के अंतिम चरण में हैं।

कल्कि 2 के पहले एक और फिल्म बनाना चाहते हैं नाग

सूत्रों के अनुसार, नाग अश्विन कल्कि 2898 एडी के अगले भाग से पहले एक नई फिल्म बनाना चाहते हैं, जिसमें आलिया मुख्य भूमिका में होंगी। इस प्रोजेक्ट की कहानी और जॉनर को फिलहाल गोपनीय रखा गया है। सूत्र ने बताया, नाग अश्विन एक ऐसी कहानी पर काम कर रहे हैं, जो उनके दिल के करीब है।

पहले लव... की शूटिंग पूरी करेंगी आलिया

फिलहाल, इस प्रोजेक्ट को लेकर बातचीत अपने अंतिम चरण में है लेकिन अभी तक पेपर वर्क पूरा नहीं हुआ है। इस फिल्म को हैदराबाद स्थित प्रोडक्शन हाउस वैजयंती फिल्म्स के बैनर तले बनाया जाएगा। आलिया पहले लव एंड वॉर की शूटिंग

का शेड्यूल पूरी तरह क्लियर करना चाहती हैं, ताकि वह नवंबर से किसी नए प्रोजेक्ट को कमिट कर सकें। नाग अश्विन भी अपनी इस फिल्म को एक तय समय में पूरा करना चाहते हैं, क्योंकि 2026 के सेकंड हाफ में उन्हें कल्कि 2898 एडी 2 पर काम शुरू करना है।

अभिषेक पाठक की फिल्म पर भी बातचीत जारी है

आलिया, अश्विन के साथ पहली बार काम करेंगी। दोनों की क्रिएटिव सोच मेल खा रही है और अब सिर्फ डेट्स और अन्य औपचारिकताओं को फाइनल किया जा रहा है। पिछले साल आलिया निर्देशक अभिषेक पाठक की रोमांटिक फिल्म हाउसवाइफ भी साइन करने के करीब थीं और इस पर बातचीत अभी भी जारी है। वहीं आलिया के खाते में अल्फा और चामुंडा भी हैं।

मिसेज के बाद, सान्या मल्होत्रा का जादू जारी! मीनाक्षी सुंदरेश्वर और पगलैट ओटीटी पर ट्रेंड

सान्या मल्होत्रा न सिर्फ सिनेमाघरों में नहीं बल्कि ओटीटी पर भी अजेय अभिनेत्री साबित हो रही हैं! मिसेज में उनके प्रदर्शन के लिए अपार सराहना के बाद, दर्शक अब उनकी पिछली फिल्मों को फिर से देख रहे हैं, जिससे स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म पर मीनाक्षी सुंदरेश्वर 4 पर और पगलैट 5 पर ट्रेंड कर रही है।

सान्या मल्होत्रा ने एक भावनात्मक सोशल मीडिया स्टोरी के माध्यम से अपने प्रशंसकों को अपनी आभार व्यक्त की, आप सभी के प्यार और स्नेह के लिए बहुत आभारी महसूस कर रही हूं। तहे दिल से धन्यवाद। रिलीज से पहले ही मिसेज ने कई समारोहों में स्टैंडिंग ओवेशन और एक सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार के साथ काफी सराहना अर्जित की। अब प्रशंसक सान्या की पिछली भूमिकाओं में वापस देख रहे हैं, और उनकी बहुमुखी प्रतिभा को फिर से सराहना कर रहे हैं। आकर्षक मीनाक्षी सुंदरेश्वर से, जहां उन्होंने लॉन्ग डिस्टेंस की शादी को खूबसूरती से चित्रित किया। पगलैट में, जहां उन्होंने एक युवा विधवा के दुख से उबरते हुए अपने सूक्ष्म प्रदर्शन से दिल जीता है, सान्या की सिनेमाई यात्रा दर्शकों और आलोचकों को समान रूप से प्रभावित करती रही है। अब, मिसेज के ओटीटी पर स्ट्रीमिंग हो रही है और दर्शकों से लगातार प्यार मिल रहा है, उनकी पिछली परियोजनाओं पर नए सिरे से ध्यान एक कलाकार के रूप में उनके प्रभाव को और उजागर करता है। धर्मा प्रोडक्शंस के साथ उनके आगामी प्रोजेक्ट सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी का फैन बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, जहां सान्या बिल्कुल अलग अवतार में नजर आएंगी। हर भूमिका में गहराई और प्रामाणिकता लाने की उनकी क्षमता उनकी पीढ़ी के सबसे आकर्षक अभिनेत्रियों में से एक के रूप में उनकी जगह को मजबूत करती है।

नानी की हिट 3 में फैंस को मिलेगा खास सरप्राइज, अदिवी शेष की होगी एंट्री

हिट नानी द्वारा निर्मित एक बेहद सफल फ्रेंचाइजी है, जिसके पहले भाग में विश्वक सेन मुख्य भूमिका में थे। वहीं, फिल्म के भाग में अदिवी शेष ने अभिनय किया था, अब इसके तीसरे भाग में नानी मुख्य भूमिका निभाएंगे। फिल्म की शूटिंग पूरी होने वाली है और हिट- द थर्ड केस मई 2025 में रिलीज के लिए तैयार है। वहीं, इस फिल्म को लेकर नई जानकारी सामने आई है, खबर है कि अदिवी शेष भी अहम भूमिका में नजर आएंगे। निर्देशक ने उनके लिए एक मजबूत किरदार तैयार किया है और उनका दिखना दर्शकों के लिए एक सरप्राइज होगा। शैलेश कोलानू द्वारा निर्देशित हिट 3 एक विस्तारित कॉप यूनिवर्स का हिस्सा है और इसे नानी द्वारा भारी बजट पर निर्मित किया जा रहा है। नानी इस बहुप्रतीक्षित सीक्वल में अर्जुन सरकार का किरदार निभाएंगे।

ऋचा चड्डा ने अनाउंस की अपनी नई फिल्म

ऋचा चड्डा को पिछली बार वेब सीरीज हीरामंडी में देखा गया था। संजय लीना भंसाली की यह पहली वेब सीरीज है। अब ऋचा ने घोषणा की है कि वे खुद अपनी ही लिखी लव स्टोरी में अभिनय करने जा रही हैं। फिल्म का नाम फिलहाल आखिरी सोमवार रखा गया है। फिल्म की कहानी एक टीवी रियलिटी शो के निर्माता के बारे में है। इस निर्माता को जब ऑफिस में कोई चाइल्डिस कैट लेडी कह देता है तो वह उससे शादी करने की ठान लेती है। ऋचा ने कहा... मिडिल क्लास पंजाबी परिवार में बड़े होने से मेरा एक्सपीरियंस ऐसा रहा। मेरे सभी बड़े कजिन ने अरेंज मैरिज की है। यह कहानी भी कुछ ऐसी ही है जो एक परिवार के इर्द गिर्द ही घूमती है, यह एक फैमली मूवी है, जो आपके साथ आपके परिवार को भी पसंद आएगी। जब हम कॉलेज से पास होते हैं, तो बहुत सारे सपने लेकर बाहर आते हैं। कोई नौकरी में जाता है कोई बिजनेस में। जब आप 30 के होते हैं तो एक नौकरी और परिवार दोनों की आशा रखते हैं, लेकिन समाज को लगता है कि बहुत देर हो चुकी है। फिल्म का निर्देशन कौन करेगा, इस बारे में फिलहाल जानकारी नहीं है। फिल्म का निर्देशन कौन करेगा, इस बारे में फिलहाल कोई जानकारी नहीं है।

छावा फिल्म करने के बाद मुझे गर्व महसूस हो रहा है

मुक्काबाज, गैंग्स ऑफ वासेपुर, बॉम्बे टॉकीज और गोल्ड जैसी फिल्मों के लिए मशहूर विनीत कुमार सिंह हाल ही में विक्की कौशल अभिनीत फिल्म छावा में दमदार किरदार निभाते नजर आए। छावा में विनीत ने कवि कलश की भूमिका निभाई है। कवि कलश, संभाजी महाराज के करीबी दोस्त थे। फिल्म में अपने किरदार के लिए उन्हें फैंस की तारीफ मिल रही है। अभिनेता विनीत कुमार सिंह ने एक्स पर पोस्ट किया। उन्होंने पोस्ट पर लिखा कि एक अभिनेता के तौर पर यह सबसे जरूरी है कि आप ऐसी फिल्मों का हिस्सा बनें, जिनकी कहानी फैंस के दिलों को छू जाए। मैं हमेशा से ऐसी ही कहानी चुनने के बारे में सोचता हूं, जो फैंस को इंस्पायर करें या आपको कुछ नया महसूस करवाए। मुक्केबाज के बाद एक ऐसा समय था, जब मेरे पास काम नहीं था लेकिन आज मैं उस फिल्म का हिस्सा हूं, जिसे करने के बाद मुझे गर्व महसूस हो रहा है। विनीत ने जताया सभी का आभार विनीत कुमार कवि कलश इस खूबसूरत और दमदार किरदार निभाने का मौका मिला। जिंदगी अपने तरीके से सबक सिखाती है, कभी-कभी मुश्किल होता है लेकिन हमेशा सार्थक होता है। जिन्होंने मुझे प्रोत्साहित किया, उन सभी को धन्यवाद। विनीत ने सभी अभिनेताओं, निर्देशकों और पत्रकारों को विशेष धन्यवाद दिया, जिन्होंने उन्हें प्रोत्साहित किया और जीवन में कभी हार न मानने का कारण दिया। आशा करता हूं कि अब लोग नहीं पूछेंगे कि आपका नाम क्या है?

करण जौहर ने राजामौली की फिल्मों के लिए की बात!

बॉलीवुड के फेमस फिल्ममेकर करण जौहर अपने बेबाक बयानों के लिए भी जाने जाते हैं। उन्होंने हाल ही में कहानी कहने पर अपनी राय व्यक्त की। उनका मानना है कि फिल्म मेकिंग में तर्क से ज्यादा दृढ़ विश्वास जरूरी होता है। एक फिल्ममेकर का अपने विजन में अटूट विश्वास, दर्शकों को सबसे असंभव सीन्स को भी स्वीकार करने के लिए मजबूर कर सकता है।

उन्होंने साउथ के फेमस डायरेक्टर एसएस राजामौली, संदीप वांगा रेड्डी और अनिल शर्मा के कामों का उदाहरण दिया। करण जौहर ने इंटरव्यू में कहा कि जब तर्क उम्मीदों को पूरा करने में सफल नहीं होता है, तब फिल्मों में दृढ़ विश्वास को प्रयॉरिटी दी जाती है। उनका मानना है कि ग्रेटेस्ट फिल्ममेकर और उनके ब्लॉकबस्टर काम वास्तव में दृढ़ विश्वास से प्रेरिरत होते हैं और उनके लिए तर्क मायने नहीं रखता।

राजामौली की फिल्मों में तर्क कहां?

करण जौहर ने एसएस राजामौली का उदाहरण देते हुए बताया कि कैसे उनकी फिल्में कहानी कहने के अपने आत्मविश्वास के जरिए दर्शकों को आकर्षित करती हैं।

उन्होंने कहा, उदाहरण के लिए राजामौली सर की फिल्मों को ही लें। आप तर्क कहां देख सकते हैं? ये एनिमल, आरआरआर और गदर सहित सभी बड़ी ब्लॉकबस्टर के लिए सही है।

गदर फिल्म का भी किया जिक्र

उन्होंने गदर फिल्म के बड़े-बड़े सीन का जिक्र किया। करण ने कहा कि एक शख्स का अकेले ही हैंडपंप से 1 हजार लोगों को हराना तर्क की बात नहीं है, बल्कि डायरेक्टर अनिल शर्मा के इस यकीन की बात है कि सनी देओल ऐसा कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि अनिल ने सनी के किरदार को इतना भरोसेमंद बनाया कि दर्शकों को उनकी क्षमताओं पर यकीन हो गया।

धड़क 2 होगी रिलीज

प्रोजेक्ट्स की बात करें तो करण ने 2023 में रॉकी और रानी की प्रेम कहानी का डायरेक्शन किया था। इसमें आलिया भट्ट और रणवीर सिंह लीड रोल में थे। इनके अलावा शबाना आजमी, धर्मेंद्र और जया बच्चन भी नजर आए थे। अब उनके प्रोडक्शन की फिल्म धड़क 2 रिलीज होगी।

कृति सेनन ने शुरू की तेरे इश्क में की शूटिंग

कृति सेनन ने आनंद एल राय की फिल्म तेरे इश्क में की शूटिंग शुरू कर दी है, जिसमें वह पहली बार धनुष के साथ स्क्रीन शेयर करती नजर आएंगी। कृति ने तस्वीर साझा कर लिखा- चलो चलते हैं। सेट पर वापस आकर बहुत अच्छा लग रहा है। वह कर रही हूं जो मुझे सबसे ज्यादा पसंद है। इससे पहले, अभिनेता धनुष का सेट से वीडियो वायरल हुआ था, जहां उन्हें दिल्ली के एक कॉलेज में फिल्म की शूटिंग करते हुए देखा गया था। रांझणा (2013) और अतरंगी रे (2021) के बाद आनंद और धनुष एक बार फिर साथ काम कर रहे हैं। निर्देशक ने तेरे इश्क में और रांझणा के बीच विषय की समानताओं का संकेत दिया था, लेकिन आश्वासन दिया कि नई फिल्म एक अनूठी रचना होगी। कृति को आखिरी बार नेटफ्लिक्स फिल्म दो पत्ती में देखा गया था, जबकि धनुष ने रयान में अभिनय किया था, जिसे उन्होंने निर्देशित भी किया था।